{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 04 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 132
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 83,739.13
निफ्टी - 25,727.55
सोना - 1,53,930
चांदी - 2,80,000
डॉलर - 90.34

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

व्यवसायी ने सबसे महंगा वीआईपी नंबर 2.08 करोड़ में खरीदा

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के गुंटूर के एक व्यवसायी ने डीडीसी 0001 नंबर प्लेट 2.08 करोड़ रुपए में खरीदकर भारत का सबसे महंगा कार नंबर का रिकॉर्ड बनाया है। इस वीआईपी नंबर प्लेट की नीलामी बिग बॉय टॉयज ऑक्शन हाउस द्वारा की गई। यह नंबर प्लेट किरण कोलपाकुला की 6 लाख रुपए की मारुति सुजुकी इग्निस पर लगाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीडीसी 0001 ने पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए इसे भारत की सबसे महंगी नंबर प्लेट बना दिया है। इससे पहले एचआर-88 बी-8888 नंबर प्लेट 1.17 करोड़ रुपए में बिकी थी। यह ऐतिहासिक ऑनलाइन नीलामी लग्जरी कार डीलरशिप के नए ऑक्शन हाउस पर हुई। यह नंबर प्लेट, कार की कीमत से भी कई गुना ज्यादा मूल्य की है। बता दें वीआईपी नंबरों के प्रति कलेक्टर्स का आकर्षण बढ़ रहा है, जो अब महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच गया है।

पंकजा मुंडे के हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी...

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु के कुछ दिनों बाद, महाराष्ट्र के अन्य राजनेता भी हवाई यात्रा में सावधानी बरत रहे हैं। ताजा घटना भाजपा नेता और कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे से जुड़ी है, जिनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई, इसके बाद उन्हें अपनी हेलीकॉप्टर यात्रा स्थगित करनी पड़ी। दरअसल पंकजा जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए संभाजीनगर से लातूर के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने वाली थीं। हालांकि, पायलट ने तकनीकी खराबी की सूचना दी, इसकारण उन्हें अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ी। पंकजा मुंडे दूसरे हेलीकॉप्टर से सभा में शामिल होंगी।

आतंकी कनेक्शन के आरोप में युवक हिरासत में

बाराबंकी। बाराबंकी में मंगलवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी और एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने छापा मारकर एक युवक को पकड़ा। उसपर आतंकियों से कनेक्श का आरोप है। युवक दिल्ली में ऑटो स्पेयर पार्ट्स की कंपनी में काम करता है। वो कैंसर से जूझ रही अपनी मां को अस्पताल में देखने आया था। तभी एनआईए और एटीएस ने अस्पताल में छापा मारकर उसे उठा लिया। युवक को लखनऊ लाकर पूछताछ की जा रही है। पूरा मामला बदोसराय थाना क्षेत्र के खोर एत्महादपुर गांव का है। युवक का नाम राम लखन है। खोर एत्महादपुर गांव में झम्मन का छप्पर नुमा मकान है। झम्मन के परिवार में पत्नी सियावती के अलावा 6 बच्चे हैं। इनमें चार भाई

कुछ ना कहना

लोकसभा में राहुल के भाषण पर लगातार दूसरे दिन हंगामा...

नरवणे पर आर्टिकल दिखाया, तो स्पीकर ने रोका

सदन में उछाले पेपर, 8 विपक्षी सांसद पूरे सत्र के लिए निलंबित

नई दिल्ली। लोकसभा में राहुल गांधी की स्पीच पर लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ। राहुल ने मंगलवार दोपहर 2 बजे पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश्ड बुक के आर्टिकल को सदन में पेश किया। कहा- मुझे बोलने दिया जाए। उनके यह कहते ही एनडीए के सांसदों ने टोकना शुरू कर दिया। मंगलवार को वे 14 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे। इस बीच हंगामा तेज होता गया। राहुल ने सोमवार को भी 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश की थी।

सदन में हंगामा बढने पर स्पीकर कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने राहुल को रोका और दूसरी पार्टियों के सांसदों को बोलने को कहा, लेकिन राहुल के समर्थन में सपा सांसद नरेश उत्तम पटेल, टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय और डीएमके सांसद डी एम कातिर आनंद ने बोलने से इनकार कर दिया। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते वेल में पहुंच गए। स्पीकर पीठासीन कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उछाले। इसके बाद कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद पीठासीन दिलीप सैकिया ने 8 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया।

ये विपक्षी सांसद निलंबित

इसके बाद स्पीकर ने संसदीय नियमों का उल्लंघन करने पर मणिकम टैगोर, गुरजीत औजला, राजा वडिंग, हिबी ईडन, किरण रेड्डी, प्रशांत पोडोले, वेंकट रमन और डीन कुरियोकोज को शेष बजट सत्र निलंबित कर दिया। वहीं, प्रस्ताव पारित होने के बाद भी विपक्षी सदस्यों ने चेयर पर कागज फेंके। विपक्ष का आरोप है कि उन्हें महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलने नहीं दिया जा रहा है, जबकि सत्ता पक्ष ने इसे लोकतंत्र का अपमान बताया। सदन से बाहर किए जाने के बाद इन सांसदों ने संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वहीं, सांसदों के निलंबन के खिलाफ राहुल-प्रियंका समेत तमाम विपक्षी दल संसद परिसर में प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार की इस कार्रवाई को गलत ठहरा रहे हैं।

संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन

इसके बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सदस्यों ने लोकसभा से पार्टी सदस्यों के सस्पेंशन के खिलाफ संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार दोपहर से ही सदन में हंगामा हो रहा है, जब गांधी को 2020 के भारत-चीन संघर्ष पर पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण के अंशों पर आधारित एक लेख का हवाला देने से रोक दिया गया था।

भारतीय राजनीति को झकझोर देने वाली रक्षा कंपनी की सहयोगी से अडानी समूह ने किया समझौता

नई दिल्ली। इटली की कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड क्लीन चिट मिलने के पांच साल बाद फिर भारत के रक्षा क्षेत्र में प्रवेश को तैयार है। यह वही बहुचर्चित कंपनी हैं जिसका नाम वीवीआईपी हेलिकॉप्टर कांड से जुड़ा था। इस कांड ने करीब एक दशक तक भारतीय राजनीति को झकझोर दिया था। अगस्ता की पैतृक कंपनी लियोनार्डो के साथ अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की डील को अंतिम रूप दे दिया है। अडाणी ग्रुप के अनुसार इसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को होगी। लियोनार्डो कभी फिनमैकेनिका के नाम से जानी जाती थी।

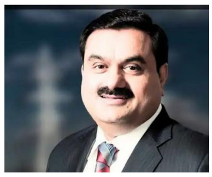

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला 3,600 करोड़ का एक वीवीआईपी हेलिकॉप्टर खरीद घोटाला है। इसमें कंपनी पर 12 एडब्ल्यू-101 (एडब्ल्यू-101) हेलिकॉप्टर की खरीद में वायुसेना के अधिकारियों और बिचौलियों को करीब 360 करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। भारत ने 2014 में सौदे को औपचारिक रूप से रद्द करने के बाद कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया था। सबूतों के अभाव में पहले इटली की अदालत ने और बाद में नवंबर 2021 में रक्षा मंत्रालय ने अगस्ता वेस्टलैंड को क्लीन चिट दे दी थी।

दरअसल यह सौदा 2010 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान इटली की कंपनी फिनमैकेनिका की सहायक कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड के साथ हुआ था। 2013 में इटली की जांच एजेंसियों ने रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच शुरू की। इस सौदे में बिचौलियों की भूमिका सामने आई। इसके बाद मामला सीबीआई को सौंपा गया और नौबत इतना आ गई कि सौदे के समय वायु सेना प्रमुख रहे एयर चीफ मार्शल एसपी त्यागी और कुछ अन्य लोगों को जेल जाना पड़ा।

सीबीआई ने 2010 में 12 वीवीआईपी हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति के लिए हुए सौदे के कारण सरकारी खजाने को 398.21 मिलियन यूरो (करीब 2,666 करोड़ रु.) के नुकसान का आरोप लगाया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2016 में दायर अपने आरोप पत्र में दावा किया था कि मिशेल को अगस्ता वेस्टलैंड से 30 मिलियन यूरो (करीब 225 करोड़ रु.) मिले थे।

युमनाम खेमचंद सिंह होंगे मणिपुर के 13वें सीएम

नई दिल्ली। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री होंगे। मंगलवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। अब राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। भाजपा सूत्रों के मुताबिक कुकी समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है। इस दौरान मणिपुर के विधायक दल का नेता चुनने के लिए नियुक्त सेंट्रल ऑब्जर्वर तरुण चुग, संबित पात्रा और मणिपुर के पूर्व सीएम बीरेन सिंह भी मौजूद रहे।

मणिपुर से एनडीए के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। वहीं अन्य विधायक सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी पहुंचे। 9 फरवरी 2025 को बीरेन सिंह के

इस्तीफे के 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। 12 फरवरी 2026 राष्ट्रपति शासन खत्म हो रहा है।

बोइंग 787 की उड़ान पर फिर सवाल : एअर इंडिया के विमान में 'फ्यूल कंट्रोल स्विच' में खराबी, जांच तेज

नई दिल्ली। एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान में एक बार फिर तकनीकी खामी सामने आई है। लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से बेंगलुरु तक उड़ान भरने वाले विमान (फ्लाइट नंबर एआई-132) में फ्यूल कंट्रोल स्विच में संभावित खराबी की शिकायत पायलट ने दर्ज कराई है। विमान में 200 से अधिक यात्री सवार थे। सोमवार सुबह बेंगलुरु में सुरक्षित लैंडिंग के बाद पायलट ने डिफेक्ट लॉग बुक में उल्लेख किया कि बाएं इंजन का फ्यूल कंट्रोल स्विच 'रन' पोजिशन से फिसलकर 'कट-ऑफ' की ओर जा रहा था और अपनी जगह पर लॉक नहीं हो पा रहा था।

फ्यूल कंट्रोल स्विच का इस्तेमाल इंजन को स्टार्ट और बंद करने के लिए किया जाता है। उड़ान के दौरान इसमें गड़बड़ी होना गंभीर सुरक्षा जोखिम माना जाता है। पायलट की रिपोर्ट मिलते ही एअर इंडिया ने संबंधित विमान को तुरंत ग्राउंड कर दिया और जांच के लिए मूल उपकरण निर्माता बोइंग को शामिल किया। साथ ही इस मामले की जानकारी नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भी दे दी गई है।

एअर इंडिया ने बयान में कहा कि डीजीसीए के निर्देश पर उसके पूरे बोइंग 787 बेड़े के फ्यूल कंट्रोल स्विच की पहले ही जांच की जा चुकी है, जिसमें किसी तरह की खामी नहीं पाई गई थी। हालांकि ताजा घटना के बाद जांच प्रक्रिया को और सख्त किया गया है। इस बीच फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने दावा किया है कि फ्यूल कंट्रोल स्विच में खराबी की समस्या लंदन हीथ्रो पर ही सामने आ गई थी। संगठन ने जून 2025 में हुए एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 हादसे का हवाला देते हुए ड्रीमलाइनर विमानों की इलेक्ट्रिकल सिस्टम की गहन जांच की मांग दोहराई है। गैर-लाभकारी संस्था सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन ने भी चेतावनी दी है कि इंजन स्टार्ट के दौरान स्विच का लॉक न होना, कुछ परिस्थितियों में उड़ान के दौरान इंजन बंद होने का कारण बन सकता है। गौरतलब है कि जून 2025 में अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की बोइंग 787-8 फ्लाइट एआई-171 टेकऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें 260 लोगों की मौत हुई थी। प्रारंभिक रिपोर्ट में दोनों इंजनों में ईंधन आपूर्ति अचानक बंद होने की बात सामने आई थी। इस हादसे की जांच अभी जारी है।

कोयला खनन घोटाला मामले में कोलकाता समेत 12 ठिकानों पर ईडी का छापा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। केंद्रीय एजेंसी की टीमें कोलकाता समेत राज्य के 12 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चला रही है। यह कार्रवाई उस जांच का हिस्सा है, जिसके तार पड़ोसी राज्य झारखंड से भी जुड़े हैं। इससे पहले इस मामले के सिलसिले में झारखंड में भी बड़े लेवल पर छापेमारी की गई थी, जहां कोयला माफियाओं के सिंडिकेट और वित्तीय लेन-देन के अहम सुराग मिले थे। ईडी की जांच मुख्य रूप से अवैध रूप से खनन किए गए कोयले की चोरी, परिवहन और उसके जरिए कमाए गए काले धन को सफेद करने के नेटवर्क पर केंद्रित है। बता दें यह मामला आई-पैक और प्रतीक जैन से जुड़े हालिया कोयला तस्करी मामले से पूरी तरह अलग है। ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि कोयला खनन का यह अवैध कारोबार केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है। झारखंड में हुई पिछली छापेमारी के दौरान एजेंसी को ऐसे दस्तावेज़ मिले थे, जो पश्चिम बंगाल के कई व्यापारियों और बिचौलियों की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। बंगाल में चल रही यह छापेमारी उस कोयला तस्करी मामले से अलग है, जिसमें हाल ही में राजनीतिक सलाहकार फर्म आई-पैक के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के ठिकानों की तलाशी ली गई थी।

ईडी रेड से जुड़े आई-पैक के मामले में सुनवाई टली...अब 10 फरवरी को

अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर राहुल गांधी...पीएम मोदी डरे हुए

नई दिल्ली । विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद के बाहर आकर भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर सवाल उठाकर कहा कि चार माह से अटका भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अचानक कैसे संपन्न हो गया। उन्होंने केंद्र से व्यापार समझौते का विस्तृत विवरण मांगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश को बेचने का आरोप लगाकर राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी डरे हुए हैं क्योंकि जिन लोगों ने उनकी छवि गढ़ी, वहीं अब उस छवि को बिगाड़ रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से रुका हुआ (अमेरिका-भारत) व्यापार समझौता कल रात पीएम मोदी ने

कर दिया। मुख्य बात यह है कि हमारे प्रधानमंत्री की छवि खराब हो गई है। जनता को इस बारे में सोचना चाहिए। पहली बार राष्ट्रपति के भाषण में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति नहीं मिली। नरेंद्र मोदी जी ने इस व्यापार समझौते में आपकी मेहनत बेच दी है, क्योंकि उनकी छवि खराब हो गई है। उन्होंने देश को बेच दिया है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में अडानी जी पर एक मामला चल रहा है, असल में यह मामला मोदी जी पर ही है...एपस्टीन फाइल्स में और भी बहुत कुछ है जो अमेरिका ने अभी तक जारी नहीं किया है। इस वजह से दबाव है। ये दो मुख्य कारण हैं। देश को यह समझना चाहिए।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी पर भारी दबाव है और 1000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया छवि का गुब्बारा फूट सकता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी को दबाव में लाया गया है। किसने उन्हें दबाव में लाया और यह कैसे किया गया, इस बारे में भारत की जनता को सोचना चाहिए।

भारत के नियम नहीं मानने तुम्हें... देश छोड़कर चले जाओ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और वॉट्सएप को फटकार लगाकर कहा है कि कोई भी कंपनी डेटा शेयरिंग के नाम पर इस तरह से लोगों के निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकती है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अगर भारत के नियम नहीं मानने हैं, तब तुम्हें देश छोड़कर निकल जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म मेटा और वॉट्सएप ने कॉम्पटीशन कमिशन ऑफ इंडिया के उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है जिसमें उनपर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जयमाला बागची, जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि 9 फरवरी को मामले में अंतरिम आदेश पारित होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस देश में निजता के अधिकार की सख्ती से रक्षा की जाती है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों की गोपनीयता संबंधी शर्तें इतनी चालाकी से तैयार की गई हैं कि लोगों उन्हें समझ ही नहीं पाएंगे और ये कंपनियां उनका डेटा चोरी करती रहेंगी।

अंकिता भंडारी मर्डर केस की जांच उत्तराखंड सरकार ने सीबीआई को सौंपी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी मर्डर केस की जांच सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने अपने हाथ में ली है। साथ ही, मामले में दिल्ली स्थित स्पेशल क्राइम ब्रांच ने एक वीआईपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सीबीआई की टीम के दो सदस्य उत्तराखंड पहुंचे ताकि लड़की की हत्या से जुड़े कथित वीआईपी एंगल की डिटेल में जांच कर सकें। यह केस तब सुर्खियों में आया जब भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उनकी कथित पत्नी उर्मिला सनावर से जुड़े वायरल ऑडियो क्लिप और वीडियो सामने आए। एक फेसबुक लाइव के दौरान, सनावर ने हत्या में एक वीआईपी के कथित तौर पर शामिल होने का जिक्र किया, जिससे नया विवाद और बहस शुरू हो गई। इन घटनाओं से राजनीतिक तनाव बढ़ा और विपक्षी पार्टियों और कई संगठनों ने मामले की सीबीआई जांच की मांग फिर से शुरू कर दी। इसके बाद उत्तराखंड सरकार ने ट्रांसपेरेंसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए और 9 जनवरी को सीएम धामी ने मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की। धामी सरकार ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी रसूख या पद पर हो, कानून से बचने नहीं दिया जाएगा और ज़ोर दिया कि पूरा सच सामने लाना उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। बता दें कि 19 साल की रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की हत्या से 2022 में पूरे उत्तराखंड में बहुत गुस्सा फैल गया।

हवाई किराए पर नकेल की तैयारी, राज्यसभा में सरकार ने दिया भरोसा

नई दिल्ली। देश में लगातार बढ़ते हवाई किराए और कुछ मार्गों पर एयरलाइनों के कथित एकाधिकार को लेकर केंद्र सरकार ने राज्यसभा में स्थिति साफ की है। सांसद विवेक तन्खा के लिखित प्रश्न के उत्तर में नागर विमानन मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क है और नागर विमानन क्षेत्र में संतुलित व प्रतिस्पर्धी माहौल बनाए रखने के लिए निरंतर नीतिगत समीक्षा की जा रही है।

नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के बाद भारतीय विमानन क्षेत्र को पूरी तरह उदारीकृत किया गया है। मौजूदा व्यवस्था में एयरलाइनों को बाजार स्थितियों और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर उड़ानों का संचालन, मार्ग चयन और क्षमता तय करने की स्वतंत्रता है।

हर्ष राईस मिल टेकाड़ी की जाँच पर पहुंची एनजीटी की दो सदस्यीय टीम

टेकाड़ी में अतिक्रमण अवैध उत्खनन,पेड़ काटने और सरकारी भूमि पर खनन का प्रकरण

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मंगलवार को एनजीटी की बैच के आदेश के बाद दो सदस्यीय टीम ने टेकाड़ी में संचालित हर्ष राइस इंड्रस्टीज में पहुंचकर मौके पर सीमांकन व अन्य शिकायतों की जांच कर पंचनामा तैयार किया है।जिस राईस मिल में पर्यावरण से संबंधित जांच की गई है यह मिल भाजपा पूर्व मंत्री एवं वर्तमान जिला अध्यक्ष राम किशोर (नानू) काँवरे के बड़े भाई कुमार कावरे और विनोद शर्मा की बताई गई है। अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया पंचनामा एनजीटी कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा जिसपर आगामी समय में सुनवाई होगी।

अतिक्रमण और अवैध उत्खनन सहित अन्य बिंदुओं पर की गई जांच

प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्ष राइज इंड्रस्टीज के निर्माण के दौरान जंगल की शासकीय जमीन से मिट्टी खोदकर भरन करने, उत्खनन के दौरान हरे भरे पेड़ों को काटने, राइस मिल निर्माण के बाद शासकीय नाला जो कि राइस मिल के पीछे के तरफ है उसपर अतिक्रमण करने, मिल से निकलने वाला भूसा नाला में मिलने से पानी प्रदूषित होने से मानव जीवन के साथ ही वन्यप्राणियों को नुकसान पहुंचने,और इंड्रस्टीज चारों तरफ से खुली होने से नुकसान होने की शिकायत याचिकाकर्ता के द्वारा एनजीटी भोपाल से की गई थी। याचिकाकर्ता की शिकायत पर एनजीटी ने मामले की जांच करने के लिए कलेक्टर बालाघाट व मध्यप्रदेश प्रदूषण बोर्ड जबलपुर के क्षेत्रीय अधिकारी केपी सोनी इस तरह दो सदस्यीय टीम को नियुक्त किया है। जिसने मौके पर पहुंचकर विभिन्न बिंदुओं की जांच कर पंचनामा तैयार किया है। बताया गया कि जल्द ही यह रिपोर्ट एनजीटी न्यायालय को सौंपी जाएगी।

जांच मिले तथ्य, किया गया है, अवैध उत्खनन

जांच के दौरान जांच टीम को ये तथ्य मिले है कि राइस मिल के निर्माण के दौरान भरन के लिए खसरा नंबर 294 से मिट्टी का खनन किया गया है इसके गड्ढेनुमा निशान टीम को उक्त स्थान पर मिले है, साथ ही नाला के तरफ मिल से निकलने वाला भूसा भी मिला है, लेकिन टीम को मौके पर पेड़ या ठुंठ के कोई निशान नहीं मिले है, इसके अलावा मौके पर ही नाला का सीमांकन किया गया है, नाला पर किसी प्रकार अतिक्रमण टीम को नहीं मिला, लेकिन मौके पर राइस मिल चारों तरफ से खुली मिली है जिससे प्रदूषण सहित अन्य समस्याओ के बढ़ने की उम्मीद है। इस पर टीम ने पंचनामा मौके पर बनाया है, और दोनों ही पक्षों के हस्ताक्षर लिए गए है।

टीम बनाकर की जा रही जांच

जानकारी के अनुसार एनजीटी के निर्देश पर गठित टीम ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर शिकायत के अनुसार वर्तमान स्थिति की जांच कर पंचनामा तैयार किया। जांच के दौरान शिकायत के उन सभी बिंदुओं की वर्तमान स्थिति के अनुसार जांच की गई। स्थलों का जायाजा लिया गया। मिल के किनारे से प्रवाहित नदी के किनारे में सभी की उपस्थिति में सीमांकन कर पंचनामा तैयार किया गया। नदी के पास ही अधिकारियों को भूसे के निशान मिले हैं। इस दौरान शिकायतकर्ता और मिल संचालक दोनों मौजूद रहे। इस पंचनामा के बाद जांच रिपोर्ट तैयार कर एनजीटी को रिपोर्ट पेश की जाएगी। जिसके आधार पर एनजीटी आगे की कार्यवाही करेगा।

28 फरवरी को होनी है अगली सुनवाई

बताया गया कि एनजीटी ने याचिका के आधार पर जांच के लिए टीम का गठन करने के निर्देश 13 जनवरी को जारी किए थे। जांच में कलेक्टर बालाघाट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी को शामिल किया गया था। एनजीटी के निर्देश के आधार पर मंगलवार को कलेक्टर प्रतिनिधि के रुप में बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से केपी सोनी जांच के लिए ग्राम पंचायत टेकाड़ी पहुंचे। जांच अधिकारियों को जांच प्रतिवेदन अगली सुनवाई के पूर्व प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। एनजीटी में अगली सुनवाई 28 फरवरी को होना है।

जांच में उत्खनन के गड्ढे, भूसा, और मिल परिसर खुला पाया गया है- सोनी

जांच को लेकर की गई चर्चा के दौरान कलेक्टर प्रतिनिधि एवं एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी ने बताया एनजीटी के निर्देश पर मौजूदा स्थिति की जांच की गई है। जांच में खसरा नंबर 294 में तालाब नुमा खनन की स्थिति पाई गई है। पेड़ कटाई के मामले में कोई भी ठूठ नहीं मिले हैं। सभी की उपस्थिति में नाले का सीमांकन किया गया है। मिल से निकलने वाले भूसे के निशान नदी के किनारे पाए गए हैं। इन सभी की एक रिपोर्ट तैयार कर पीसीबी को भेज दी जाएगी। पंचनामा तैयार किया गया है। एनजीटी में 28 फरवरी तक रिपोर्ट सौंपना है, हमारे द्वारा इसके पहले रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

झूठी शिकायत की गई है- विनोद शर्मा

वहीं चर्चा के दौरान हर्ष राइस इंडस्टरीज पार्टनर विनोद शर्मा ने बताया शिकायतकर्ता ने शिकायत कि थी मिल का निर्माण अवैध तरीके से किया गया है, नाला में अतिक्रमण, व अवैध तरीके से खनन कर भरन किया गया है।आज एनजीटी के आदेश पर मौके पर टीम राइस मिल पहुंची और टीम ने जांच पंचनामा तैयार किया है। जिसकी रिपोर्ट एनजीटी को सौंपी जाएगी और वहां पर तय तारीख को जवाब दिया जाएगा। शिकायतकर्ता के द्वारा झूठी शिकायत की गई है। जिसका खुलासा जांच में हो चुका है।

शासकीय बालक उमा विद्यालय हट्टा में 12 वीं के छात्रों को दी गई विदाई

पद्मेश न्यूज। हट्टा। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हट्टा में 2 फरवरी को कक्षा 12वीं के समस्त संकाय के छात्र-छात्राओं को समारोह पूर्वक परंपरागत रूप से विदाई दी गयी । समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रेखा वानखेड़े जी के द्वारा मां सरस्वती की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कक्षा ग्यारहवीं के छात्र छात्राओं के द्वारा सरस्वती के वंदना के गायन के उपरांत अतिथि का पुष्प हार व पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया तथा छात्र छात्रों द्वारा गीतों नृत्यो सहित संगीत नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कक्षा 12वीं के छात्र /छात्राओं द्वारा कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों को प्राचार्य महोदया की उपस्थिति में दीपदान किया गया इस विश्वास के साथ की विद्यालय का गौरव और सम्मान के छात्र-छात्राएं हमेशा इसी तरह बनाए रखेंगे।

विद्यालय के उच्च माध्यमिक शिक्षक महंत सर के द्वारा कविता का सस्वर वाचन किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन कक्षा ग्यारहवीं के छात्र आयुष सोनटके, गायत्री बढ़ई, सिमरन कसार, दुर्गेश्वरी बिसेन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के शिक्षक उच्च माध्यमिक शिक्षक प्रेमलाल उके सर, मदन पारधी, भूमेश बिसेन, प्रेम कुमार भावे, विजय येरपुडे, बाबूलाल डोंगरे एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक /शिक्षिकाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलता पूर्ण संपन्न हुआ। कक्षा 12वीं के छात्र सूर्या तेलासे को मिस्टर हैंडसम, दिशा पारधी को मिस ब्यूटी, सुरेंद्र छीपेश्वर को मिस्टर फेयरवेल एवं भावना हेडाऊ को मिस फेयरवेल का खिताब देकर उनका सम्मान छात्र छात्रों के किया गया। कक्षा ग्यारहवीं के छात्र पारस बिसेन, इंद्रेश मानेश्वर, अमन बिसेन, पीयूष रंगारे एवं अन्य सभी छात्र छात्रों ने साथ मे मिलकर कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। उच्च माध्यमिक शिक्षक श्रीमती दीपा गोस्वामी मैडम के द्वारा दसवीं में 90त्न अंक प्राप्त करने वाले वाले छात्र पारस बिसेन एवं रौनक उके को 10000 की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। इस तरह यह विदाई कार्यक्रम शुभाषि एवं मंगल कामनाओं के साथ संपन्न हुआ।

हाथों में काली पट्टी बांधकर अधिवक्ताओं ने किया सांकेतिक प्रदर्शन

नए न्यायालय भवन का तत्काल निर्माण शुरू करने की मांग, कहा-12 वर्ष पूर्व आवंटित हो चुकी है 9 एकड़ 87 डिसमिल जमीन, अब तक नहीं हुआ भूमि पूजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित, नए न्यायालय भवन की मांग पूरी न होने से जिला अधिवक्ता संघ प्रदेश सरकार से खासा नाराज है।जिन्होंने कई बार नए न्यायालय भवन के निर्माण की मांग को लेकर आवेदन निवेदन किया, लेकिन उनपर कोई सुनवाई नही हुई।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए, जिला अधिवक्ता संघ पदाधिकारी सहित अन्य अधिवक्ताओं द्वारा चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया गया है।जहा आवेदन निवेदन पर बात नही बनने पर उन्होंने नए न्यायालय भवन की मांग को लेकर हाथों में काली पट्टी बांधकर मंगलवार से सांकेतिक प्रदर्शन शुरू कर दिया है।जिनका यह सांकेतिक प्रदर्शन 3 फरवरी से शुरू किया गया है जो आगामी 11फरवरी तक चलेगा। इस पर भी मांग पूरी न होने पर जिलाअधिवक्ता संघ द्वारा इसी चरणबद्ध आंदोलन के तहत कोई ठोस रणनीति बनाई जाने की चेतावनी दी गई है।

करीब 12 वर्ष पूर्व आवंटित हो चुकी है भूमि,पर आज तक नहीं हुआ भूमि पूजन

हाथों में काली पट्टी बांधकर सांकेतिक प्रदर्शन कर रहे जिला अधिवक्ता संघ से जुड़े अधिवक्ताओं ने बताया कि वर्तमान में जो न्यायालय भवन है, वह काफी जर्जर हालत में है, प्रकरणों की संख्या लगातार बढ़ रही है, अधिवक्ताओं और पक्षकारों की संख्याओं में भी इजाफा हो रहा है,न्यायालय रिकॉर्ड भी बढ़ चुका है। वर्तमान भवन इतना ज्यादा जर्जर हो चुका है कि उसकी बिल्डिंग को जहां-तहां से मरम्मत कराकर काम चलाना पड़ रहा है।इसलिए हम चाहते हैं कि बालाघाट में नया न्यायालय भवन बने, हमारी यह मांग वर्षो पुरानी है,वर्षो पुरानी मांग के अनुरूप कलेक्टर कार्यालय के समीप करीब 12 वर्ष पूर्व, वर्ष 2013 में न्यायालय भवन के लिए 9 एकड़ 87 डिसमिल जमीन आवंटित की गई है लेकिन आज तक उस भूमि पर न्यायालय भवन बनाने के लिए काम शुरू नहीं किया गया है। यहां तक की भूमि पूजन तक नहीं हुआ है। जिसका विरोध अधिवक्ता संघ द्वारा हाथों में काली पट्टी बांधकर किया जा रहा है

आज से सांकेतिक आंदोलन की हो चुकी शुरुआत-मलेवार

जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अधि. प्रवेश मलेवार ने बताया कि वर्ष 2013 में कलेक्ट्रेट कार्यालय के समीप, नए न्यायालय भवन के लिए 9 एक ? 87 डिसमिल जमीन तो आबंटित कर दी गई लेकिन 12 सालो में इसके निर्माण को लेकर कोई प्रयास नहीं किए गए। जिसको लेकर लगातार अधिवक्ता संघ, न्यायालय भवन निर्माण की मांग रखी लेकिन बजट आबंटन नहीं होने से न्यायालय भवन निर्माण में एक कदम भी आगे काम नहीं बड़ा है। जिससे अधिवक्ताओ में निराशा है और यही कारण है कि जिला अधिवक्ता संघ ने फैसला लिया है कि एक सप्ताह तक अधिवक्ता काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि केवल और केवल, जिला अधिवक्ता संघ की यह प्रमुख और इकलौती मांग है।

सरकार ने न्यायालय भवन के लिए बजट आबंटित करना चाहिए- मधु बिसेन

वही सांकेतिक आंदोलन को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला अधिवक्ता संघ सचिव महेन्द्र मधु बिसेन ने बताया कि वर्तमान न्यायालय, आज बढ़ती प्रकरणों और पक्षकारों के साथ ही अधिवक्ताओं की बढ़ती संख्या के कारण, छोटा पड़ता लगेगा। जिससे नवीन न्यायालय भवन का निर्माण की आवश्यकता अब महसुस की रही है, हमारी मांग है कि इसके लिए बजट आबंटित कर, न्यायालय भवन का निर्माण कार्य कराया जाए।

बालाघाट में यूनिवर्सिटी बनाओ या फिर छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी से हटाओ

विभिन्न मांगो को लेकर एनएसयूआई ने कॉलेज के सामने किया धरना प्रदर्शन

मांग पूरी करने की जमकर नारेबाजी, कहा 2 वर्षो से एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों को नहीं मिल रही स्कॉलरशीप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षो से लंबीत अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आवेदन निवेदन ज्ञापन के माध्यम से गुहार लगा रहे छात्र संगठन एनएसयूआई द्वारा मंगलवार को पीजी कॉलेज के सामने धरना प्रदर्शन किया।जिसमें उन्होंने एसटी एससी ओबीसी वर्ग को पिछले दो वर्षो से छात्रवृत्ति न मिलने की बात कहते हुए जल्द से जल्द सभी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने की मांग की, तो वहीं उन्होंने छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी के समस्त कामकाज बालाघाट में किए जाने या फिर छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी से जिले के कॉलेजो को हटाकर, बालाघाट को ही यूनिवर्सिटी बनाए जाने की मांग की।प्रदर्शनकारी छात्रों ने स्पष्ट कर दिया कि उनके द्वारा आज सांकेतिक रूप से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।यदि जल्द से जल्द मांग पूरी नहीं हुई तो सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इन मांगों को पुरा करने की लगाई गुहार

एनएसयूआई ने पीजी कालेज के किए गए धरना प्रदर्शन आंदोलन के माध्यम से विभिन्न संकायो में पढ़ने वाले हजारों छात्रो, जिंसमे खास तौर पर एससी, एसटी और ओबीसी छात्र, छात्राओं को पिछले दो वर्षों से रुकी हुई छात्रवृत्ति का एक साथ भुगतान किए जाने, बालाघाट महाविद्यालय को ऑटोनॉमस कॉलेज बनाने, बालाघाट जिले के महाविद्यालयों को छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी से हटाकर अन्य यूनिवर्सिटी से संबद्ध किए जाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन आंदोलन किया। मंगलवार को कॉलेज गेट पर किए इस प्रदर्शन में महाविद्यालय विद्यार्थी कॉलेज गेट के सामने बैठे रहे। महाविद्यालय में विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस बल तैनात रहा।

2 वर्षो से नही मिली छात्रवृत्ति

महाविद्यालय के एससी, एसटी और ओबीसी छात्र, छात्राओं को शासन की ओर से प्रदाय होने वाली छात्रवृत्ति दो सालों से नही मिलने का आरोप लगाते हुए पीजी कॉलेज के सामने, एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने धरना दिया।कॉलेज के सामने, एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और चेताया कि यदि मांगो पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो यह आंदोलन कॉलेज के गेट से कलेक्ट्रेट और भोपाल तक पहुचकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। बताया गया की छात्रवृत्ति न मिलने के चलते विभिन्न संकायों में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी काफी परेशान है आवेदन निवेदन के बावजूद भी उनकी इस मांग को पूरा नहीं किया जा रहा है।

आयोजित धरना प्रदर्शन को लेकर की गई चर्चा के दौरान एनएसयूआई छात्र नेता सुमित बंसोड़ ने बताया कि एससी, एसटी और ओबीसी के छात्रों को शासन की ओर से मिलने वाली छात्रवृत्ति नहीं मिली है, जिसके कारण छात्र, छात्राओं को परेशान होना पड़ रहा है। हम चाहते है कि बालाघाट पीजी कॉलेज को ऑटोनॉमस कॉलेज किया जाए, ताकि लाखों के कागजी दस्तावेज, छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी भेजे जाने से आ रहे खर्च से राहत मिले सके। उन्होंने बताया कि छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी में जिले के कॉलेजो को संबद्ध किए जाने के बाद से लगातार छात्र, छात्राएं परेशान है, हम चाहते है कि जिले के महाविद्यालयों को छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी से हटाकर, अन्य विश्वविद्यालय से संबद्ध किया जाए, ताकि छात्र, छात्राओ को विश्वविद्यालय से आ रही परेशानियों से निजात मिल सके। उन्होंने बताया कि यदि मांग को गंभीरता से नहीं लिया जाता है तो यह आंदोलन कॉलेज से होकर कलेक्ट्रेट और भोपाल तक जाएगा और अपनी इन मांगों को पूरा करने के लिए उग्र आंदोलन किया जाएगा।

06 फरवरी को होगी शांति समिति की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्ष 2026 में माह फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई में जिले में विभिन्न धार्मिक पर्व महाशिवरात्रि, होली, गुड़ी पड़वा, चैती चांद, ईद-उल-फितर, रामनवमी, डॉ. अम्बेडकर जयंती, परशुराम जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, ईदुज्जुहा आदि पर्व मनाये जाने है। ऐसे में जिले में कानून व शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए 06 फरवरी शाम 05 बजे कलेक्ट्रेड सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में त्याहारों के दौरान जिले में कानून व शांति व्यवस्था बनाये रखने संबंधी समस्त आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी। शांति समिति के सभी सदस्यों को बैठक में उपस्थित रहने के लिए सूचना दी गई है।

आवश्यकता है
दो छोटे बच्चों की देखरेख करने और घरेलू कार्य करने के लिये युवती की आवश्यकता है
आकर्षक वेतनमान
6269524236
9009712121

संघर्ष से सफलता तक-कु. उर्वशी चौधरी बनी आत्मविश्वास और साहस की मिसाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विकासखंड कटंगी के ग्राम मुंडीवाड़ा में जन्मी कु. उर्वशी चौधरी ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कराटे एवं जूडो जैसे मार्शल आर्ट खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र और महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। वह वर्तमान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में एम.ए. प्रथम वर्ष समाजशास्त्र की छात्रा हैं। साधारण परिवार से आने वाली उर्वशी ने आत्मरक्षा एवं आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से कराटे का प्रशिक्षण लेना प्रारंभ किया। प्रारंभिक दौर में उन्हें सामाजिक रूढ़ियों और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने जूनियर यलो बेल्ट से लेकर ब्लैक बेल्ट तक की सभी परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं, जो कराटे में कोच बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है। उर्वशी ने जिला एवं राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कई पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही उन्होंने जूडो का भी प्रशिक्षण प्राप्त किया और राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। खेल के साथ-साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई भी निरंतर जारी रखी और स्नातक स्तर पर मनोविज्ञान, इतिहास एवं हिंदी विषयों के साथ 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कु. उर्वशी चौधरी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उर्वशी की सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

आवश्यकता है
दवा दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता हे
योग्यता- 10वीं पास
पार्ट टाईम जॉब वाले संपर्क न करें।
वेतन-योग्यतानुसार
कार्य सीखे व्यक्ति को प्राथमिकता
संपर्क-9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

तृतीय नेशनल कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों ने जीते पदक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित तृतीय नेशनल कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश कुबोडो मार्शल आर्ट एसोसिएशन द्वारा चयनित खिलाडियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण, 4 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर मध्य प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 31 जनवरी से 2 फरवरी तक विनय खंड, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित की गई, जिसका

आयोजन यूपी ओलंपिक एसोसिएशन एवं ऑल इंडिया कुबोडो मार्शल आर्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बालाघाट जिले से जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा के मार्गदर्शन में तथा युवा समन्वयक व कुबोडो मार्शल आर्ट प्रशिक्षक संतोष पारधी के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। बालाघाट की डॉली गणेश माहुरकर ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया, जबकि नेहा श्यामलाल झाडे ने एक रजत एवं एक कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। ग्वालियर जिले से प्रशिक्षक सूरज राठौड़ के नेतृत्व में गुलशन सिंह और वंदना राठौर ने एक-एक स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसके अलावा अंशिका पाल और दिव्यांश भसीन ने एक-एक रजत पदक जीतकर मध्य प्रदेश के पदक खाते में योगदान दिया। प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को ऑल इंडिया कुबोडो मार्शल आर्ट एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी शोभित पांडे द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कुबोडो मार्शल आर्ट एसोसिएशन एवं बालाघाट कराते स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एजुकेशन एसोसिएशन के संरक्षक अनिल धुवारे, अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पीपलेवार, सदस्य राजेंद्र बल्ले, शुभम मनेश्वर, संजू मेश्राम सहित जिला खेल विभाग के पदाधिकारी एवं कटंगी कन्या माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक एम.एल. भलावी एवं लक्ष्मी मेरावी ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

6 दिन पहले पेशी पर निकली पूनम तुमाने की अर्जुनी के जंगल में जघन्य हत्या

बैनगंगा नदी किनारे महाराष्ट्र सीमा में अर्जुनी के जंगल से शव बरामद

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट/वारासिवनी।

खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम खैरी निवासी २८ वर्षीय पूनम पिता गोपीचंद तुमाने बीते ५ दिनों से लापता थी। जिसका शव मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य बहने वाली वैनगंगा नदी किनारे स्थित ग्राम बोंड़रानी पोस्ट अर्जुनी के जंगल से ३ फ रवरी को महाराष्ट्र पुलिस ने बरामद किया। मामले में थाना दौनेवाड़ा की पुलिस के द्वारा पूनम तुमाने की शिनाख्त के बाद आवश्यक कार्यवाही कर जांच प्रारंभ कर दी है। घटना में प्रथम दृष्ट पूनम का सर कुचलकर और धारदार हथियार से वार कर हत्या करना बताया जा रहा है। घटना की जानकारी लगने और शिनाख्त करने के बाद परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल है। जिनके द्वारा संबंधित अपराधियों पर कठोर कार्यवाही की मांग की जा रही है।

6 दिन से लापता थी पूनम

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूनम तुमाने के परिजनों के द्वारा थाना खैरलांजी में पूनम के २८ जनवरी से लापता होने की सूचना देकर गुम इंसान दर्ज करवाई गई थी। जिसमें उनके द्वारा ग्राम के संजय तीतरमारे के द्वारा उनकी बेटी पूनम तुमाने को वारासिवनी न्यायालय में चल रहे उसके केस में पेशी की बात बताकर साथ लेकर गया था। जिसके बाद पूनम के द्वारा शाम करीब ४.३० बजे अज्ञात मोबाइल नंबर से फोन करके अर्जुनी में होने लेट घर आने की जानकारी अपनी मां को दी गई थी। उसके बाद ना पूनम वापस लौटी ना उसकी कोई खबर मिली जिस पर परिजनों के द्वारा खैरलांजी थाने में सूचना देकर गुम इंसान दर्ज करवाई गई। वहीं एसडीओपी कार्यालय में २९ फरवरी को ज्ञापन के माध्यम से शिकायत की गई। वहीं २ फरवरी को भी एसडीओपी कार्यालय में कार्यवाही की जानकारी लेने उपस्थित हुए। परंतु वहां उन्हें केवल आश्वासन मिला और ३ फ रवरी को उनकी लापता बेटी की मौत की खबर आ गई।

परिजनों ने कपड़े से की पूनम की शिनाख्त

लापता पूनम तुमाने खैरलांजी जनपद के ग्राम खैरी की रहने वाली है जो मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की बॉर्डर पर स्थित हैं। जहां से कुछ दूरी में वैनगंगा नदी बहती हैं जो मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा रेखा है। इस नदी के किनारे स्थित महाराष्ट्र के ग्राम बोंड़रानी पोस्ट अर्जुनी के जंगल की तरफ कुछ किसान कुएं में पानी की मोटर लगाने के लिए गए हुए थे। जहां उन्हें असहनीय बदबू आई जिस पर उनके द्वारा उस बदबू का पीछा कर पता किया गया। तो देखा की एक महिला का शव मृत एवं भयंकर स्थिति में पड़ा हुआ था। जिसका चेहरा पूरी तरह खराब हो गया था केवल खोपड़ी समझ आ रही थी। जिसकी जानकारी तत्काल ग्रामीणों के द्वारा महाराष्ट्र के थाना दौनेवाड़ा को दी गई। जिस पर महाराष्ट्र पुलिस के द्वारा मौके पर उपस्थित होकर जांच प्रारंभ कर दी गई। तभी यह घटना की जानकारी आग की तरह आसपास के ग्राम में फैल गई। वहीं नदी के उस पार भी ग्राम सावरी और खैरी में किसी लड़की का शव मिलने की सूचना लगी। तो पूनम तुमाने के परिजन ने थाना खैरलाँजी को सूचना कर पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। जहां परिजनों के द्वारा अज्ञात शव का चेहरा खराब होने से उसके द्वारा पहने गए कपड़े से पूनम तुमाने के रूप में शिनाख्त की गई। जिस पर महाराष्ट्र पुलिस के द्वारा घटना की विधिवत जांच प्रारंभ कर दी गई।

पूनम तुमाने के दो प्रकरण थे न्यायलय में विचाराधीन

विदित हो की खैरी निवासी गोपीचंद तुमाने की बड़ी बेटी पूनम तुमाने उम्र २८ वर्ष का विवाह पिपरवानी में हुआ जो उस समय गर्भवती थी दो महीना ससुराल में रही और ५ महीने कि वह गर्भवती थी। जिसे उसके पति ने खैरी लाकर छोड़ दिया जिसका तलाक का केश चल रहा था। तो वहीं गांव में पूनम के गर्भ की पंचायत बताई गई जहां राकेश तुमाने ने उसका बच्चा होना स्वीकार किया। इसके बाद पूनम उनके घर में रहने लगी जिसने एक बच्चे को जन्म दिया और उसकी मौत हो गई। हालांकि इसमें पूनम के परिजनों ने राकेश के परिजनों पर बच्चे की हत्या का आरोप लगाया था। इसके बाद राकेश तुमाने के परिवार में पूनम को प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया इसके बाद वह अपने पिता के यहां रह रही थी। इसका भी एक केस वारासिवनी न्यायालय में चल रहा था। इसी बीच २८ जनवरी को पूनम तुमाने को गांव के संजय तीतरमारे विश्वास पात्र आदमी ने न्यायालय में पेशी की बात कह कर घर से लेकर गया था। इसके बाद संजय तीतरमारे अकेला अपने घर आ गया परंतु पूनम तुमाने घर नहीं लौटी।

तुमाने परिवार के द्वारा पूनम के होने की पहचान की गई- सतीश कुमार आर्मो

सहायक उपनिरीक्षक सतीश कुमार आर्मो ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि महाराष्ट्र के थाना दौनेवाड़ा पोस्ट अर्जुनी के ग्राम बोंड़रानी में एक लड़की का अज्ञात शव मिला था। जिसकी सूचना किसी व्यक्ति ने लापता पूनम तूमाने के परिवार को फोन पर जानकारी दी थी। जिन्होंने थाना खैरलांजी से संपर्क किया और मौके पर पुलिस सहित परिजनों ने जाकर देखा। अज्ञात मृतिका का चेहरा तो नहीं था परंतु उसकी कद काठी और कपड़ों से तुमाने परिवार के द्वारा पूनम तुमाने होने की पहचान की गई। जिस पर महाराष्ट्र पुलिस के द्वारा मौके पर समस्त प्रकार की कार्यवाही कर शव को लेजा लिया गया है। जिसका पोस्टमार्टम ४ फरवरी को किया जायेगा। शव महाराष्ट्र में मिला है तो घटना स्थल के कारण अपराध और विवेचना संबंधित थाने के द्वारा की जायेगी।

लंबित मानदेय कटौती से आशा कार्यकर्ता नाराज़:कार्य के बहिष्कार का ऐलान

जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं दो दर्जन से अधिक आशा व पर्यवेक्षक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी क्षेत्र में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों में लंबे समय से लंबित मानदेय में की जा रही कटौती को लेकर भारी असंतोष व्याप्त है। इसी के चलते क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता और पर्यवेक्षक ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपनी समस्याओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। आशा कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि उन्हें जुलाई माह से अक्टूबर माह तक के कार्य का संपूर्ण मानदेय अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। कई महीनों से मानदेय अटका होने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने बताया कि सीमित मानदेय पर कार्य करने के बावजूद समय पर भुगतान न होना उनके परिवार की आजीविका पर सीधा प्रभाव डाल रहा है। 3 फरवरी को आयोजित जनसुनवाई के दौरान खैरलांजी ब्लॉक की लगभग दो दर्जन से अधिक आशा कार्यकर्ता एवं आशा पर्यवेक्षक अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कार्यों के बदले लंबे समय से लंबित मानदेय भुगतान और लगातार हो रही कटौती को लेकर गहरी नाराज़गी जताई। आशा संगठन की प्रतिनिधि सविता ने बताया कि आशा कार्यकर्ता वर्षों से स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत

शासन की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन कर रही हैं। वे ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, आयुष्मान भारत सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद उन्हें नियमित वेतन नहीं दिया जाता, बल्कि शासन द्वारा कार्य के आधार पर मानदेय दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते कई महीनों से उनके द्वारा किए गए कार्यों का पूर्ण मानदेय भुगतान नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं, आने वाले मानदेय की राशि में भी बिना किसी स्पष्ट कारण के कटौती की जा रही है, जिससे आशा कार्यकर्ताओं की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। समय पर भुगतान न मिलने से उन्हें परिवार का खर्च चलाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आशा कार्यकर्ताओं ने यह भी बताया कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किया गया कार्य भी अब तक भुगतान से वंचित है। आयुष्मान कार्ड निर्माण की राशि का भुगतान जनपद पंचायत विभाग द्वारा नहीं किया गया है। वहीं, टीबीआई कार्य का 1 से 2 वर्ष तक का मानदेय अभी भी लंबित है। इसके अलावा ।ह्न्ड्डष्ट, ह्रष्ठ और स्न्ह्स प्रशिक्षण से संबंधित भुगतान भी अब तक जिला प्रशिक्षण केंद्र से प्राप्त नहीं हुआ है। लगातार उपेक्षा से आहत आशा कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन से खुद को अलग कर लेंगी। उन्होंने जल्द ही प्रदर्शन करने और विभाग को अपनी सेवाएं न देने की चेतावनी दी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से घायल छात्रा के उपचार के लिये पिता ने प्रशासन से की प्रार्थना

जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर आर्थिक सहायता की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते दिनों बूढ़ी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक ट्रैक्टर की टक्कर से कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इस मामले को लेकर घायल छात्रा के पिता कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और प्रशासन से आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। छात्रा के पिता ने बताया कि घटना के बाद पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई कर दी गई है, लेकिन दुर्घटना में आई गंभीर चोटों के कारण उनकी बेटी का इलाज लगातार जारी है। अब तक इलाज पर लाखों रुपये खर्च हो चुके हैं, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों के अनुसार छात्रा के इलाज में अभी कम से कम छह माह और लगेंगे, सीमित आय के कारण इलाज का खर्च उठाना अब उनके लिए संभव नहीं है। 28 जनवरी को बूढ़ी मार्ग पर हुए सड़क हादसे में ट्रैक्टर की टक्कर से कॉलेज की छात्रा मुस्कान गंभीर रूप से घायल हो गई थी। मुस्कान, पिता डब्लू सिंह मरकाम, ग्राम मोहगांव वार्ड क्रमांक 5, मलाजखंड क्षेत्र की निवासी है और एक सामान्य वर्ग के परिवार से ताल्लुक रखती है। दुर्घटना के बाद उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार लगातार जारी है। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर कार्यालय पहुंचे मुस्कान के पिता डब्लू सिंह मरकाम ने बताया कि बीते एक सप्ताह में ही बेटी के इलाज पर लगभग ढाई से तीन लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। चिकित्सकों के अनुसार मुस्कान को अभी कम से कम छह माह तक उपचार की आवश्यकता है, जिस पर अनुमानित 12 से 15 लाख रुपये तक का खर्च आने की बात कही जा रही है। पीड़ित पिता ने बताया कि सीमित आय होने के कारण इतनी बड़ी राशि जुटा पाना उनके लिए संभव नहीं है। परिवार की

आर्थिक स्थिति इस लंबे इलाज को वहन करने में असमर्थ है, जिससे वे मानसिक और आर्थिक दोनों रूप से परेशान हैं। इसी को लेकर उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आवेदन प्रस्तुत कर प्रशासन से आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने की अपील की, ताकि उनकी बेटी का इलाज समय पर और बेहतर ढंग से जारी रह सके।

मवेशी चराने के विवाद को लेकर तीन लोगों ने महिला से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम साल्हे में मवेशियों को चराने के विवाद को लेकर एक महिला को तीन लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिये। घायल महिला गंगा बाई पति बकस नेवारे 27 वर्ष ग्राम साल्हे निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने वसंताबाई वाघाड़े उसकी बेटी कल्पना वाघाड़े और बेटा धर्मेंद्र वाघाड़े के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जान शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगाबाई नेवारे अपने गांव के मवेशी गाय भैंस चराने का काम करती है और उसका पति भी ग्राम निलजी टोला में गाय भैस चलता है। गंगाबाई के अलावा इसी गांव के सुकलाल वाघाडे भी गाय भैंस चराने का काम करते हैं। रविवार को सुबह 9ः00 बजे गंगाबाई ने अपने गांव के सुकलाल पत्नी बसंता वाघाड़े को बोली कि तुम लोग हम लोगों से पहले या हमारे बाद में गांव के मवेशियों को चराने के लिए छोड़ा करो क्योंकि हम लोग साथ में मवेशियों को चराने के लिए ले जाते हैं तो मवेशी आपस में लड़ाई करते हैं।इसी बात को लेकर दोनों के बीच वाद विवाद हुआ था। जिसके बाद गंगाबाई अपने मवेशियों को लेकर निलजीटोला तरफ चराने के लिए ले जा रही थी। जैसे ही वह निलजी टोला नहर के पास पहुंची ही थी कि इस समय करीब 10ः00 बजे बसंता उसकी बेटी कल्पना और बेटा धर्मेंद्र तीनों आए और तीनों गंगाबाई को अश्लील गालियां देते हुए बोलने लगे कि हमको जानवरों को छोड़ने का समय बताने वाली कौन होती है। कहकर तीनों ने गंगाबाई के बाल पड़कर खीचतान करते उसे हाथ भूसे से मारपीट करने लगे। गंगाबाई के चिल्लाने की आवाज सुनकर निलजीटोला के ग्रामीण दौड़े और बीच बचाव किये जिसके बाद तीनों ने गंगाबाई को दोबारा जानवर छोड़ने का समय बताने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। तीनों के द्वारा की गई मारपीट में गंगाबाई घायल हो गई थी। मारपीट में घायल गंगाबाई अपने पति के साथ रिपोर्ट लिखवाने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंची। किरनापुर पुलिस ने मारपीट में घायल गंगाबाई का इलाज और मुलाहिजा अपने यहां के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर बसंता बाई उसकी बेटी कल्पना और बेटे धर्मेंद्र के विरुद्ध मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की सम्बन्धित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।

माध्यमिक शाला लत्ता को बंद करने के आरोपों से भड़के ग्रामीण

95 छात्रों की टीसी जबरन लेने का आरोप, जनसुनवाई में कलेक्टर से की शिकायत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा क्षेत्र के लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। ग्रामीणों ने प्रशासन को दिए गए आवेदन में शिक्षा और संचार से जुड़ी गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में संचालित एकीकृत माध्यमिक शाला लत्ता के लगभग 95 छात्र-छात्राओं को संबंधित शिक्षाकर्मियों द्वारा बिना अभिभावकों की सहमति के दूसरे विद्यालय मोहनपुर में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस निर्णय से ग्रामीणों और अभिभावकों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि अचानक स्कूल बदले जाने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, साथ ही दूर स्थित विद्यालय तक आने-जाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की कि बच्चों को यथावत एकीकृत माध्यमिक शाला लत्ता में ही अध्ययन की सुविधा दी जाए और पूर्व की व्यवस्था बहाल की जाए। उन्होंने इसे बच्चों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान एकीकृत माध्यमिक शाला लत्ता को बंद किए जाने के कथित प्रयासों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में शिक्षा विभाग के कर्मचारियों पर नियमों की अनदेखी कर छात्रों को दूसरे विद्यालय में स्थानांतरित करने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि माध्यमिक शाला लत्ता और हायर सेकेंडरी स्कूल मोहनपुर के बीच

की दूरी मात्र एक किलोमीटर है, जबकि शासन के नियमों के अनुसार तीन किलोमीटर की परिधि में एक माध्यमिक शाला होना अनिवार्य है। इसके बावजूद शिक्षा कर्मियों द्वारा लत्ता स्थित माध्यमिक शाला को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है, जो नियमों के विरुद्ध है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना अभिभावकों की सहमति लिए माध्यमिक शाला लत्ता में अध्ययनरत कक्षा छठवीं से आठवीं तक के लगभग 95 छात्र-छात्राओं की टीसी जबरन ली गई। बताया गया कि संकुल प्राचार्य मोहनपुर द्वारा शासन के किसी स्पष्ट आदेश के बिना टीसी ले जाकर हायर सेकेंडरी स्कूल मोहनपुर में कक्षा छठवीं से आठवीं तक की कक्षाएं प्रारंभ कर दी गईं। ग्रामीणों का कहना है कि एकीकृत विद्यालय को 12वीं तक करने के नाम पर लत्ता स्कूल के बच्चों को जबरन स्थानांतरित किया गया, जो पूरी तरह अनुचित है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे वर्षों से संचालित हो रही माध्यमिक शाला लत्ता को किसी भी हालत में बंद नहीं होने देंगे। उनका कहना है कि शिक्षकों को पहले अभिभावकों से अनुमति लेना आवश्यक था, जो नहीं ली गई, जिससे यह प्रक्रिया पूरी तरह गलत है।

अभिभावकों ने निष्पक्ष जांच की करी मांग

जनसुनवाई में मौजूद अभिभावक बबीता और ज्योति बिसेन ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि वे लत्ता स्कूल को बंद नहीं होने देंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मोहनपुर स्कूल भेजे गए तीन कक्षाओं के 95 बच्चों को तत्काल वापस माध्यमिक शाला लत्ता में अध्ययन की व्यवस्था दी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बच्चों को वापस नहीं लाया गया, तो वे भविष्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की है।

नेटवर्क की गंभीर समस्या बनी हुई हैं - रेखा टेकाम

ग्राम पंचायत कावेरी की सरपंच रेखा टेकाम ने बताया कि लता गांव से बच्चों को बिना अभिभावकों की अनुमति के दूसरी शाला में स्थानांतरित किया जाना पूर्णत: गलत है। कम से कम इस विषय में पहले अभिभावकों की सहमति ली जानी चाहिए थी। उन्होंने आशंका जताई कि निकट भविष्य में लता गांव की शाला को बंद करने की योजना बनाई जा रही है, जिसे वे किसी भी स्थिति में सफल नहीं होने देंगी। इसके साथ ही उन्होंने अपने क्षेत्र में व्याप्त मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या को लेकर ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। सरपंच ने कहा कि आसपास के कई गांवों में नेटवर्क नहीं होने के कारण ग्राम पंचायत स्तर पर शासकीय कार्यों के निष्पादन में भारी परेशानियां आ रही हैं, जिससे शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र की इन मूलभूत समस्याओं पर शीघ्र ध्यान देकर उचित समाधान किया जाए।

जाति, धर्म के नाम पर भेदभाव कर इंसान का अपमान करना सबसे बड़ा पाप है - अनुभा

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत शिरोमणि रविदास महाराज की 649 वीं जयंती

रैली एवं विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन, दिया सामाजिक एकता और कर्म का संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में सद्गुरू रविदास सामाजिक संगठन लालबर्रा के तत्वाधान में सोमवार को संत शिरोमणि रविदास महाराज की 649 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर पांढरवानी के वार्ड नं 18 स्थित संत रविदास महाराज मंदिर स्थल में दोपहर में विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात सभामंच निर्माण कार्य के लिए अतिथियों के हस्ते भूमिपूजन किया गया। जिसके बाद डीजे की धुन पर एक भव्य रैली निकाली गई। यह रैली नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए राजाभोज जैविक प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर स्थल पहुंची। जहां मंचीय कार्यक्रम के साथ ही विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह मंचीय कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रमुख आतिथ्य एवं सद्गुरू रविदास सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने संत शिरोमणि रविदास महाराज, संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर सहित अन्य महापुरूषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। वहीं मंचीय कार्यक्रम एवं बौध्दिक सभा को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने संत रविदास जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा बताये गये संदेश को अपने जीवन में उतारने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि संत रविदास जी हमेशा कर्म को प्रधानता दी है, उनका संदेश था कि व्यक्ति को फल की चिंता किये बिना निरंतर अ'छे कर्म करने चाहिए। यदि हमारे कर्म नेक होगें तो उसका फल भी निश्चित रूप से अच्छा ही मिलेगा। इसलिए हम लोगों को भी अ'छे कर्म करते रहना चाहिए फल की चिंता न करे, अ'छा काम करेगें तो उसका फल भी अ'छा मिलेगा। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि संविधान में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि हमारा भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, हमें बचपन से यही शिक्षा दी गई है कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई हम सब आपस में है भाई-भाई। आगे कहा कहा कि हमारे पूर्वजों ने हमें यह संस्कार दिये हैं कि हमको इंसान को इंसान समझना है क्योंकि जाति, धर्म के आधार पर भेदभाव कर इंसान के द्वारा इंसान को अपमानित करना सबसे बड़ा पाप है इसलिए सभी को सबका सम्मान करना चाहिए। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि जनता की मांग पर पांढरवानी पंचायत के द्वारा 2 लाख रूपये की लागत से रविदास चौक में सभामंच का निर्माण किया जा रहा है और सभामंच बन जाने से कार्यक्रम आयोजन करने में सुविधा होगी। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

बुरी ताकत भारत को जाति, धर्म के आधार पर बांटना चाहती है - मौसम

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने कहा कि संत रविदास जी ने यहां संदेश दिया है कि लहू का रंग एक है अमीर क्या ,गरीब क्या हम सब मिलकर मानवता की मिसाल कायम करें। समाज के हर लोगों को साथ में लेकर चले, छुआछूत से ऊपर उठ अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ें और शोषण पीड़ितों की हमेशा सहायता करें। आगे बिसेन ने कहा कि वर्तमान में बुरी ताकतों के द्वारा भारत को जाति ,धर्म के नाम पर तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हम सभी को एकजुट होकर रहना होगा।

ये रहे उपस्थित-

संत रविदास जयंती समारोह के अवसर पर जनपद अध्यक्ष देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, शैलेश केकती, जनपद सदस्य धनेन्द्र नगपुरे, श्रीमती पूजा दीपक चौधरी, जिला रविदास समाज लालदास बारेकर, अनिल कुम्भरे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पदाधिकारी संजय अग्रवाल, पंकज बिसेन, प्रकाश रहांगडाले, भाजयुमो अध्यक्ष संजीव अवधिया, भाजपा मंडल खमरिया अध्यक्ष पंकज खोखले, सामाजिक चिंतक सतीष भारद्वाज, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीराम भोयर, सुमित स्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन के वरिष्ठ रमेश झाडेकर, एस. एल, छिप्पे जी, राधेलाल खरोले, शिवलाल सोनवर्से, बालकचंद खरोले, गनपत तरवरे, कृष्णा महोबे, चैनलाल छिप्पे, विदेश कनौजे, रमेश खरोले, सदगुरू रविदास सामाजिक संगठन लालबर्रा अध्यक्ष दीपक चौधरी, श्रीमती गीता खरोले उपाध्यक्ष, फुलचंद बरैया, सुरेश महोबे, संगठन मंत्री जितेन्द्र तरवरे, महामंत्री विजय तरवरे, सचिव कमलेश खरोले, प्रेमचंद तरवरे, राजकुमार झाडेकर, राकेश झाडेकर, गेंदलाल तरवरे, अशोक महोबे, सोमनलाल बारेकर, उमराव तरवरे, दिलीप महोबे सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

अस्पताल में कुष्ठ रोग मुक्ति का दिलवाया गया संकल्प

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में राष्ट्रीय कुष्ठ रोग मुक्त भारत अभियान के तहत गत दिवस महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उपस्थितजनों को कुष्ठ रोग से मुक्ति का संकल्प दिलवाया गया। यह कार्यक्रम जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटले, बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा महात्मा गांधी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर चिकित्सकों के द्वारा उपस्थितजनों को कुष्ठ रोग कैसे होते है, कुष्ठ रोग को आसानी से पहचानने एवं समाज में कुष्ठ रोग के प्रति फैली भ्रम-भ्रांतियों को दूर कैसे करें सहित अन्य जानकारियां दी गई। जिसके बाद जिले को कुष्ठ रोग से मुक्ति बनाने का संकल्प दिलवाया गया। एनएमए जेके पंचेश्वर ने बताया कि स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलाया जायेगा। गत दिवस लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटले, बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे के मार्गदर्शन में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सभी को कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक करने की जानकारी दी गई तत्पश्चात कुष्ठ रोग से मुक्ति का संकल्प दिलवाया गया। श्री पंचेश्वर ने बताया कि कुष्ठ रोग के सामान्य लक्षण होते है और उसका उपचार भी है एवं कुष्ठ रोग आसानी से पहचान जाने वाली एवं ठीक होने वाली बीमारी है। जो कि बहुउद्देशीय उपचार से ठीक हो जाता है यानि कि कुष्ठ रोग एक सामान्य रोग है जो कि नियमित औषधी के सेवन से ठीक हो जाता है। इस अवसर पर डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया, डॉ. मुकेश चौहान, एनएमए जेके पंचेश्वर, श्रीमती अहिल्या मेश्राम, तरूणा बाहेश्वर, अनिता ब्रम्हे, चंचल मेश्राम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

नगपुरा शास. हायर सेकेण्डरी स्कूल में कैरियर मेला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर ग्राम पंचायत नगपुरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार पांच दिवसीय कैरियर मेला का सफल आयोजन किया गया। इस 5 दिवसीय कैरियर मेले में कक्षा 9 वीं से 12 वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को विषय चयन करने सहित अन्य आवश्यक जानकारियां प्रदान की गई। जिसमें महर्षि संस्थान मुलताई के गज अरविंद एवं उनकी टीम ने कैरियर से संबंधित विषयों पर विद्यार्थियों से चर्चा की। वहीं विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का भी उत्तर दिया गया। गज अरविंद द्वारा व्यक्ति, मान-सम्मान, आत्मविश्वास एवं तनाव प्रबंधन विषयों पर विद्यार्थियों को समझाया गया। कार्यक्रम के अंत में समस्त अतिथियों का आभार संस्था प्रभारी चंद्रपाल उके के द्वारा किया गया। साथ ही आगामी बोर्ड परीक्षा में बेहतर परीक्षा परिणाम कैसे प्राप्त करे व तनाव से दूर रहकर अपना पूरा ध्यान पढ़ाई पर देने विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में 7 दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ 8 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्तपाल कालोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति के तत्वाधान में आगामी 8 फरवरी से 7 दिवसीय श्री

लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का आयोजन किया गया है। चर्चा में श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति मानपुर (ला) के पदाधिकारियों ने बताया कि इस 7 दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के अवसर पर 8 फरवरी को प्रात: 10 बजे से कलश शोभायात्रा, देव आव्हान एवं यज्ञ प्रारंभ होगा, 9 फरवरी से 14 फरवरी तक प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से 9.30 बजे तक देवपूजन, प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक हवन, दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक श्री विष्णुसहसनाम पाठ, हवन तत्पश्चात महाआरती की जायेगी, 15 फरवरी को प्रात: 10 बजे से श्री पार्थिव शिव पूजन, शाम 5 बजे से भव्य शिव बारात प्रस्थान श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर से होगी। आगे बताया कि 16 फरवरी को शाम 5 बजे से सम्मानीय वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं 6 बजे से महाआरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम चित्रकुट धाम उ.प्र. से पधारे आचार्य पं. श्री आशोक कुमार पाण्डेय, आचार्य पं. श्री विमल मिश्रा के द्वारा संपन्न करवाया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति मानपुर-लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

15 फरवरी को लांजी में महादेव महोत्सव का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन द्वारा बालाघाट जिले के लांजी स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर परिसर में शिव-सत्य की कला अभिव्यक्तियों पर एकाग्र महादेव महोत्सव का आयोजन 15 फरवरी, 2026 को सायं 6.30 बजे से किया जाएगा। समारोह में शिव केंद्रित नृत्य नाटिका, लोक गायन एवं भक्ति गायन की प्रस्तुतियाँ संयोजित की जाएंगी। यह आयोजन शिवभक्ति, लोक परम्परा और शास्त्रीय-सुगम कलाओं के सुरम्य संगम के रूप में श्रद्धा और भक्ति की एक अनुपम संध्या रचेगा। संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन बालाघाट के सहयोग से यह आयोजन किया जाएगा। लोक सुरों की मधुर धारा में छतरपुर के श्री रामसिंह राय अपने लोक गायन से मंदिर की पावन धरा पर सांस्कृतिक चेतना का दीप प्रज्वलित करेंगे। इसके पश्चात भोपाल की विधिका मिष्ठी की आदिदेव भगवान शिव पर केंद्रित भावप्रवण प्रस्तुति होगी, जिसमें नृत्य नाटिका के माध्यम से कलाकार शिव कथा को जीवंत करेंगे। समारोह की अंतिम कड़ी में जबलपुर के ईशान

अधिकारी-कर्मचारी मस्त, जनता त्रस्त: लालबर्रा तहसील में सुशासन के दावों की निकल रही हवा!

समय पर काम नही होने से क्षेत्रीयजन एवं पक्षकार हो रहे परेशान, व्यवस्था सुधारने की जिला प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कहने को तो लालबर्रा तहसील क्षेत्र की 77 ग्राम पंचायतों का केंद्र है। लेकिन वर्तमान में यह कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता के चलते समय पर कर्मचारी नही पहुंच रहे है और कुछ कर्मचारी एवं बाबू नियमित रूप से भी नही आ रहे है जिसके कारण दुर-दराज से आने वाले ग्रामीण, पक्षकार सहित अधिवक्ताओं को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि जिन लोगों के द्वारा रूपये दिये जाते है उनके काम पहले कर दिये जा रहे है एवं राजस्व पटवारियों के द्वारा जो प्रकरण लाये जाते है उन्ही का समाधान समय पर किये जा रहे है। साथ ही तहसील कार्यालय में कर्मचारियों की भी कमी बनी हुई है जिसके कारण प्रकरणों का समय पर निराकरण नही हो पा रहा है। वहीं एक ओर जिला प्रशासन सुशासन के दावे करते नहीं थक रहा है, वहीं दूसरी ओर उनकी नाक के नीचे लालबर्रा तहसील 'भगवान भरोसे' चल रही है। सबसे निराशाजनक पहलु क्षेत्रीय विधायक और सांसद की भूमिका है, जो जनता से वोट लेकर अब उनकी तकलीफों पर मौन साधे बैठे हैं। क्या इन जनप्रतिनिधियों के लिए तहसील की बदहाली कोई मुद्दा नहीं है। जबकि कई बार तहसील कार्यालय में कर्मचारियों की कमी, समय पर कर्मचारियों के नियमित रूप से उपस्थित नही होने और अनुभवी स्टाप की कमी की समस्या से क्षेत्र की जनता एवं अधिवक्ताओं ने उन्हे अवगत करवा चुके है। बावजूद उसके इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे पक्षकार सहित अधिवक्तागण परेशान हैं। इस तरह से लालबर्रा तहसील कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारी मस्त है एवं जनता त्रस्त हो रहे है। जिसके चलते लालबर्रा तहसील में सुशासन के दावों की हवा निकलते नजर आ रही है। क्षेत्रीयजन, पक्षकार एवं अधिवक्तागणों ने जिला प्रशासन से तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर अनुभवी कर्मचारी एवं रिक्त पदों पर कर्मचारियों की नियुक्ति कर व्यवस्थाओं में सुधार करने की मांग की है।

साहब! पटवारियों से करवा रहे है बाबूगिरी

आपकों बता दे कि लालबर्रा तहसील कार्यालय की हकीकत यह है कि यहां अनुभवी बाबूओं की कमी है। वहीं तहसील में जो बाबू है वे भी नियमित रूप से नही आते है जिसके कारण कार्य प्रभावित हो रहा है। जबकि लालबर्रा तहसील के अंतर्गत तीन राजस्व निरीक्षण मंडल है और तीनों मंडल के लिए अलग-अलग बाबूओं की नियुक्ति होनी चाहिए किन्तु जिला प्रशासन ने यहां अनुभवी स्टाफ तैनात करने के बजाय फील्ड में रहने वाले पटवारियों को कुर्सी पर बैठाकर लिपिकीय कार्य सौंप दिया है। परिणाम यह है कि न तो कार्यालय का काम समय पर हो रहा है और न ही गांवों में राजस्व कार्य। यह जिला प्रशासन की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

महीनों से अटके आदेश, पक्षकार परेशान

तहसील की सुस्त कार्यप्रणाली का आलम यह है कि महीनों बीत जाने के बाद भी पीठासीन अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होते। पक्षकार, ग्रामीणजन एवं अधिवक्ता प्रतिदिन कार्यालय के चक्कर काटकर थक चुके है। अधिकारियों और कर्मचारियों की मनमानी ने तहसील को एक ऐसा अड्डा बना दिया है जहां केवल तारीखें मिल रही है न्याय नही। वहीं न्याय के लिए लोगों को महीनों इंतजार करना पड़ रहा है। क्षेत्र की जनता में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी आक्रोश है। क्षेतीयजन एवं अधिवक्ताओं ने कई बार गुहार लगाई है लेकिन विधायक और सांसद की उदासीनता ने यह साबित कर दिया है कि उन्हें आम जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। प्रशासनिक अधिकारियों पर लगाम कसने में जनप्रतिनिधियों की यह विफलता क्षेत्र के विकास पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है।

पक्षकारों को तहसील कार्यालय के लगाने पड़ते हैं चक्कर - इंदुरकर

अधि. संघ उपाध्यक्ष संदेश इंदुरकर ने बताया कि तहसील कार्यालय में व्यवस्थित रूप से काम नहीं हो पा रहे है। अव्यवस्था का आलम बना हुआ है, कभी अधिकारी अनुपस्थित रहते हैं तो कभी उनके सहयोगी कर्मचारी जिससे दुर-दराज से आने वाले पक्षकारों को परेशान होना पड़ता है और एक काम के लिए उन्हे बार-बार तहसील कार्यालय का चक्कर काटना पड़ता है। श्री इंदुरकर ने बताया कि इसके पूर्व में जो अधिकारी थे, उनके समय व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही थी, सभी कामों को समय सीमा में पूरा किया जा रहा था परंतु उनके स्थानांतरण के बाद से तहसील की व्यवस्था बिगड़ चुकी है। अधिकारी-कर्मचारी समय पर प्रकरणों का निराकरण नही करते है जिससे सभी परेशान है, व्यवस्था में सुधार करें प्रशासन।

प्रशासन से शिकायत के बाद सिर्फ आश्वासन मिला, समाधान नहीं - जगदीश

अधि. संघ सचिव जगदीश बोपचे ने बताया कि तहसील में राजस्व से संबंधित प्रकरणों का निराकरण होता है परंतु यहां पर जो रीडरों के पद है वह रिक्त है। जिससे व्यवस्था डगमगा गई है, अव्यवस्था बनी हुई है, हमारी मांग की जितने पद रिक्त पड़े हुए हैं प्रशासन उन्हें शीघ्र भरे जिससे व्यवस्था में सुधार हो सके। श्री बोपचे ने बताया कि लालबर्रा तहसील के अंतर्गत तीन मंडल आते है, तीनों मंडलों के कार्यों के लिए अलग-अलग रीडरों की नियुक्ति होनी चाहिए थी परंतु प्रशासन के द्वारा इन मंडलों पर रीडर को नियुक्ति नहीं की जा रही जिससे समस्या का निराकरण समय पर नहीं हो पा रहा है। जबकि अनेकों बार शासन-प्रशासन को इस समस्या अवश्य अवगत करवा चुके है लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला है समाधान नहीं मिल पाया है।

निश्चित समयावधि में होना चाहिए निराकरण - पवन

वरिष्ठ अधि. पवन गौतम ने बताया कि अनुभवी स्टाफ की कमी के कारण प्रकरणों के निराकरण समय पर नहीं हो पा रहे हैं, महीनों बीत जाने के बाद भी आदेश नहीं हो पाते है, जिससे पक्षकार एवं अधिवक्ताओं को परेशान होना पड़ रहा है। वही हमें दूसरों के माध्यम से जानकारी मिलती है कि पटवारी के द्वारा जो काम तहसील कार्यालय में ले जाते हैं, उनका निराकरण समय से पहले कर दिया जाता है जो गलत है। श्री गौतम ने बताया कि जब हम अपनी समस्या लेकर जाते हैं तो तहसीलदार महोदय के द्वारा कर्मचारी का अभाव होने का हवाला देते हैं, जबकि कार्यालय में पर्याप्त कर्मचारी है, किन्तु कुछ कर्मचारी नियमित रूप से नही आते है। जिसके कारण परेशानी होती है हमारी मांग है कि एक निश्चित समयावधि पर प्रकरणों का निराकरण होना चाहिए।

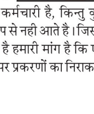

राजपत्र पर जन भागीदारी समिति और महाविद्यालय प्रशासन आमने-सामने

समिति ने प्राचार्य पर नियमों की अवहेलना करने और प्राचार्य ने समिति पर दबाव बनाने का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

शंकरसाव पटेल शासकीय महाविद्यालय में ३ फरवरी को काफी गरमा गर्मी भरा माहौल देखने को मिला। जहां महाविद्यालय जन भागीदारी समिति एवं महाविद्यालय प्रशासन के मध्य तीखी बहस जन भागीदारी समिति के कार्यकाल को लेकर हुई। जिसमें महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के द्वारा उनका कार्यकाल निरंतर होने की बात कही गई। तो वहीं प्राचार्य के द्वारा राजपत्र का हवाला देते हुए अधिकतम तीन वर्ष का कार्यकाल की बात कही गई। जहां पर समिति और महाविद्यालय दोनों आमने सामने नजर आयें हालांकि इस दौरान समिति ने महाविद्यालय प्राचार्य पर शासन के निर्देशों की अवहेलना करने का आरोप लगाया। तो वहीं प्राचार्य के द्वारा जन भागीदारी समिति पर उन्हें धमकाने और दबाव बनाने का आरोप लगाया गया। जहां विवाद की स्थिति निर्मित होता देख समिति अध्यक्ष और सदस्य प्राचार्य कक्ष से बाहर आ गये।

बैठक आयोजन को लेकर बिगड़ी स्थिति

महाविद्यालय जन भागीदारी समिति अध्यक्ष प्रफुल्ल बिसेन के द्वारा महाविद्यालय को पत्र लिखकर ३ फरवरी को बैठक आयोजित करने कहा गया था। परंतु महाविद्यालय के द्वारा उक्त पत्र का कोई पालन नहीं किया गया और ना ही की कोई सूचना जारी की गई। ऐसे में जन भागीदारी अध्यक्ष सहित सदस्य ३ फरवरी को महाविद्यालय प्राचार्य कक्ष पहुंचे। जहां पर प्राचार्य से उनके द्वारा अपने पत्र और विभिन्न विषयों पर बात की गई। जहां प्राचार्य के द्वारा शासन से जारी राजपत्र के अनुसार अधिकतम ३ वर्ष का कार्यकाल समाप्त होने की सूचना के साथ स्पष्ट जवाब दे दिया गया। तभी मौके पर राजपत्र में लिखें तीन वर्ष या आगामी आदेश तक के विषय पर समिति और महाविद्यालय प्राचार्य के बीच बातचीत होती रही। परंतु प्राचार्य अपने बातों पर अड़ी रही और उच्च अधिकारियों से भी मार्गदर्शन लेने का हवाला दिया गया। परंतु जन भागीदारी समिति के द्वारा उनका कार्यकाल समाप्त नही होने की बात कही जाती रही। बैठक सूचना पत्र की बात कही गई जिसे प्राचार्य के द्वारा सूचना पत्र में कोई हस्ताक्षर नही होने पर उसे रद्दी कहा गया। जिस पर समिति सदस्य आकर्षित होकर अपने स्थान से खड़े हो गए। मौके पर विवाद की स्थिति निर्मित होता देख अचानक लंबी बातचीत के बाद अध्यक्ष सहित समिति के सदस्य प्राचार्य कक्ष से बाहर निकल गये। हालांकि इस चर्चा के बीच में प्राचार्य कक्ष में ही जन भागीदारी अध्यक्ष प्रफुल्ल बिसेन के द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन १८१ पर उक्त घटना की शिकायत भी की गई।

प्राचार्य समिति एवं शासन के निर्देश की अवहेलना कर रही- प्रफुल्ल बिसेन

जन भागीदारी समिति अध्यक्ष प्रफुल्ल बिसेन ने बताया कि १ जनवरी से वर्तमान तक समिति को शासकीय कार्यक्रमों की सूचना नहीं दी गयी। जिसमें बैठक रखने २९ जनवरी को पत्र दिया कि ३ फरवरी को बैठक रखें उसका पालन नहीं हुआ तो हम आए थे। प्राचार्य ने कहा कि समिति का कार्यकाल समाप्त हो गया है। राजपत्र के आधार पर ३ वर्ष और आगामी आदेश का हवाला दिया है तो जब तक कोई नई समिति नहीं बनती तब तक यह समिति कार्यरत रहेगी ऐसा पत्र में लिखा है। इसकी अवहेलना प्राचार्य डॉक्टर सरिता कोल्हेकर कर रही है जिससे पूरी समिति आहत है। पूर्व में यह प्राचार्य थी इनके कार्यकाल में हुए कार्यों का ऑडिट भी किया गया जिसमें कलेक्टर रिपोर्ट में जन भागीदारी की राशि का दुरुपयोग प्रमाणित हुआ है। इस संदेह पूर्ण स्थिति में बैठक जरूरी थी मैडम का व्यवहार बहुत खराब रहा जन भागीदारी की राशि का दुरुपयोग होने की हमें संभावना है। प्राचार्य ने समिति एवं शासन के निर्देश की अवहेलना कर रही है।

प्राचार्य का निर्णय न्याय उचित और तर्कसंगत नहीं है-निरंजन बिसेन

जनभागीदारी सदस्य निरंजन बिसेन ने बताया कि हम महाविद्यालय आकर प्राचार्य से चर्चा की तो कार्यकाल समाप्त होना उन्होंने बताया। इसमें शासन ने कोई नोटिस जारी नहीं किया है पूरे प्रदेश में समिति कार्यरत है ,जिले के चार अध्यक्षों से हमने बात की है शासन ने भांग का आदेश भी नहीं दिया है ऐसे में मैडम का निर्णय न्याय उचित और तर्कसंगत नहीं है। इन्हें मार्गदर्शन लेना चाहिए शासन ने अभी कोई पत्र जारी नहीं किया है समिति मार्गदर्शन नहीं मांगती है प्राचार्य सचिव होता है तो चर्चा करने आए थे। अध्यक्ष को २६ जनवरी को ध्वजारोहण करने नहीं बुलाया और ना ही कोई कार्यक्रम में बुलाया जा रहा है यह समिति की अवहेलना हो रही है इसलिए आए थे। यदि समिति भंग होने का आदेश आता तो समिति भंग होती पर यहां तो अकेले वारासिवनी की समिति भंग हो गई इसमें उच्च अधिकारी आयुक्त से चर्चा की जाएगी।

मुझे धमकाया और दबाव बनाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे-सरिता कोल्हेकर

प्राचार्य सरिता कोल्हेकर ने बताया कि राजपत्र में समिति का कार्यकाल ३ वर्ष का अधिकतम लिखा हैं जो समाप्त हुआ। यह निर्देश देते हैं बैठक करने तो किस आदेश के तहत यह करें हम तो शासन से बंधे हैं। पहले भी पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल बिसेन से बात हुई थी तो वह कहते हैं कि हम अभी अध्यक्ष पद पर पदस्थ है। इसमें उच्च अधिकारी जबलपुर से बात की तो उन्होंने कार्यकाल समाप्त होना बताया हम समिति के साथ कैसे बैठकर किसी भी प्रकार से प्रशासनिक वित्तीय विचार करें वह नियम विरुद्ध होगा। यह बताया तो मानने को तैयार नहीं है आज समिति के साथ आकर जोर.जोर से बात कर धमकाना दबाव बनाना और हमारे एवं स्टाफ के सामने ही डराने के लिए सीएम हेल्पलाइन १८१ में शिकायत की बहस की इस रूप से मैं आहत हूं। इन्होंने शासन को शिकायत की है तो उच्च अधिकारी को मैं यह सब बताकर मार्गदर्शन लिखित रूप में लूंगी यदि वह कार्यकाल के लिए जो मार्गदर्शन देंगे उस पर अमल करेंगे। आगामी आदेश का यह होता है कि अधिकतम ३ वर्ष के बीच में कुछ हो जाता है एक्सीडेंट नई नियुक्ति या कुछ भी हो तो नया आदेश आएगा। जन भागीदारी समिति द्वारा धमकाया जा रहा शिकायत कर रहे जोर जोर से बात कर दबाव बनाया जा रहा है एक प्रकार से यह मानसिक रूप से प्रताड़ित करना है। मेरी जो शिकायत पूर्व कार्यकाल की हुई थी उसमें हमने नेक का जो काम कराया था उसकी जांच हुई जो विभागीय जांच में बदल गई जिसमें मुझे क्लीन चिट दिया गया है कोई अनियमित नहीं मिली है यह जो आरोप लगा रहे हैं निराधार है।

आल इंडिया देवधर क्रिकेट ट्राफी के प्री क्वाटर फाईनल में पंहुची नागपुर की टीम ,दिल्ली के खिलाडियों ने जीता दिल

अंतिम बाल तक चले रोमांचकारी संघर्ष के बाद खेल प्रेमियो ने नागपुर टीम को कराया मैदान का भ्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ऑल इंडिया देवधर क्रिकेट ट्रॉफी के प्री क्वाटर फाइनल मुकाबले में अंतिम गेंद पर आखिर नागपुर टीम ने जीत हासिल की। आज मैच में नागपुर के प्रसिद्ध बल्लेबाज उपदेश को मैन आफद मैच का पुरस्कार पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के हस्ते प्रदान किया गया। टीमो के मुकाबले को देखने के लिये खेल प्रेमियो का अधिक संख्या में जमावडा मैदान में देखा गया। एल.बी. शास्त्री दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित २० ओवरों में ९ विकेट खोकर १९८ रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। शुरुआत में दिल्ली की टीम ने जल्दी अपना पहला विकेट खोया। लेकिन आयुष शंकर ने एक छोर थामे रखा। शंकर ने ४२ गेंदों पर ९ चौकों और २ छक्कों की मदद से शानदार ५९ रनों की पारी खेली। मध्यक्रम में देव्यांशु सिंह ३३ ने भी उपयोगी योगदान दिया। अंतिम ओवरों में बल्लेबाजी करने आए शर्री ने विपक्षी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र ११ गेंदों पर ३१ रनों की तूफानी पारी खेली। इस पारी में ४ चौके और २ गगनचुंबी छक्के शामिल थे, जिसने टीम को १९८ रनो पर पहुंचा दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का नागपुर का फैसला उस वक्त गलत साबित हुआ जब दिल्ली के बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर शॉट्स लगाए। नागपुर की तरफ से उत्कर्ष सिंघल और अध्ययन राऊथान ने २-२ विकेट झटके। कप्तान अगम सिंह ने ३ ओवरों में ४१ रन लुटाए, जो टीम के लिए काफी महंगे साबित हुए। प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबला एक ऐसी जंग साबित हुआ, जिसे क्रिकेट प्रेमी वर्षों तक याद रखेंगे। एल.बी. शास्त्री दिल्ली के १९८ रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए वी.टी.सी.ए. नागपुर ने आखिरी ओवरों के रोमांच में २ विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नागपुर की शुरुआत खराब रही और सिद्धेश दांडेवार १ जल्दी पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद मैदान पर उपदेश राजपूत का तूफान आया। राजपूत ने मात्र ५४ गेंदों पर ९५ रनों की अविश्वसनीय पारी खेली, जिसमें उन्होंने ६ चौके और ८ गगनचुंबी छक्के जड़े। उन्होंने दिल्ली के गेंदबाजों की लय बिगाड़ते हुए मैच को पूरी तरह नागपुर की मुट्ठी में कर लिया। जब मैच निर्णायक मोड़ पर था, तब उपदेश ९५ और प्रभकिरात सिंह १८ के आउट होने से रोमांच बढ़ गया। हिमांशु बांते ने भी १६ गेंदों पर २९ रनों की तेज तर्रार पारी खेलकर जीत की नींव रखी थी। अंत में नागपुर ने १९९ का स्कोर बनाकर २० वें ओवर की अंतिम कुछ गेंदों में इस पहाड़ जैसे लक्ष्य को फतह कर लिया। दिल्ली की ओर से कुमार विनायक सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने ४ ओवर में ५६ रन देकर २ महत्वपूर्ण विकेट लिए। इनके अलावा फरजान अली, मानस शर्मा, दीपेंद्र और मयंक बाल्यान को १-१ विकेट लेने में सफलता मिली। लेकिन वे नागपुर के बल्लेबाजों को लक्ष्य तक पहुँचने से नहीं रोक सके। इस दौरान गागन सोमानी, विजय सुराना, हरेश सचदेवा, दिलीप गिडवानी, आलोक जैन, महेश सवदेवा ने दोनो ही टीमो के खिलाड़ियो का परिचय प्राप्त कर अच्छे खेल की शुभकामनायें प्रदान की।

सतत् प्रयास से हुई भारतीय प्रसन्नजीत की पाकिस्तान से वापसी-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पाकिस्तान की कैद से भारतीय नागरिक प्रसनजीत रंगारी उम्र ३८ वर्ष निवासी खैरलांजी के १४ वर्ष बाद लौटने पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने भारत सरकार और इस्लामाबाद पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग का धन्यवाद ज्ञापित किया है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने बताया कि वे फफार्मासिस्ट प्रसंजीत रंगारी की रहस्यमयी गुमशुदगी के मुद्दे को दिसंबर २०२३ से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर रख रहे थे। जिसमें सर्वप्रथम विक्रम देशमुख ने दिसंबर २०२३ में ग्राम महकेपार तिरोड़ी में पीड़ित परिवार से मुलाकात कर परिवार के दावों को समझकर ८ जनवरी २०२४ को विदेश मंत्रालय भारत सरकार को परिवार के दावे अनुसार प्रसन्नजीत के पाकिस्तान स्थित कोटलखपत जेल लाहौर में कैद होने संबंधी शिकायत की थी। जिसके जवाब में विदेश मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा १८ सितम्बर २०२४ को विदेश मंत्रालय के मदद पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने सम्बंधी निर्देश दिए गए थे।

तत्पश्चात विक्रम देशमुख के द्वारा ३ अक्टुबंर २०२४ को विदेश मंत्रालय के मदद पोर्टल पर गुमशुदा प्रसन्नजीत की वापसी के लिए शिकायत क्रमांक १०९३२७८२४ दर्ज की गई थी। जिसका जवाब विक्रम देशमुख को ११ माह पश्चात १० सितबंर २०२५ को ईमेल के द्वारा दिया गया। कि प्रसनजीत रंगारी पाकिस्तान के लाहौर स्थित पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ में जीवित है और सुनील अधय के नाम से रह रहा है। साथ ही यह बताया गया कि भारतीय राजदूत के द्वारा २ सितबंर २०२५ को प्रसन्नजीत रंगारी की रिहाई के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष विषय रखा गया था ।

प्रसन्नजीत की पाकिस्तान से रिहाई में हो रही देरी पर विक्रम देशमुख के द्वारा भारतीय विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर को २२ सितबंर२०२५ को ईमेल पर भी शीघ्र रिहाई की मांग की गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच उरी हमला , पुलवामा हमला, बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक, पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए तनावपूर्ण रिश्तों के कारण प्रसन्नजीत की रिहाई में लगातार देरी हो रही थी। प्रसन्नजीत की रिहाई में हो रही देरी के कारणों को और भारतीय उच्चायोग इस्लामाबाद के द्वारा रिहाई के लिए किए जा रहे प्रयासों को पता लगाने के लिए विक्रम के द्वारा २७ दिसबंर २०२५ को भारतीय उच्चायोग पाकिस्तान में सूचना के अधिकार के तहत जानकारी की मांग की गई थी। जिसके जवाब में भारतीय उच्चायोग के द्वारा प्रसन्नजीत के पाकिस्तानी कैद में होने और भारतीय कौंसुलर के द्वारा उसके कुशल क्षेम लेने की जानकारी २० जनवरी २०२६ को दी गई थी। विक्रम देशमुख के द्वारा विदेश मंत्रालय भारत सरकार के काउंसलर पासपोर्ट वीजा डिवीजन और भारतीय उच्चायोग इस्लामाबाद पाकिस्तान को पुन: २८दिसबंर २०२५ को मदद पोर्टल पर दर्ज याचिका का हवाला देकर शिकायत की गई थी। साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार को शिकायत याचिका क्रमांक म२०२६/०००६०७२ दिनांक १० जनवरी २०२६ को प्रस्तुत कर भारतीय नागरिक को पाकिस्तान की अवैध कैद से आजाद करने की मांग की गई थी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख के २ वर्षों के सतत् प्रयासों का परिणाम है कि प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार और विदेश मंत्रालय में प्रस्तुत याचिकाओं के निराकरण के संबंध में अखिलेश सिंह कल्याण अधिकारी भारतीय उच्चायोग इस्लामाबाद पाकिस्तान के द्वारा २फरवरी २०२६ को बताया गया कि प्रसन्नजीत रंगारी को दिनांक ३१ जनवरी २०२६ को वाघा बॉर्डर अमृतसर पंजाब से भारत भेज दिया गया है। ग्राम.महकेपार निवासी श्रीमती संघमित्रा राजेश खोबरागड़े के द्वारा विक्रम देशमुख को उसके सगे भाई प्रसन्नजीत रंगारी के सकुशल भारत पहुंचने की जानकारी दी गई। जिस पर विक्रम देशमुख के द्वारा बहन संघमित्रा द्वारा दिए गए पंजाब पुलिस के मोबाइल पर बात कर प्रसन्नजीत को किस थाने की अभिरक्षा में रखा गया है। उसके भारतीय पते और सुपुर्दगी की प्रक्रिया की जानकारी लेकर परिजनों को दी गई। ताकि प्रसन्नजीत रंगारी की रेड क्रॉस भवन मजीठा थाना अमृतसर पंजाब से बालाघाट जिले में सकुशल वापसी सुनिश्चित हो सके। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख के इस भागीरथी प्रयास पर श्रीमती संघमित्रा राजेश खोबरागडे और उनके परिजनों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

कोसमी में संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का हुआ आयोजन

विधायक गौरव सिंह पारधी ने लिया व्यासपीठ का आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/कटंगी। कटंगी तहसील के ग्राम कोसमी में संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान का संचालन पं.हनवत महाराज ;खड़गपुर के सानिध्य में हो रहा है। जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ ले रहे हैं। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन प्रात: एवं संध्या काल में शिव महापुराण कथा एवं प्रवचन आयोजित किए जा रहे हैं। कथा के दौरान भक्ति ज्ञान और संस्कार से ओतप्रोत वातावरण बना हुआ है। जिससे श्रद्धालु भावविभोर होकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। धार्मिक आयोजन के दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने व्यासपीठ पर विराजमान पं.हनवत महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर शिव महापुराण कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों की आस्था और सहयोग की सराहना करते हुए संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ की सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अनील पटले, आशु बिसेन, विनय राहंगडाले, सोनू पटले, रवि भगत, देवा राउत, शैलेंद्र ठाकरे, मोनू नेवर,जितेंद्र, राजीराम राऊत, संजय राहंगडाले, नंदू बिसेन, गायनु निनावे, ईश्वरी बिसेन, बुधा राहंगडाले सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ग्राम गजपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा पुराण में पहुंचे विधायक गौरव पारधी

ग्राम गजपुर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा पुराण का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ गया। पंडित भुवनकृष्ण दुबे के मुखारविंद से भागवत कथा का वाचन हुआ। जिसमें ग्राम एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया। श्रीमद् भागवत कथा पुराण के अवसर पर विधायक गौरव पारधी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने कथा स्थल पर पहुंचकर व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया और भागवत कथा का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों की आस्था और सहयोग की सराहना करते हुए आयोजन की सफलता के लिए बधाई शुभकामनाएं दी।

विनोद कुमार हनवत का असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सोनझरा के विनोद कुमार हनवत ने जो अपने अथक परिश्रम अदम्य संकल्प और आत्म बल से यह सिद्ध कर दिया की सीमाएं परिस्थितियों में नहीं बल्कि सोच में होती है । विनोद हनवत के असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होना केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए आशा और आत्मविश्वास का संदेश देती है । विनोद कुमार की सफलता के पीछे त्याग संघर्ष और समर्थन की एक भावनात्मक कहानी छिपी है ,उनके पिता स्व.गणेश प्रसाद हनवत ने जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उन्हें संस्कार आत्म बल और शिक्षा का महत्व समझाया। वही माता श्रीमती रामेश्वरी हनवत का स्नेह धैर्य और आशीर्वाद आज भी उनके जीवन की सबसे बड़ी ताकत बना हुआ है । माता.पिता के दिए संस्कारों ने उन्हें कभी हार ना मानने की सीख दी । इस संघर्ष यात्रा में पत्नी श्रीमती जयश्री हनवत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादाई रही है । जो विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने केवल जीवनसाथी का ही दायित्व नहीं अपितु हर कदम पर अपने पति की छाया बनकर साथ खड़ी रही पढ़ाई से लेकर दैनिक जीवन की चुनौतियां तक हर मोड़ पर उनका सहयोग त्याग और विश्वास विनोद की सफलता की मजबूत नींव बनी है यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि उनकी उपलब्धि में श्रीमती जयश्री हनवत का योगदान मौन तपस्या के समान है । विनोद कुमार हनवत वर्तमान में शिक्षक के तौर पर अपनी सेवाएं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपायली में दे रहे है। शिक्षक के तौर पर उनकी सेवाओं का प्रारंभ २००६ शासकीय उन्नयन माध्यमिक शाला पांडाऐर तहसील बरघाट जिला सिवनी से होता हुआ २०१९ से २०२४ तक शासकीय हाई स्कूल कोथुरना में अपनी सेवाएं दी है । वर्तमान में रामपायली में शिक्षक पद का निर्वहन कर वे छात्र.छात्राओं को विद्या दान देने में गौरवशाली महसूस करते है। शिक्षक विनोद कुमार हनवत ने बताया कि वह अपने कार्य को परिणाम तक पहुंचाने में सदैव अग्रसर रखने में गौरव की अनुभूति से स्वयं को अग्रसर रखना चाहते है। आज भी असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होने के बावजूद भी समाज के लिए अपने विद्यालय परिवार के लिए अपने ग्राम के लिए ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के लिए प्रेरणादाई उदाहरण बनने में ईश्वर के परिणाम से अपने को अलग नहीं मानते है। वह उन सभी लोगों के आभारी है जो उनकी उपलब्धि के पीछे कहीं ना कहीं कारण बने हुए हैं और जीवन भर बने रहेंगे । श्री हनवत ने कहा कि वह विद्या जैसे दान का अपने अंदर से अपने बच्चों को दे रहे हैं यह उन्हें हर दिन आगे बढ़ाने के लिए अग्रेसित करता है।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

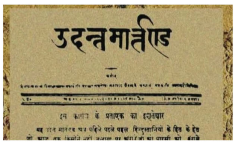

माघ-फागुन के महीने में आमतौर पर ठंड धीरे-धीरे विदा होने लगती है, लेकिन इस बार बारिश, ठंड और कोहरे का तिहरा असर चुनौती बना हुआ है। फरवरी की शुरुआत में मौसम का बदलता मिजाज संकेत देता है कि पुराने मौसमी पैटर्न बदल रहे हैं।

मौसम का बद मिजाज

फरवरी की शुरुआत उत्तर भारत के लिए बदलते मौसम की एक नई चुनौती लेकर आई है, जिसने जनजीवन को एक बार फिर असहज कर दिया है। माघ-फागुन के महीने में जहां आमतौर पर ठंड धीरे-धीरे विदा लेने लगती है, वहीं इस बार बारिश, तेज ठंड और घने कोहरे का तिहरा असर आम लोगों से लेकर प्रशासन तक के लिए चुनौती बन गया है। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में एक से तीन फरवरी तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का सिलसिला जारी है। कोहरे का कहर भी कम नहीं है। घना कोहरा अब केवल सुबह और रात तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि कई इलाकों में दिन के वक्त भी दृश्यता बेहद कम बनी रहती है। उत्तर भारत का मौसम हमेशा से परिवर्तनशील रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी तीव्रता और अनियमितता बढ़ी ही है। इस

बार पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता और ला-नीना के कमजोर पड़ते प्रभाव ने मिलकर फरवरी के पहले सप्ताह को असामान्य बना दिया है। पश्चिमी विक्षोभ दरअसल भूमध्यसागर से आने वाली हवाओं का तंत्र है, जो ठंड के मौसम के दौरान उत्तर भारत में बारिश और पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी कराता है। ऐसे लगातार दो विक्षोभों की वजह से, मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, तीन फरवरी तक हिमालयी राज्यों में बारिश व बर्फबारी और मैदानी राज्यों में हल्की बारिश की संभावना है। यही नहीं, अगले कुछ दिनों तक मौसम की मार से बचने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि मौसम विभाग के मुताबिक आगामी पांच से सात फरवरी के बीच तीसरा पश्चिमी विक्षोभ हिमालयी राज्यों में फिर मौसम बदलेगा। उत्तर भारत में गेहूं, सरसों, चना और अन्य रबी फसलों के लिए यह निर्णायक चरण है। ऐसे में, ज्यादा बारिश और ओलावृष्टि फसलों को नुकसान पहुंचा सकती है, क्योंकि अत्यधिक नमी से फफूंद और रोगों का खतरा बढ़ जाता है। मैदानी इलाकों में यह अतिरिक्त नमी कोहरे को और घना बना रही है। हाल ही में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सर्वोच्च न्यायालय को सौंपी अपनी रिपोर्ट में ठंड में कोहरे को वायु प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण बताया था। लिहाजा कोहरे की समस्या से सड़क, रेल और हवाई यातायात पर तो असर पड़ ही रहा है, यह सांसों के लिए भी भीषण संकट बन गई है। पश्चिमी विक्षोभों की बढ़ती सक्रियता, तापमान में उतार-चढ़ाव और कोहरे की तीव्रता, ये सब संकेत हैं कि पुराने मौसमी पैटर्न अब बदल रहे हैं। लिहाजा, हमें सतर्क रहना होगा, तैयारी करनी होगी और प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाना सीखना होगा। अन्यथा, हर सर्दी एक नई चुनौती लेकर आएगी।

अपनी दशा के लिए यूरोप ही जिम्मेदार है

-महेंद्र वेद वरिष्ठ पत्रकार

कभी अमीर और शक्तिशाली उपनिवेशवादी यूरोपीय देश अपनी बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के बावजूद, ट्रंप के सामने झुके हुए हैं, और अगर उन्हें ठीक लगे, तो व्यावसायिक सौदा करने के लिए तैयार हैं। यूरोपीय देशों में मकसद और एकता की कमी है, जहां हर कोई 'छोटा ट्रंप' बनने की कोशिश कर रहा है।

प्राचीन यूनानी इतिहासकार थ्यूसीडाइड्स का एक मशहूर कथन है-ताकतवर वही करते हैं, जो वे कर सकते हैं, और कमजोर वही सहते हैं, जो उन्हें सहना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय मामलों में जिसकी लाठी उसकी भैंस वाले एक नए युग की शुरुआत हुई है, जहां कानून के शासन का कोई मतलब नहीं है। ऐसा केवल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बाकी दुनिया की कीमत पर अमेरिका को फिर से महान बनाने की महात्वाकांक्षा के कारण न भी हो, तो क्या मुख्यत: उसी वजह से नहीं है? क्या यह ज्यादा इलाके, ताकत और प्रभाव के लिए उसका लालच है, जिसमें वह अमेरिकी सुरक्षा चिंताओं का हवाला दे रहा है और पहले से ही दुनिया के सबसे अमीर अपने देश को और भी समृद्ध बना रहा है?

वजह चाहे जो भी हो, दुनिया रोजाना की कड़वी बातों और एक ऐसे इन्सान के मिजाज के भरोसे है, जो अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके कनाडा, फ्रांस और स्विट्जरलैंड जैसे अपने सहयोगियों को भी नीचा दिखा रहा है। उनकी मौजूदा नाराजगी यूरोप के खिलाफ है, जो ईरान या क्यूबा के खिलाफ भी हो सकता है। उन्होंने हाल ही में दावोस में हुई वैश्विक बैठक में इसके नेताओं (सभी नाटो सदस्य) के लिए खुलकर 'बेवकूफ' शब्द का इस्तेमाल किया। पश्चिमी दुनिया पहले कभी इतनी बंटी हुई नहीं थी। यह चूहे-बिल्ली का खेल है, जिसमें कभी अमीर और शक्तिशाली उपनिवेशवादी यूरोपीय देश अपनी बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के बावजूद, ट्रंप के सामने झुके हुए हैं, और अगर उन्हें ठीक लगे, तो व्यावसायिक सौदा करने के लिए तैयार हैं, पर इसकी कोई गारंटी नहीं है कि वह इससे पीछे हटेंगे या और ज्यादा चाहेंगे। यूरोपीय देशों में मकसद और एकता की कमी है, जहां हर कोई 'छोटा ट्रंप' बनने की कोशिश कर रहा है। तीन वर्षों तक, उन्होंने यूक्रेन में रूस को हराने के लिए अमेरिका का इस्तेमाल किया, और उम्मीद की कि ट्रंप (जिन्हें वे पुतिन समर्थक मानते थे) राष्ट्रपति चुनाव हार जाएंगे। ट्रंप ने यूक्रेन को एक ऐसे युद्ध से बचाने के लिए यूरोप की चिंता के बजाय

अमेरिकी हितों (आर्थिक और सैन्य, दोनों) को प्राथमिकता दी है, जिसे जीता नहीं जा सकता। वह चाहते हैं कि अमेरिका यूक्रेन से बाहर निकल जाए, लेकिन रूस और यूक्रेन, दोनों से व्यावसायिक सौदा किए बिना नहीं। पिछले साल युक्रेन के जेलेंस्की ने ट्रंप का अपमान किया था, फिर भी वह अमेरिकी मदद पर पूरी तरह निर्भर थे, जो अन्य यूरोपीय देश नहीं दे सकते थे। यह सब पश्चिमी दुनिया के संकट को दिखाता है।

असली नाकामी वॉशिंगटन की नहीं, बल्कि यूरोपीय नेताओं की है, जो दबाव के आगे झुक जाते हैं। अमेरिका इसलिए दबाव

डालता है, क्योंकि उसे व्यवस्थित शोषण को बर्दाश्त करने की उम्मीद होती है। व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, राजनीति और कूटनीति के क्षेत्र में यूरोपीय संघ ने अपनी ताकत खो दी है। दुनिया के सबसे बड़े एकल बाजार और मुख्य वित्तीय केंद्र के तौर पर यूरोप अब भी काफी शक्तिशाली है। यूरोप में अमेरिकी सेना यूरोपीय इलाके, इंफ्रास्ट्रक्चर और सहमति पर निर्भर करती है। अमेरिकी कंपनियां राजस्व और पैमाने के लिए यूरोपीय बाजार तक पहुंच पर निर्भर हैं। इसलिए यूरोप ने अपना पतन खुद चुना है। इसके नेता अपनी ताकत का इस्तेमाल करने से मना करते हैं। ग्रीनलैंड के मामले में अगर ट्रंप पीछे हटे हैं, तो इसका कारण बाजार में उथल-पुथल, कड़े विरोध और शायद यह एहसास है कि दूसरे विकल्प मौजूद हैं।

अमेरिका के टैरिफ और कब्जे के दावों पर कनाडा की प्रतिक्रिया ने चीन के साथ जुड़कर व्यापार में विविधता लाने की इच्छा दिखाई, जिससे पता चलता है कि जबर्दस्ती करने से जवाबी कार्रवाई होती है। यूरोप भी बड़े पैमाने पर ऐसा कर सकता है। वह चाणक्य नीति का इस्तेमाल कर सकता है-दुश्मन के दुश्मन से दोस्ती करो। पहली जरूरत वॉशिंगटन पर लागत थोपना है। यूरोप का रक्षा खर्च अमेरिका को छोड़कर किसी भी देश से ज्यादा है, फिर भी खरीद प्रक्रिया पुनः यूरोप के हथियारबंद होने पर अमेरिकी दबदबे को और मजबूत कर रही है। जब व्हाइट हाउस धमकी देता है, तो निर्भरता सामने आ जाती है, जिससे नाटो की मिलकर काम करने की क्षमता राजनीतिक कमजोरी बन जाती है। इसे हल करने के लिए, यूरोपीय सरकारों को यह अनिवार्य करना चाहिए कि दो साल के अंदर 90 प्रतिशत रक्षा खरीद घरेलू स्तर पर की जाए। अमेरिकी समीकरण को पलटने के लिए, यूरोप को यह साबित करना होगा कि विकल्प मौजूद हैं। इसके लिए चीन के साथ बातचीत जरूरी है। इसका मतलब न तो चीन से वैचारिक सहमति है और न ही उसके गवर्नेंस मॉडल को मंजूरी देना, बल्कि जबर्दस्ती को रोकने के लिए शक्ति संतुलन के तर्क का इस्तेमाल करना है। हालांकि कनाडा ने ऐसा किया है, लेकिन यूरोप ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि रूस से सहयोग करने की खातिर वह चीन को सबसे बुरा मानता है। दावोस के बाद, ट्रंप ने अपनी बयानबाजी थोड़ी कम कर दी है। लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि वह यूरोप और यहां तक कि भारत के साथ भी आक्रामक रवैये नहीं अपनाएंगे।

दावोस ने नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के धीरे-धीरे टूटने की गहरी संस्थागत बीमारी को उजागर किया। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन ने पश्चिमी गोलार्ध पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। यह सहयोगियों को 'सीमित' समर्थन देगा, और घरेलू सुरक्षा को अपनी 'सबसे बड़ी प्राथमिकता' बनाएगा। नेशनल डिफेंस स्ट्रैटेजी में उसकी सुरक्षा प्राथमिकताओं में एक बड़ा बदलाव आया है, जिसमें कहा गया है कि चीन अब उसकी मुख्य चिंता नहीं है। चीन के साथ संबंधों को अब 'टकराव नहीं, बल्कि ताकत' के रूप में देखा जाएगा।

ट्रंप का हालिया गुस्सा इस बात से जुड़ा है कि उनके हिसाब से अमेरिका की तुलना में नाटो के अभियानों में दूसरे सदस्य देशों की भागीदारी कम है। ट्रंप की इस इच्छा के बावजूद कि रूस यूक्रेन का इलाका अपने पास रखे, यूक्रेन के इलाके को बनाए रखने और अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए यूरोप के सामने एक मुश्किल रास्ता है। नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी डॉक्यूमेंट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन का तरीका पिछले शीत युद्ध के बाद के प्रशासनों की बड़ी-बड़ी रणनीतियों से बिल्कुल अलग होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि काल्पनिक आदर्शवाद छोड़ो और कठोर यथार्थवाद अपनाओ।

हालात को गहराई से समझते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि पुरानी दुनिया की व्यवस्था वापस नहीं आएगी। यह तब हुआ, जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी बिना नियमों वाली दुनिया की ओर बदलाव की चेतावनी दी।

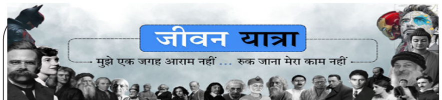

जूलियस सीजर

मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चिंता को दृष्टि में बदले और भय को विवेक में। जो दिखाई नहीं देता, उससे डरने के बजाय उसे समझने का प्रयास करे। मनुष्य जब डरना छोड़ देता है, तभी वह स्वतंत्र होता है।

मन से हारा व्यक्ति कभी जीत नहीं सकता

मनुष्य उस बात को लेकर अधिक चिंतित रहता है, जिसे वह देख नहीं सकता, बनिस्बत उसके, जो उसकी आंखों के सामने है। यह चिंता भय से जन्म लेती है और भय गैर-जरूरी कल्पना से। जो दिखाई नहीं देता, वह अनिश्चित होता है और अनिश्चितता मनुष्य की सबसे बड़ी बेचैनी है। जो हमें दिखाई देता है, वह बहुत कम है, लेकिन हमारे दिमाग की कल्पित आशंकाएं असीमित होती हैं। यही कारण है कि मनुष्य वास्तविक संकट से अधिक संभावित संकटों के बोझ तले दब जाता है। जो सामने है, उससे मनुष्य समझौता कर लेता है। आंखों के सामने खड़ा संकट उसे आकार देता है, सीमा देता है और समाधान की दिशा भी। लेकिन जो दिखाई नहीं देता, उसका कोई रूप नहीं होता। वह केवल मन में फैलता है, विचारों में जड़ें जमाता है और धीरे-धीरे आत्मविश्वास को खोखला करने लगता है। अदृश्य भय मनुष्य को भीतर से पराजित करता है, उससे पहले कि कोई वास्तविक युद्ध आरंभहो। इतिहास गवाह है कि साम्राज्य तलवारों से नहीं, शंकाओं से टूटे हैं। सेनाएं शत्रु से नहीं, अपने ही भय से पीछे हटी हैं। जब सेनानायक अपने सैनिकों की आंखों में साहस की जगह आशंका देखता है, तब पराजय निश्चित हो जाती है, क्योंकि युद्ध का पहला मैदान मन होता है, और वहां हारने वाला बाहर कभी जीत नहीं सकता। मनुष्य अक्सर भविष्य से डरता है, जबकि भविष्य अभी आया ही नहीं होता। वह अतीत की स्मृतियों और भविष्य की कल्पनाओं के बीच वर्तमान को खो देता है। जो सामने है, वह उसके हाथ में है, लेकिन जो दूर है, उसी की चिंता उसे निष्क्रिय बना देती है। वह अपने ही भय का बंदी बन जाता है। शक्ति का वास्तविक स्त्रोत बाहरी परिस्थितियों में नहीं, बल्कि भीतर की स्पष्टता में होता है। जो व्यक्ति अपने मन को स्थिर कर लेता है, उसके लिए अदृश्य भी भयावह नहीं रहता। वह जानता है कि हर अनदेखी वस्तु अनिवार्य रूप से शत्रु नहीं होती। कई बार जो दिखाई नहीं देता, वही अवसर होता है, वही संभावना होती है, वही परिवर्तन का द्वार होता है।

लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अधिकांश मनुष्य अवसर और संकट के बीच अंतर नहीं कर पाता। इसलिए वह पहले ही पीछे हट जाता है। डर उसे सावधान नहीं, बल्कि संकुचित बना देता है। और संकुचित दृष्टि से लिया गया निर्णय अक्सर गलत होता है। महानता का अर्थ भय का अभाव नहीं, बल्कि भय के बावजूद आगे बढ़ने का साहस है। जो व्यक्ति केवल दिखाई देने वाली वास्तविकता पर ध्यान केंद्रित करता है, वह अपने कर्म को प्राथमिकता देता है। वह जानता है कि नियंत्रण उसी पर है, जो सामने है। अदृश्य भविष्य को वह अपने वर्तमान के कर्मों से आकार देता है। इसलिए मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चिंता को दृष्टि में बदले और भय को विवेक में। जो दिखाई नहीं देता, उससे डरने के बजाय उसे समझने का प्रयास करे, क्योंकि जब मनुष्य अपने ही मन की छाया से डरना छोड़ देता है, तभी वह सच में स्वतंत्र होता है।

सूत्र - हमेशा आगे बढ़ते रहें

मनुष्य अक्सर उन आशंकाओं से डरता है, जिनका अस्तित्व केवल उसके मन में होता है। जो सामने है, वही उसकी वास्तविक शक्ति है। भय को समझदारी में बदलकर और वर्तमान में कर्म करके ही वह भविष्य को गढ़ सकता है। साहस भय की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि उसके बावजूद आगे बढ़ने का निर्णय है। हमेशा आगे बढ़ते रहें।

मुद्दा

शहरों को यों बदरंग न होने दें

शहरी निकायों की प्रभावी नीति के अभाव में बेतरतीब लगे होर्डिंग शहरी अव्यवस्था और अतिक्रमण का प्रतीक बन चुके हैं।

शहरों और सड़कों पर होर्डिंग लगाने की नीति आज भी अधिकांश नगरों में नहीं है। स्थानीय प्रशासन और शहरी निकायों की प्रभावी नीति के अभाव में शहरी और बेतरतीब लगे होर्डिंग अव्यवस्था, सौंदर्य-हास अतिक्रमण का प्रतीक बन चुके हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और झारखंड जैसे राज्यों में राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों से लेकर नगरों के प्रमुख चौराहों तक बड़े-बड़े होर्डिंग शहरों और सड़कों को बदरंग कर रहे हैं।

एक ओर इनसे अव्यवस्था बढ़ती है, तो दूसरी ओर सड़क सुरक्षा पर इसका सीधा असर पड़ता है। कई चौराहों पर लगे होर्डिंग आवागमन के दृश्य को ढक देते हैं, मोड़ पर ट्रैफिक देखने में बाधा बनते हैं और कभी-कभी तेज हवा या जर्जर ढांचे के कारण टूटकर सडक पर गिर जाते हैं,

जिसके चलते दुर्घटनाएं होती हैं। ये होर्डिंग कभी व्यावसायिक विज्ञापन होते हैं, तो कई बार खुलेआम आत्म-प्रचार का माध्यम। सार्वजनिक स्थानों का इस तरह निजी या राजनीतिक प्रचार के लिए उपयोग (वह भी बिना किसी समुचित स्थान-निर्धारण के) स्थानीय प्रशासन की कमजोरी और लापरवाही को उजागर करता है। सरकारी और स्वतंत्र अध्ययनों के अनुसार, भारत में आउट-ऑफ होम विज्ञापन उद्योग का आकार लगभग 4,000 से 5,000 करोड़ रुपये आंका जाता है, जिसमें बड़ा हिस्सा महानगरों और हिंदी पट्टी के राज्यों से आता है। अकेले उत्तर प्रदेश में नगर निगमों की कुल आय का 8-12 प्रतिशत हिस्सा विज्ञापन कर और लाइसेंस शुल्क से प्राप्त होता है। कई शहरों में हर एक से 1.5 किलोमीटर पर

औसतन 10-15 छोटे-बड़े होर्डिंग दिखाई देते हैं। सड़क परिवहन मंत्रालय और ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट बताती हैं कि शहरी दुर्घटनाओं के 5-7 प्रतिशत मामलों में दृश्य बाधा (विजुअल ऑब्सट्रैक्शन) एक सहायक कारण होती है, जिसमें अनधिकृत होर्डिंग, फ्लेक्स और बैनर शामिल हैं। सौंदर्य की दृष्टि से देखें, तो होर्डिंग शहरों के स्थापत्य और सांस्कृतिक परिदृश्य को ढक देते हैं। ऐतिहासिक इमारतों, नदी-तटों, फ्लाईओवरों तथा स्कूल-अस्पतालों के आसपास लगे विज्ञापन न केवल नियमों का उल्लंघन करते हैं, बल्कि नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालते हैं। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों में यह सामने आया है कि अत्यधिक दृश्य व शोर तनाव और ध्यान-भंग को बढ़ाता है। हिंदी पट्टी के कई शहरों में त्योहारों और चुनावों के समय लगाए गए अस्थायी होर्डिंग और बैनर बाद में स्थायी समस्या बन जाते हैं, क्योंकि इन्हें हटाने की कार्रवाई या तो देर से होती है या होती ही नहीं। इसकी एक बड़ी वजह शहरी निकायों की राजस्व-निर्भरता है। ज्यादातर नगर निगम विज्ञापन शुल्क को आसान आय मानते हैं। इसलिए नियमों के सख्त पालन में रुचि नहीं दिखाई देती। अधिकांश शहरों में विज्ञापन नीति होने के बावजूद जोनिंग, आकार, ऊंचाई, सामग्री और दूरी के मानक कागजों में ही धरे रह जाते हैं। डिजिटल और एलईडी होर्डिंग की तेज चमक और लगातार बदलती छवियां रात में दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ाती हैं। इनसे ऊर्जा की खपत भी अधिक होती है। राजनीतिक दलों को भी चाहिए कि रैलियों, नेताओं के आगमन या अन्य आयोजनों के अवसर पर वे शहरों की सड़कों और चौराहों को होर्डिंग, झंडों और बैनरों से पाटकर बदरंग न करें। मनमाने होर्डिंग से मुक्ति का रास्ता बहु-स्तरीय और व्यावहारिक होना चाहिए। पहला, हर शहर में स्पष्ट विज्ञापन-जोनिंग लागू की जाए। स्कूलों, अस्पतालों, विरासत स्थलों, प्रमुख चौराहों, डिवाइडरों, धार्मिक स्थलों और आवासीय क्षेत्रों के आसपास होर्डिंग पर पूर्ण प्रतिबंध हो। दूसरा, आकार और संख्या की स्पष्ट सीमा तय की जाए- प्रति किलोमीटर अधिकतम होर्डिंग की संख्या और कुल विज्ञापन क्षेत्र निर्धारित हो। तीसरा, सभी होर्डिंग के लिए पारदर्शी ई-लाइसेंसिंग और सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाया जाए, ताकि नागरिक देख सकें कि कौन-सा होर्डिंग वैध है और कितने समय के लिए।

-सुभाष चंद्र कुशवाहा(लेखक इतिहासकार)

दूसरा पहलू

दलाई लामा को स्टोरीटेलिंग के जरिये शांति व करुणा का संदेश दुनिया भर तक पहुंचाने के लिए 90 वर्ष की उम्र में ग्रैमी मिला है।

आत्मा के संगीत के लिए एक धर्म गुरु को ग्रैमी

इस बार चकाचौंध और रोशनी से भरे स्टेज से फिल्म और संगीत के बदलते आधुनिक रूपों में ग्रैमी अवॉर्ड का एलान इसलिए भी दिलचस्प हो गया है, क्योंकि दुनिया के प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता हिज होलिनेस दलाई लामा को ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। 14वें दलाई लामा ने 90 साल की उम्र में अपना पहला ग्रैमी पुरस्कार जीता है। उन्हें मेडिटेशन्स: द रिफ्लेक्शन्स ऑफ हिज होलिनेस द दलाई लामा एल्बम के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑडियोबुक, नैरेशन और स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग श्रेणी में पुरस्कार मिला है। 90 साल की उम्र में पहला ग्रैमी अवार्ड जीतकर दलाई लामा ने इतिहास रचा है। उनका एल्बम उनकी शिक्षाओं को प्रसिद्ध कलाकारों के संगीत के साथ जोड़ता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक दर्शकों तक शांति और करुणा के संदेश को पहुंचाना है। अपनी धार्मिक आस्था और शांति दूत के रूप में दुनिया में प्रसिद्ध दलाई लामा को बौद्ध धर्म के उस नेता के रूप में जाना जाता है, जिसने 21वीं सदी में नए नजरिये और सोच से एक नया समाज रचा है। अपनी प्रतिक्रिया में दलाई लामा ने कहा है कि वे इस पुरस्कार को 'हमारी साझा वैश्विक जिम्मेदारी की मान्यता' के रूप में देखते हैं। भारत में धर्मशाला में निर्वासित जीवन जी रहे 90 वर्षीय बौद्ध आध्यात्मिक नेता को सोमवार को लॉस एंजेल्स में ग्रैमी समारोह में विजेता घोषित किया गया। उनकी ऑडियो बुक में रूफस वेनराइट जैसे कलाकार शामिल हैं, जिन्होंने उनकी ओर से पुरस्कार स्वीकार किया था। तिब्बती मातृभूमि के लिए अधिक स्वायत्तता की अथक मुहिम चलाने वाले दलाई लामा की दुनिया भर में प्रशंसा की जाती है, जिसे बीजिंग अपना अभिन्न अंग कहता है। दलाई लामा जब 23 साल के थे, तो 1959 में चीनी सेना से अपनी जान बचाने के लिए तिब्बती राजधानी ल्हासा से भागकर भारत आ गए थे और फिर कभी वापस नहीं आए। तिब्बती बौद्ध मानते हैं कि आध्यात्मिक नेता का 14वां पुनर्जन्म है। इस एल्बम का संगीत प्रसिद्ध सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान और उनके पुत्रों अमन अली बंगश और अयान अली बंगश द्वारा तैयार और प्रस्तुत किया गया है। इसमें शांति, स्व-जागरूकता, पर्यावरण और दया के बारे में दलाई लामा की शिक्षाएं और विचार प्रदर्शित किए गए हैं और इसमें रूफस वेनराइट, मैगी रोजर्स और आंद्रा डे जैसे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने भी योगदान दिया है। यह प्रोजेक्ट ग्रैमी विजेता कबीर सहगल द्वारा तैयार किया गया है। उन्हें इस तरह अवॉर्ड से सम्मानित किया जाना

उनका एल्बम मेडिटेशन्स = द रिफ्लेक्शन्स ऑफ हिज होलिनेस द दलाई लामा उनकी शिक्षाओं को संगीत से जोड़ता है।

आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के इस एल्बम का संगीत प्रसिद्ध सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान और उनके पुत्रों अमन अली बंगश और अयान अली बंगश द्वारा तैयार और प्रस्तुत किया गया है।

वास्तव में खुली आवाजों और शांतिपूर्ण भविष्य का सम्मान है।

-प्रो. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, (ब्रॉडकास्टर, मीडिया विश्लेषक और दूरदर्शन के पूर्व उप महानिदेशक)

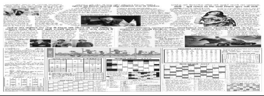

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के ऐलान के बाद अडानी समूह के शेयरों में जबरदस्त उछाल

मुंबई। एजेंसी। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के ऐलान के बाद शुरुआती कारोबार में अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त उछाल दिख रहा है। सबसे ज्यादा तेजी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के शेयर में रही, जो करीब 10 प्रतिशत के अपर सर्किट के पास ट्रेड करता है। शेयर बाजार में तेजी के माहौल के बीच अदाणी और अदाणी एनर्जी के शेयरों में भी 7 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की है। इसके अलावा, अदाणी पोर्ट्स, अदाणी पावर, अंबुजा सीमेंट्स और अदाणी टोटल के शेयर भी 4 प्रतिशत से ज्यादा चढे है।

अदाणी ग्रुप की कंपनियों में निवेशकों का भरोसा भारत-अमेरिका ट्रेड डील की वजह से और मजबूत हुआ है। ब्रोकरेज फर्म ने अदाणी ग्रुप को डील से फायदा उठाने वाले बड़े समूहों में शामिल बताया है।

ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, अदाणी ग्रुप की कई कंपनियों का अमेरिका से सीधा कारोबार जुड़ा हुआ है, इसी वजह से उन्हें इस ट्रेड डील का बड़ा फायदा मिल सकता है। इसके साथ ही ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनियां, सोलर मैन्युफैक्चरर्स, केमिकल कंपनियां और टेक्सटाइल सेक्टर को भी समझौते से लाभ मिलने की उम्मीद है। अमेरिका ने मेड इन इंडिया उत्पादों पर लगने वाला टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जाहिर की है। इस भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना गया है।

इस बीच जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने अदाणी समूह की तीन कंपनियों-अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड (एपीएसईजेड), अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल)-की रेटिंग शुरू की है। इन तीनों कंपनियों को स्टेबल आउटलुक के साथ लंबी अवधि की विदेशी मुद्रा क्रेडिट रेटिंग दी गई है। जापान की रेटिंग एजेंसी ने अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) को ए- (स्टेबल) रेटिंग दी है।

टैक्स विवाद निपटाने की रफ्तार तेज, 2 लाख से ज्यादा अपील सुलझाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। एजेंसी। आयकर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025ङ्क26 में 2 लाख से अधिक सीआईटी (ए) मामलों का निपटान करने का लक्ष्य रखा है। 20 जनवरी तक 1.65 लाख मामले निपटाए जा चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष 1.72 लाख मामलों का निपटान हुआ था। वर्तमान में लगभग 5.4 लाख अपील मामले लंबित हैं, जिनमें विवादित कर राशि 16.75 लाख करोड़ रुपये है। अब मूल्यांकन और जुर्माने की कार्रवाई एक ही आदेश में की जाएगी, जिससे अलग मुकदमेबाजी समाप्त होगी। यदि करदाता अंडर-रिपोर्टिंग स्वीकार करते हैं और भुगतान करते हैं, तो जुर्माने में 50 फीसदी की छूट और गलत रिपोर्टिंग पर जुर्माना 200 फीसदी से घटाकर 100 फीसदी किया जाएगा। विभाग ने अपडेटेड रिटर्न सुविधा शुरू की है, जिससे करदाता चार साल तक की विसंगतियों को स्वेच्छा से सुधार सकते हैं। अब तक 1.22 करोड़ अपडेटेड रिटर्न दाखिल किए गए हैं। इस सुविधा से कर अनुपालन और कर संग्रह में पारदर्शिता बढ़ी है। आईटी, आईटीई सेवाएं, सॉफ्टवेयर विकास और केपीओ क्षेत्रों के लिए 15.5 फीसदी एकीकृत सेफ हार्बर मार्जिन लागू किया गया है। 2,000 करोड़ रुपये की पात्रता सीमा के कारण अधिकांश कंपनियां इसका लाभ ले सकेंगी। 44,000 कंपनियों में से लगभग 30 फीसदी आईटी/आईटीई क्षेत्र से संबंधित हैं। केवल 90 कंपनियां बाहर हैं, जिनमें से 60 के पास एपीए है और शेष 30 भविष्य में एपीए ले सकती हैं। सेफ हार्बर मंजूरियां सिस्टम-संचालित और मापदंड आधारित होंगी, जिससे कर निश्चितता और निवेश प्रोत्साहन मिलेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2027 के लिए पीएमजेएवाई के लक्ष्य तय किए

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत वित्त वर्ष 2027 में 3 करोड़ लोगों के हॉस्पिटल में भर्ती होने का लक्ष्य रखा है। इस वर्ष क्लेम भुगतान का लक्ष्य 36,000 करोड़ रुपये है, जो पिछले वित्त वर्ष में 22,000 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 63 फीसदी अधिक है। योजना में 1,800 नए सरकारी और प्राइवेट अस्पताल शामिल किए जाएंगे, जिससे शामिल अस्पतालों की संख्या में 8 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। वर्तमान में योजना के तहत 33,000 से अधिक अस्पताल हैं, जिनमें 17,505 सरकारी और करीब 15,600 निजी संस्थान शामिल हैं। वित्त वर्ष 2027 में पीएमजेएवाई के लिए 9,500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जो वित्त वर्ष 2026 के 9,406 करोड़ रुपये से 0.9 फीसदी अधिक है। 2018 में शुरू हुई योजना का लक्ष्य 55 करोड़ लोगों (12.34 करोड़ परिवारों) को हर साल प्रति परिवार 5 लाख रुपये का सेकेंडरी और टर्शियरी हेल्थ कवर देना है। अब तक 43.1 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

मस्क की कंपनी ने एआई स्टार्टअप एक्सएआई का अधिग्रहण किया

वाशिंगटन। एजेंसी। दुनिया के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क ने घोषणा की है कि उनकी एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने उनके एआई स्टार्टअप एक्सएआई का अधिग्रहण किया है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष में एआई कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाना है। कारोबारी मस्क के अनुसार, बड़े पैमाने पर सैटेलाइट लांच कर अंतरिक्ष में डेटा सेंटर जैसी संरचना बनाई जाएगी। हर साल 10 लाख टन सैटेलाइट लांच करने पर करीब 100 गीगावाट एआई कंप्यूटिंग क्षमता प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में यह क्षमता धरती से 1 टेरावॉट तक पहुंच सकती है। मस्क ने बताया कि एआई संचालन के लिए अत्यधिक बिजली की आवश्यकता होती है और लंबे समय में इसका सबसे प्रभावी समाधान स्पेस-बेस्ड एआई है। अंतरिक्ष में सूरज की लगातार रोशनी मिलने के कारण, धरती पर बनाए गए डेटा सेंटर की तुलना में बहुत कम लागत में कंप्यूटिंग पॉवर उपलब्ध हो सकती है। इससे कंपनियां अपने एआई मॉडल को तेज़ और बड़े स्तर पर ट्रेन कर पाएंगी और डेटा प्रोसेसिंग भी अधिक कुशल होगी।

ट्रेड डील के बाद झूमा शेयर बाजार

सेंसेक्स 2,072 अंक ऊपर आया, निफ्टी 25,727 पर पहुंचा

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के कारण आई है। इससे निवेशकों में उत्साह रहा और जमकर खरीददारी हुई। वहीं दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भी घरेलू बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,072.67 अंक ऊपर आकर 83,739.13 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 639.15 अंक बढ़कर 25,727.55 पर बंद हुआ। आज रियल्टी और वित्तीय शेयरों के ऊपर आने से भी बाजार उछाल। मुख्य सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी 4.79 फीसदी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 3.27 फीसदी) की तेजी के साथ सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि निफ्टी हेल्थकेयर 3.16 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 3.03 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में 30 में से 28 शेयर लाभ के साथ ही उछले। इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, पावर ग्रिड, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, एलएंडटी,

क्सस बैंक, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, के शेयर भी ऊपर आये। दूसरी ओर बीईएल और टेक महिंद्रा के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। आज लार्जकैप के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,639.50 अंक या 2.84 फीसदी की तेजी के साथ 59,307.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 465.60 अंक की तेजी के साथ 16,988.95 पर था।बाजार जानकारों के अनुसार भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। इससे एभारत को तेज विकास दर हासिल करने में सहायता मिलेगी। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से अटकी ट्रेड डील की आधिकारिक घोषणा होते ही निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और बाजार में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। सुबह । सेंसेक्स शानदार बढ़त के साथ 85,323 अंक पर खुला। सुबह सेंसेक्स 2,492.06 अंक की उछाल के साथ 84,158.52 अंक पर कारोबार कर रहा था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल निर्यात को बढ़ावा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत और अमेरिका ने एक व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत वाशिंगटन ने भारतीय सामानों पर जवाबी शुल्क 25 से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। यह कदम दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को मजबूत करेगा और भारत को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बनाए

रखेगा। आईसीईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस समझौते से भारत एक वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा। मोबाइल फोन और सेमीकंडक्टर सहित इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद शुल्क से मुक्त रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत की अमेरिका की वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में गहरी भागीदारी की रणनीति का समर्थन करता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 19 फीसदी बढ़कर 11.3 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, निर्यात में 37.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इस वृद्धि से भारत की वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला में हिस्सेदारी मजबूत होगी और उद्योग में नई निवेश संभावनाएँ खुलेंगी।

कैंसर और दुर्लभ बीमारी की दवाओं पर सीमा शुल्क हटाने से मरीजों को राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने कैंसर की 17 महंगी दवाओं और सात दुर्लभ बीमारियों के इलाज पर 5-10 फीसदी आयात शुल्क तुरंत हटाने का निर्णय लिया है। इसका मकसद मरीजों के लिए इन उपचारों को सुलभ बनाना और लागत को कम करना है। इस कदम से वैश्विक और घरेलू दवा कंपनियों को भी फायदा होगा, जिनके पोर्टफोलियो में आयातित दवाएं शामिल हैं। इस छूट से नोवार्टिस, इलाई लिली, एस्ट्राजेनेका, रोश जैसी कंपनियां लाभान्वित होंगी। उदाहरण के लिए, नोवार्टिस का रिबोसिस्लिब और इलाई लिली का एबेमासिस्लिब ब्रेस्ट कैंसर में उपयोग होता

है। एस्ट्राजेनेका का ट्रेमेलिमुमैब लिवर कैंसर और रोश की वेनेटोक्लाक्स क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया के इलाज में प्रयोग होती हैं। इसके अलावा, ऐबवी, ब्लूप्रिंट मेडिसिन्स, बेयर और ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब जैसी कंपनियों की आयातित इम्यूनोथेरेपी भी लाभ में रहेंगी। एल्नीलम फार्मास्युटिकल्स को प्राइमरी हाइपरोक्सालुरिया टाइप 1 के लिए लुमासिरेन पर छूट मिलेगी। इसके अलावा, हेरेडिटरी एंजियोएडेमा और प्राइमरी इम्यूनोडिफिशिएंसी डिसऑर्डर (पीआईडीडी) के इलाज में दवा आपूर्तिकर्ताओं को स्थिर मांग और बेहतर किफायत मिलेगी। मरीजों के लिए इसका सीधा फायदा यह होगा कि महंगी दवाओं की लागत में थोड़ी कमी आएगी। लंबे समय तक इस्तेमाल होने वाले ब्रेस्ट कैंसर की दवाओं जैसे रिबोसिस्लिब और एबेमासिस्लिब की कीमतें कम होने से इलाज जारी रखना आसान होगा। ट्रेमेलिमुमैब जैसी इम्यूनोथेरेपी भी अधिक सुलभ हो जाएगी।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए व्यापार और धन में वृद्धि का संकेत लेकर आया है। यदि आप अपनी आमदनी और खर्चों के बीच संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आय में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा और लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की भी प्रबल संभावना है। आज यदि आप किसी से काम को लेकर सहयोग मांगेंगे, तो वह बिना झिझक आपकी सहायता करेगा। संतान अपने अच्छे प्रदर्शन से आपका मान बढ़ाएगी।

वृषभ- आज का दिन आर्थिक उन्नति और नए अवसरों से भरा रहेगा। आमदनी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन बेहद अनुकूल है। पढ़ाई में मन लगेगा और परिणाम भी अच्छे आएंगे। कार्यस्थल पर आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। बॉस से विचारों का टकराव संभव है, लेकिन सहयोगी आपके साथ खड़े रहेंगे और काम को आसान बना देंगे। घर के लिए कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का भी योग बन रहा है।

मिथुन- आज आप अच्छे खान-पान और आराम का भरपूर आनंद लेंगे। सरकारी कामों में थोड़ी देरी हो सकती है, लेकिन धैर्य रखें। यदि आप संपत्ति की खरीद-बिक्री की योजना बना रहे थे, तो आज वह सौदा पक्का हो सकता है। ध्यान रखें निजी मामलों में किसी अजनबी से सलाह लेना नुकसानदायक हो सकता है। माता-पिता की सेवा के लिए समय निकालना आपके मन को सुकून देगा।

कर्क- आज का दिन आपको सेहत को प्राथमिकता देने का संदेश दे रहा है। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन नकारात्मक सोच से दूर रहें। नौकरी बदलने के योग बन रहे हैं। किसी दूसरी जगह से बेहतर ऑफर आ सकता है। संतान के लिए किसी नए कोर्स में दाखिले की योजना बनेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने-फिरने का कार्यक्रम भी बन सकता है, जिससे रिश्तों में मधुरता आएगी।

सिंह- आज का दिन नई शुरुआत और सफलता का है। धन-धान्य में वृद्धि होगी और कानूनी मामलों में जीत मिलने से मन खुश रहेगा। यदि आप प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़े हैं, तो आज कोई बड़ी डील आपकी आमदनी को बढ़ा सकती है। आपके भीतर कुछ नया करने की ऊर्जा बनी रहेगी। बस ध्यान रखें कि दूसरों के मामलों में बिना जरूरत हस्तक्षेप न करें।

कन्या- व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन थोड़ा संघर्षपूर्ण रह सकता है। किसी सहयोगी की बात आपको चुभ सकती है, लेकिन संयम रखें। पिता जी यदि कोई जिम्मेदारी सौंपें, तो उसमें पूरी निष्ठा दिखाएं। पारिवारिक मामलों में समझदारी से काम लें। अच्छी बात यह है कि जिस भी काम में हाथ डालेंगे, अंततः सफलता जरूर मिलेगी। जो लोग घर से दूर काम कर रहे हैं, उन्हें लापरवाही से बचना होगा।

तुला- आज का दिन चुनौतियों से भरा रह सकता है। किसी काम में निराशा हाथ लगने से मन उदास रहेगा। बिना सोचे-समझ निवेश करने से नुकसान हो सकता है। कार्यस्थल पर बदलाव की आवश्यकता पड़ेगी। संतान की सेहत पर विशेष ध्यान दें। अजनबी पर ज्यादा भरोसा करना भारी पड़ सकता है। वाहन की अचानक खराबी से अतिरिक्त खर्च बढ़ने के योग हैं।

वृश्चिक- आज का दिन खुशियां लेकर आएगा। मन प्रसन्न रहेगा और कुछ नया करने की प्रेरणा मिलेगी। पुरानी किसी गलती से सीख लेना आज आपके लिए बहुत जरूरी है। सेहत के प्रति सजग रहें। किसी दूर के रिश्तेदार से थोड़ी निराशाजनक खबर मिल सकती है, लेकिन वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय में सकारात्मक बदलाव करने का अच्छा अवसर है।

धनु- आज मन में किसी बात को लेकर तनाव बना रह सकता है। संतान पक्ष से निराशाजनक समाचार मिल सकता है। कामों में जल्दबाजी करने से गड़बड़ी हो सकती है, इसलिए धैर्य रखें। विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से राहत मिलेगी। नया वाहन खरीदने का योग बन रहा है। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे काम आएगी।

मकर- आज का दिन सुख-सुविधाओं में वृद्धि करने वाला है। नौकरी बदलने की सोच रहे लोगों के लिए समय अनुकूल है। काम के सिलसिले में यात्रा भी संभव है। कानूनी मामलों से थोड़ी चिंता हो सकती है, किसी अच्छे वकील से सलाह लेना लाभकारी रहेगा। घर की जरूरी वस्तुओं पर खर्च होगा। किसी अतिथि के आगमन से घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ- आज आप थोड़े मानसिक दबाव में रह सकते हैं और आत्मविश्वास भी कमजोर महसूस होगा। यदि किसी काम को लेकर मन में संशय है, तो उसमें आगे बढ़ने से रुकना ही बेहतर रहेगा। माता जी की सेहत को लेकर सावधानी और खर्च दोनों बढ़ सकते हैं। रहन-सहन के स्तर में सुधार आएगा। लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने से राहत मिलेगी।

मीन- आज का दिन भागदौड़ और व्यस्तता से भरा रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचें। परिवार में यदि मतभेद हो, तो आप शांतिपूर्वक माहौल संभालने की कोशिश करें। व्यवसाय में किसी बात को लेकर चिंता रहेगी, ऐसे में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना लाभदायक रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों की छवि और निखरेगी और उन्हें किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती है।

शब्दजाल - 8160

शब्द जाल में डैनी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

छत्तीस घंटे, बुलंदी, दो उस्ताद, लालकोठी, चोरों की बारात, चुनौती, लैला मजनू, धुंध, ऊंचे लोग, हीरो

शब्दजाल - 8159 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7104

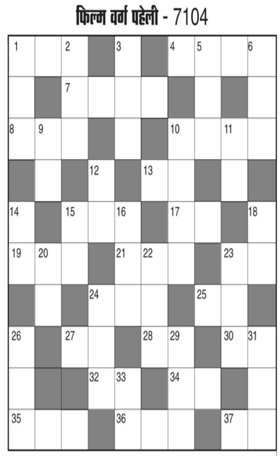

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7103

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8628

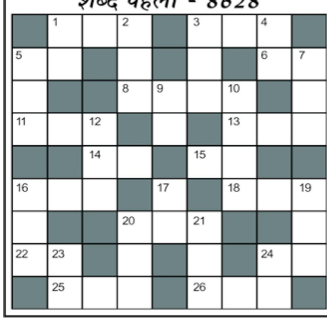

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8627 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

4 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.13 बजे से
चंद्र	सिंह में	मीन	08.45 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.16 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.56 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.54 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.08 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.24 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.36 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.46 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृश्चिक	01.01 ब.से
		धनु	03.17 बजे से
		मकर	05.22 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 35 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 00.10 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 22.13 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 01.05 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 12.20 बजे तदनन्तर विष्टि 00.10 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 16° 17' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872610 **जूलियन दिन** 2461075.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 15 **विशेष** विश्व कैंसर दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धन, कुटुंब और धर्म

किसी आश्रम में अनेक छात्र शिक्षा ग्रहण करते थे। एक दिन कुछ छात्रों ने अपने गुरु से प्रश्न किया, 'गुरुजी, धन, कुटुंब और धर्म में कौन सच्चा सहायक होता है?' गुरु ने प्रश्न का सीधा उत्तर न देते हुए एक कथा सुनाई - एक व्यक्ति के तीन मित्र थे। जिनमें एक सबसे प्रिय था, जिसके साथ वह अधिक समय बिताता था। कहीं भी जाना होता तो उसी के साथ जाता। दूसरे मित्र से उसकी कम घनिष्ठता थी और तीसरा मित्र बिल्कुल उपेक्षित था। वह उससे बहुत कम मिलता था। एक बार वह व्यक्ति किसी मुसीबत में फंस गया जिसके कारण उसे राज दरबार में बुलाया गया। वह थोड़ा घबरा गया। उसे अकेले जाने में डर लगा, इसलिए उसने अपने किसी मित्र को साथ ले जाने की सोची। वह अपने सबसे प्रिय मित्र के पास गया, लेकिन उसने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया। फिर वह दूसरे मित्र के पास गया। उसने व्यस्तता के कारण साथ जाने से इनकार कर दिया। हां, यह जरूर कहा कि और कोई मदद हो तो कर दूंगा। वह व्यक्ति निराश हो गया। फिर वह तीसरे मित्र के पास पहुंचा। तीसरे मित्र ने उसकी पूरी बात सुनी और सहायता करने का वचन देकर उसके साथ राजदरबार गया। राजदरबार में उसने अपने मित्र का पक्ष रखा और उसे संकट से बचाकर ले आया। कथा पूरी होने पर गुरुजी ने अपने शिष्यों को तीनों मित्रों के प्रतीकात्मक अर्थ बताए, 'पहला मित्र धन है जिसे परमप्रिय समझा जाता है लेकिन वह मुत्यु के बाद घर से बाहर एक कदम नहीं निकालता। दूसरा मित्र कुटुंब है जो यथासंभव सहायता तो करता है लेकिन उसका सहयोग भी शरीर रहने तक ही रहता है। धर्म ही वह मित्र है जो इस लोक और परलोक दोनों में साथ देता है। हालांकि हम इसके प्रति उपेक्षा का भाव रखते हैं लेकिन यह चिरस्थायी सुख- शांति प्रदान करता है।' सभी शिष्यों को अपने प्रश्न का उत्तर मिल गया।

सूडोकु नवताल- 7413

★★★✯☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7412 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

सीआरपीएफ ने लांजी के नक्सल प्रभावित धारमारा में लगाया प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर

पद्मेश न्यूज। लांजी।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 7वीं बटालियन द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के थाना लांजी अन्तर्गत ग्राम धारमारा में जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत गांव के 10 स्थानीय युवक-युवतियों को प्राथमिक उपचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे वे आपातकालीन परिस्थितियों में ग्रामीणों की सहायता कर सकें।यह प्रशिक्षण 16 जनवरी 2026 से 24 जनवरी 2026 तक कुल 9 दिनों तक चला। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को चोट लगने, रक्तस्राव, जलने, हड्डी टूटने, बेहोशी, सर्पदंश एवं अन्य सामान्य दुर्घटनाओं में प्राथमिक उपचार देने की विधियों की जानकारी दी गई। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया।कार्यक्रम का आयोजन 7वीं बटालियन के कमांडेंट कपिंग गिल के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत 03 फरवरी 2026 को आयोजित समापन कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षित युवक-युवतियों को प्राथमिक उपचार किट प्रदान की गई, ताकि वे अर्जित ज्ञान को व्यवहार में ला सकें।

सीआरपीएफ ने आयोजित किया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

इस अवसर पर सीआरपीएफ द्वारा आसपास के जरूरतमंद ग्रामीणों के लिए निःशुल्क चिकित्सकीय जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। ग्रामीणों ने सीआरपीएफ की इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से गांव में आपात स्थिति के समय तत्काल सहायता उपलब्ध हो सकेगी तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाने की मांग की। कार्यक्रम के दौरान अजय पटेल (उप कमांडेंट), प्रदीप कुमार साहू (सहायक कमांडेंट), डॉ. सानिया अमित मलानी (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी), डॉ. विवेक द्विवेदी (चिकित्सा अधिकारी) सहित सीआरपीएफ के अन्य अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

डॉ. गौतमा कठाणे बनीं शासकीय महाविद्यालय लांजी की प्राचार्या, रेवाराम सोनवाने को दी गई विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी के लिए 2 फरवरी का दिन भावनाओं से भरा और ऐतिहासिक रहा। जहां शासकीय महाविद्यालय के पद पर अंबे अरसे से कार्यरत प्राचार्य रेवाराम सोनवाने अपनी दीर्घकालीन, समर्पित एवं प्रेरणादायी सेवाओं के उपरांत सेवा निवृत्त हुए। उनके कार्यकाल में महाविद्यालय ने शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं अनुशासनात्मक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की, जिसे सदैव स्मरण किया जाएगा। सेवा निवृत्ति के पश्चात क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक द्वारा महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. गौतमा कठाणे को शासकीय महाविद्यालय लांजी की नवीन प्राचार्या के रूप में नियुक्त किया गया। उनके प्राचार्य पद का कार्यभार ग्रहण करने पर महाविद्यालय परिवार में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार देखने को मिला। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा नवीन प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाणे का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। विद्यार्थियों ने आशा व्यक्त की कि उनके कुशल मार्गदर्शन में महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। वहीं, सेवा निवृत्त प्राचार्य रेवाराम सोनवाने जी को विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा नम आँखों से भावपूर्ण विदाई दी गई। विद्यार्थियों ने उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार, अनुशासनप्रिय नेतृत्व एवं महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। विदाई समारोह के दौरान उपस्थित सभी लोग भावुक हो उठे। महाविद्यालय परिवार ने रेवाराम सोनवाने जी के उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद भविष्य की कामना की तथा नवीन प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाणे के नेतृत्व में महाविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की आशा व्यक्त की। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के स्टाफ से प्रो. सपना शेंडे, प्रो. अंजली सोनी, लायब्रेरियन जसपाल सिद्धू, विद्यार्थियों में कल्याणी खोंगल, उमा नगपुरे, आरती पटले, दिव्या पटले, रेशमी ऊरूडे, माही फाय, नेहा बहने, सोनल लाड़े, रानी कारे, कमलेश गुर्दे, ललित भरने, पवन कश्यप, सफीक खान पूर्व छात्र रफीक खान सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहें।

सकल हिन्दू समाज द्वारा 7 को बिसोनी में हिन्दू जागरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। सामाजिक समरसता एवं सनातन संस्कृति को लेकर लगातार हिन्दू महासभा का आयोजन क्षेत्र में किया जा रहा है। जिसके तहत आगामी 7 फरवरी को दोपहर 1 बजे स्थान सोसायटी मैदान परिसर बिसोनी में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति सकल हिन्दू समाज के द्वारा बताया गया कि यह सम्मेलन हिन्दू जागरण की दिशाओं को नई उर्जा एवं चेतना प्रदान करने हेतु सर्वहिन्दू समाज के द्वारा सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता, समरसता को लेकर यह विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सभा को प्रमुख रूप मुख्यवक्ता कु. पलक दीदी अपनी ओजस्वी वाणी से संबोधित करेगी। सकल हिन्दू समाज के द्वारा क्षेत्र के सभी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनो, समितियों से पंहुचने की अपील की

केरेगांव और देवलगांव में 5 किसानों के खेतों से मोटर पम्प चोरी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के अनेको ग्रामो के किसान चोरो से खासे परेशान नजर आ रहे है। विगत कई समय से खेतो से पानी की मोटर पंप चोरी के मामले सामने से किसानो को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। बडी मेहनत से किसान अपने खेतो में बोरिंग आदि कर रात और दिन जागकर एक एक पैसा बचाकर मोटर पंप लगाता है ताकि उनकी फसलो को समय पर पानी मिल सके और वे सही समय पर अपनी उपज का फायदा ले सके। लेकिन किसानों के इस मेहनत पर चोरो के द्वारा डाका डालकर उनकी मेहनत पर पानी फेरते मोटर पंप लेकर फरार हो जाते है। ऐसा ही मामला दोबारा से ग्राम केरेगांव देवलगांव में देखने में आया है जहां वर्तमान में 5 किसानों के खेतो से चोरो ने मोटर पंप चोरी कर ले जाया गया है जिसकी लिखीत सूचना प्रार्थी किसानों ने पुलिस थाना लांजी में देते हुये चोरो पर कार्यवाही करने कहा है। इन किसानो में 1. संतोष पिता होलीराम वाहने निवासी देवलगांव के खेत के कुंऐ से देढ एचपी मोनो ब्लॉक पंप, 2. भुलेश्वर पिता जियालाल ठाकरे पंवारी टोला केरेगांव के खेत के कुंऐ से 1 एचपी मोटर पंप मोनो ब्लॉक। 3. रामलाल पिता चंदू लाल ठाकरे पोवारी टोला केरेंगांव के खेत के कुंऐ से 2 एचपी मोनो ब्लॉक वाटर पंप। 4. चेतन पिता जीवन लाल ठाकरे पोवारी टोला केरेगांव के खेत के कुंऐ देढ एचर्पी मोनो ब्लॉक वाटर पंप। 5 मोढकन पिता जग्गू टेंभरे निवासी देवलगांव के खेत के कुंऐ देढ एचपी की मोनो ब्लॉक वाटर पंप को चोरो द्वारा चोरी कर लिया गया है। चोरी की घटना की जानकारी सर्वप्रथम जब किसान सुबह 6 बजे धान की फसल को पानी चलाने के लिये पंहुचे तो देखा की उनके कुंए के पास पाईप एवं तार कटे हुये अस्त व्यस्त दशा में दिखाई दे रहे है तथा जब कुंऐ के अन्दर देखा गया तो कुंए में मोनो ब्लॉक मोटर पंप नही है। सभी किसानों ने यह अंदाजा लगा लिया था कि हमारे खेत के कुंओं से अज्ञात चोरो के द्वारा पानी की मोटरें चोरी कर ले जाया गया है। किसानों ने बताया कि लगभग एक एक किसानो का 20 से 25 हजार रूपये नुकसान होना बताया जा रहा है। साथ ही दुबले दो आषाढ वाली कहावत चरितार्थ हो रही है क्योंकि अब दोबारा से 20 से 25 हजार रूपये एक एक किसानों को मोटर पंप लगाने के खर्च करना होगा। वही वर्तमान में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति भी नही है जिसके चलते पहले ही किसान परेशान है और अब यह चोरी की घटनाऐं जो कि किसानों और अधिक मुसीबत में डाल चुकी है। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी 31 दिसंबर 2025 को भी चार किसानों के खेत से मोटर पंप चोरो के द्वारा चोरी कर ले जाया गया है। इसी प्रकार यदि मोटर पंप चोरी होने लगे तो कौनसा किसान अपने खेतो में पंप लगाया और कैसे खेती कर फसलों को लाभ का धंधा बना पायेगा। पुलिस प्रशासन से सभी प्रार्थी किसानो ने निवेदन किया है कि वे चोरो को अतिशिघ्र पकड़कर कडी से कड़ी सजा दे ताकि कोई चोरो किसानों के खेतो से मोटर पंप ना चोरी करे।

रविदासिया धर्म संगठन लांजी इकाई ने मनाया संत शिरोमणी रविदास जी की जयंती

सिद्धेश्वर मंगल भवन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन इकाई लांजी के द्वारा 2 फरवरी को नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में बड़े ही हर्षोल्लास व गरिमामय वातावरण में संत शिरोमणी रविदास जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रातः 7 बजे से नगर के वार्ड क्रमांक 10 में स्थित संत श्री रविदास जी के मंदिर में पूजा अर्चना कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां सभी सामाजिक बंधुओ बहनों के द्वारा नियमानुसार पूजन अर्चन किया गया इसके उपरांत नगर में सामाजिक प्रभात फैरी का आयोजन किया गया जो कि नगर का भ्रमण करते हुये सुभाष चौक में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दोबारा प्रभात फेरी सिद्धेश्वर मंगल भवन पंहुची जहां मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ संत श्री रविदास महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र्ज्जवलित एवं माल्र्यापण किया गया। मंचीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, पीडी भालाधरे, रेवाजी करहाटकरे, ज्योति उमरे जिला पंचायत सदस्य, योगेश रामटेक्कर पूर्व सरपंच एवं समाज सेवी, आर के खरोले, रामप्रसाद चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार संजय टेंभरे, संतोष मोरघडे, जिला प्रभारी यशवंत कनौजे, जिला अध्यक्ष हरिचंद मोहबे, रमेश मोहबे, उमाशंकर कुम्हरे, महेश तरवरे, राजकुमार खरोले, डॉ अंकित खरोले, गजानंद मोहबे, पूनाजी छिपेश्वर,मनीराम भोण्डेकर अधिवक्ता सहित अन्य आमंत्रित अतिथि एवं सामाजिक गणो की उपस्थित में कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत वंदन से किया गया। अतिथियो सहित सामाजिक पदाधिकारियो के द्वारा प्रतिवर्ष होने वाले इस कार्यक्रम की खुब सराहना करते हुये आयोजको के इस कार्य के लिये प्रशंसा की साथ ही सामाजिक एकता एवं अखण्डता की बात कहते हुये कहा कि हमे समाज व्याप्त कुरितीयों, नशे आदि को दुर कर सन्मार्ग पर चलना चाहिये। हमे अपने आने वाली पीढ़ी के लिये सबसे महत्वपूर्ण कार्य है शिक्षा जिस पर प्रत्येक परिवार को, उनके माता पिता को विशेष ध्यान देना चाहिये ताकि वे सभी खुब पढे अपने और समाज का नाम रोशन करे। इसी क्रम में अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन इकाई भारत जो कि राष्ट्र एवं प्रदेश स्तर का संगठन है इस संगठन के संस्थापक संत निरंजनदास जी महाराज को भारत सरकार के द्वारा पद्मश्री पुरस्कार महामहिम राष्ट्रपति महोदया के द्वारा सम्मानित किया गया है। बतादे कि हमारी यह अपेक्षाऐ है कि इस संगठन को और अधिक मजबूत संगठन बनाना है जो कि आप सभी सामाजिक गणो के साथ मिलने से हो पायेगा। कार्यक्रम में आयोजन समिति अध्यक्ष एवं जिला संचालक दिनेश चौहान के द्वारा संगठन को मजबूती को लेकर समस्त लांजी तहसील के सामाजिक बंधुओ को एक ही संगठन में कार्य करने के उद्देश्य से आगे बढे तथा संत शिरोमणी रविदास जी के जीवन चित्र के बारे में उल्लेख कर उनके आदर्शो पर चलने की बात कही। संत रविदास जी हमारे सनातनी धर्म को मानते हुये आ रहे है आप सभी उपस्थित जन भी उनके विचारों का अनुसरण करे। इस दौरान आयोजक समिति धर्मेन्द गौंधरे, लोकराम भोण्डेकर, फुलचंद भोण्डेकर,ख्शिव खरोले, सतीश चौहान, रविन्द्र बिंझलेकर, मारोती बिंझलेकेर, परसराम बिंझलेकर, नरेश चौहान, लखन भोण्डेकर, तेजलाल ताण्डेकर, हुलास चौरे, मनीष चौहान, धनराज भोण्डेकर, राजेन्द्र भोण्डेकर आदि समिति के पदाधिकारियों एवं समिति के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय योगदान रहा।

डॉ खरोले पॉली क्लिनिक ने आयोजित किया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती के पावन अवसर पर सोमवार कार्यक्रम स्थल पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी अंचल से आए 100 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में शिशु एवं बाल रोग, महिला रोग, जनरल सर्जरी और जनरल फिजिशियन सहित विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान मरीजों की सामान्य जांच के साथ-साथ ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच भी की गई तथा आवश्यकतानुसार परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। स्वास्थ्य शिविर में डॉ. अंकित आर. खरोले (बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. रजनी शेड़े (स्त्री रोग विशेषज्ञ) और डॉ. उत्कर्ष घोरमारे (जनरल सर्जन) सहित अन्य अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दीं। शिविर के संचालन में खरोले पॉली क्लिनिक की स्टाफ वर्षा बिहोने और हितैषी फाये का विशेष सहयोग रहा। उल्लेखनीय है कि डॉ. खरोले पॉली क्लिनिक द्वारा लगातार ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन कर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह पहल विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर उपचार का अवसर प्रदान कर रही है। उपचार कराने आए लोगों ने शिविर की सराहना करते हुए चिकित्सकों की टीम को धन्यवाद दिया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता की उम्मीद जताई। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय रविदासिया समाज संगठन समिति, तहसील लांजी द्वारा किया गया, जिन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

हाईस्कूल देवलगांव ईको क्लब के छात्र-छात्राओं को कराया शैक्षणिक भ्रमण

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय हाईस्कूल देवलगांव ईको क्लब के छात्र छात्राओं के द्वारा शैक्षणिक भ्रमण 1 फरवरी 2026 को ज्ञान वर्धक, पर्यावरण संबधित चिन्हित स्थानों में पंहुचकर किया गया। पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम 2026 सतत जीवन शैली कार्यशाला प्रतियोगिता प्रदर्शन अभियान एवं प्रकृति भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को पडोसी राज्य महाराष्ट्र के धार्मिक एवं पर्यटन स्थल मांडो बाई इटियाडोह , नवेगांव बांध ले जाया गया सर्वप्रथम शासकीय हाई स्कूल देवल गांव के प्रांगण से शैक्षिक भ्रमण यात्रा प्रारंभ किया गया एवं प्राकृतिक मनोरम दृश्य मांडो बाई,इटियाडोह, नवेगांव बांध का भ्रमण कराया गया सभी छात्र छात्राओं ने प्राकृतिक दृश्य को देखा एवं कुछ सीखाने का प्रयास किया तथा भ्रमण का पूर्ण आनंद लिया तथा शासकीय हाई स्कूल देवलगांव के प्राचार्य आर. के. बेंजामिन के नेतृत्व में यह संपूर्ण भ्रमण का आयोजन किया गया तथा जिसमे समस्त स्टाफ सम्मिलित रहा। सभी शिक्षकों ने बच्चों को प्रकृति के बारे में आवश्यक ज्ञान वर्धक जानकारी प्रदान की। आर के बेंजामीन प्राचार्य के द्वारा नवेगांव बांध का इतिहास की जानकारी बच्चों को अवगत कराया तथा देवी धाम मांडो बाई, एवं बांध क्षेत्र इटियाडोह के विषय में भी अधिक जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के प्रायोजक पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन पर्यावरण विभाग मध्य प्रदेश भोपाल पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली है। इस दौरान शिक्षक गणो में एस एल घोरमारे, शैलेश नागदेवे, ईश्वरी प्रसाद कुसले, बुधराम चौधरी, भोलाराम घोरमारे, सरिता टेंभरे, अनीता चौरागढ़े एवं शासकीय हाई स्कूल देवलगांव से एस एम डी सी के अध्यक्ष पूरन लाल बागडकर भी भ्रमण में उपस्थित रहे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

दो दर्जन जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे!

एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद होगी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

भोपाल। मप्र में मतदाता सूची में विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर)के कारण मैदानी अफसरों के तबादले पर अघोषित प्रतिबंध है। ऐसे में अब माना जा रहा है कि 21 फरवरी को चुनाव आयोग का तबादलों पर लगा अघोषित प्रतिबंध खत्म होने वाला है। इसके बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। इसमें मंत्रालय और विभागध्यक्ष स्तर पर भी अधिकारियों के तबादले होंगे। साथ ही दो दर्जन जिलों के कलेक्टर और कुछ संभागायुक्त बदले जाएंगे। इस फेरबदल में भोपाल जिलाधीश कौशलेंन्द्र विक्रम सिंह, धार के प्रियंक मिश्रा से लेकर रीवा, ग्वालियर, मैहर, नर्मदापुरम, झाबुआ जिले की महिला जिलाधीश को बदले जाने की संभावना है। साथ ही 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने का सिलसिला शुरू होगा।

मंत्रालय सूत्रों के अनुसार मैदानी अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर शासन स्तर पर मंथन हो चुका है।

तबादलों में तीन संभागायुक्त भोपाल, ग्वालियर, रीवा को बदला जा सकता है। भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सचिव पदोन्नत हो गए हैं। उन्हें भोपाल संभागायुक्त बनाया जा सकता है या फिर मुख्यमंत्री कार्यालय में वापसी हो सकती हैं। हालांकि कलेक्टरों की पदस्थापना में फेरबदल विधानसभा के बजट सत्र की वजह से और आगे बढ़ सकती है। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार पिछले महीने के आखिरी में मुख्य सचिव की कलेक्टर-कमिश्नर कॉफ्रेंस के बाद सभी 55 जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों की परफॉर्मेंस का लेकर शासन स्तर और पुलिस मुख्यालय स्तर पर मंथन हो चुका है। बताया गया कि भ्रष्टाचार की शिकायतों को भी सरकार गंभीरता से ले रही है। जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री और शासन स्तर पर अधिकारियों को लेकर की गई शिकायतों को भी सरकार ने संज्ञान में लिया है। ऐसे में सरकार ने कलेक्टर, संभागायुक्त के अलावा अन्य मैदानी अधिकारियों के बड़ी संख्या में फेरबंदल की तैयारी कर ली है। फिलहाल एसआईआर की वजह से मैदानी अधिकारियों की तबादला सूची जारी नहीं हो पाई है। यही वजह है कि पिछले हफ्ते जारी की गई तबादला सूची में एक भी मैदानी अधिकारी का नाम शामिल नहीं है। शाऊन स्तर पर ऐसे कई अधिकारी सूची के इंतजार में बैठे हैं, जिन्हें मैदानी पदस्थापना मिल सकती है। अब उन्हें विधानसभा खत्म होने तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

महिला कलेक्टरों की संख्या घटेगी

प्रदेश में 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। निकट भविष्य में जारी होने वाली तबादला सूची में महिला कलेक्टरों की संख्या घट सकती है। महिला कलेक्टरों में रुचिका चौहान ग्वालियर, ऊषा परमार पन्ना, प्रतिभा पाल रीवा, रजनी सिंह नरसिंहपुर, सोनिया मीणा नर्मदापुरम, शीतला पटले सिवनी, नेहा मीणा झाबुआ, रिजु बाफना शाजापुर, भव्या मित्तल खरगोन, रानी बातड़ मैहर, नीतु माथुर आलीराजपुर, अंजु पवन भदौरिया डिंडौरी, जमुना भिंड निवाड़ी, अदिति गर्ग मंदसौर, जयति सिंह बड़वानी, प्रीति यादव आगर-मालवा और मिशा सिंह रतलाम कलेक्टर हैं। इनमें से रुचिका चौहान, प्रतिभा पाल, सोनिया मीणा, नेहा मीणा, जमुना भिड़े को बदला जा सकता है। वहीं 2017 बैच के आईएएस कलेक्टर बनेंगे। इस बैच के गुरुप्रसाद, डीके नागेन्द्र, सुश्री अंजु अरुण कुमार, अभिलाश मिश्रा, कुमार सत्यम, सौरभ सोनवाने, योगेश तुकारात और राहुल नामदेव को इस साल कलेक्टरी मिल सकती है।

मप्र सरकार फिर लेगी 5200 करोड़ का कर्ज

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार एक बार फिर 5200 करोड़ का कर्ज लेगी। साल 2026 में सरकार दूसरी बार ऋष्ण लेने जा रही है। जबकि चालू वित्तीय वर्ष में 57,100 करोड़ का कर्ज लिया जा चुका हैं। अब यह लोन 62,300 करोड़ रुपए का हो गया है। एमपी सरकार साल 2026 में दूसरी बार कर्ज ले रही हैं। 7 फरवरी को 5200 करोड़ की राशि मिलेगी। जिसकी पहली किस्त 1200 करोड़ रुपए 7 साल के लिए ब्याज समेत भुगतान की तारीख 4 फरवरी 2033 तारीख की है। 2000 करोड़ का कर्ज 17 साल के लिए लिया जा रहा है, जो 4 फरवरी 2043 तक के लिए है। वहीं तीसरी किस्त 2000 करोड़ रुपए 22 साल की अवधि में ब्याज के साथ चुकता किया जाएगा। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 57,100 करोड़ का कर्ज ले चुकी है। 5200 करोड़ का कर्ज लेने के बाद यह आंकड़ा 62,300 करोड़ रुपये पहुंच जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में कब-कब लिया गया कर्ज

7 मई 2025 को 5000 करोड़।
4 जून 2025 को 4500 करोड़।
8 जुलाई 2025 को 4800 करोड़।
30 जुलाई 2025 को 4300 करोड़
5 अगस्त 2025 को 4000 करोड़।
26 अगस्त 2025 को 4800 करोड़।
9 सितंबर 2025 को 4000 करोड़।
23 सितंबर 2025 को 3000 करोड़।
30 सितंबर 2025 को 3000 करोड़।
28 अक्टूबर 2025 को 5200 करोड़।
11 नवंबर 2025 को 4000 करोड़।
2 दिसंबर 2025 को 3000 करोड़।
30 दिसंबर 2025 को 3500 करोड़।
7 जनवरी 2026 को 4000 करोड़।

दुष्कर्म के आरोपी की जिला अदालत में पिटाई

11वीं की छात्रा से दुष्कर्म कर बनाया था अशलील वीडियो

भोपाल। प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित जिला अदालत में बीते दिन उस समय हंगामे की स्थिति बन गई जब 11वीं की छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी की पुलिस हिरासत में कोर्ट परिसर में वकीलो द्वारा जमकर पिटाई की गई। जानकारी के अनुसार कोहेफिजा थाना क्षेत्र में 11 वीं की नाबालिग छात्रा से कार में दुष्कर्म करने वाले आरोपी ओसाफ अली खान को मंगलवार गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। इसी दौरान कोर्ट परिसर में गुस्साए वकीलों ने आरोपी को घेरकर उसकी पिटाई कर दी। हालात बिगड़ते देख पुलिस और वकीलों के बीच गहमा-गहमी और तीखी बहस भी हो गई, जिसका वीडियो भी सामने आए हैं। कोर्ट परिसर में शोर-शराबा और धक्का-मुक्की के चलते कुछ देर के लिए कामकाज भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने बल प्रयोग कर किसी तरह आरोपी को भीड़ से बचाया और सुरक्षित बाहर निकाला।

आरोप हैं कि 11वीं की नाबालिग छात्रा को बहला-फुसलाकर आरोपी ने उसे घूमाने के बहाने ले जाकर अपनी कार में उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसके दौरान आरोपी ने पीड़िता का चोरी छिपे अश्लील वीडियो बना लिया और फिर उसे ब्लैकमेल करते हुए उस पर साथ आने और धर्म परिवर्तन का दबाव भी डाला गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काहल कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। पेशी के दौरान जैसे ही आरोपी को कोर्ट परिसर में लाया गया, वहां मौजूद आक्रोशित वकीलो ने आरोपी को घेर लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी। हालांकि पुलिस का कहना है कि रेप के आरोपी के साथ वकीलों के द्वारा मारपीट की कोई शिकायत नहीं मिली है, अगर शिकायत आती है, तो नियमनुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक पीड़िता शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ती है, आरोपी अक्सर छात्रा की सहेली से मिलने स्कूल के आसपास आता था। इसी दौरान सहेली के माध्यम से उसकी पहचान पीड़िता से हुई। दोस्ती बढ़ने पर पिछले साल जुलाई में आरोपी ने पीड़िता को भोपाल घुमाने के बहाने बुलाया और खानूगांव के सुनसान इलाके में ले जाकर कार के अंदर छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने छात्रा को शादी का झांसा देकर उसे चुप करा दिया था। कुछ समय बाद उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर छात्रा से 1 लाख रुपए की मांग की। बदनामी के डर से घबराई छात्रा ने किसी तरह 40 हजार रुपए का इंतजाम कर आरोपी को दिए। रकम लेने के बाद भी आरोपी उससे और पैसो के साथ ही बार-बार शारीरिक संबध बनाने का दबाव बनाता रहा। तंग आकर छात्रा ने उसे सोशल मीडिया और फोन पर ब्लॉक कर दिया, तब आरोपी ने अलग-अलग नंबरों से कॉल कर उसे परेशान करने लगा। लेकिन छात्रा उसकी बात मानने से इंकार करती रही, इसके बाद आरोपी ने आपत्तिजनक वीडियो छात्रा के दोस्तों को दिखा दिया। इसकी जानकारी लगने पर छात्रा ने रिश्ते के भाई और हिंदू संगठन के लोगों की मदद से थाने पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उसे हिरासत में लेते हुए उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया, जिसकी फोरेंसिक जांच कराई जाएगी। थाना पुलिस का कहना है कि आरोपी को दो दिन की रिमांड पर लिया गया है, पुलिस आरोपी से पूछताछ करने के साथ ही इस बात का पता लगा रही है कि आरोपी ने अन्य किसी लड़की के साथ तो ऐसी वारदात तो नहीं की है।

ओसाफ अली खान, आरोपी

केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा...

एमएसएमई, महिला और शहरी विकास को नई गति देगा बजट

- टियर-2, टियर-3 शहरों के उत्थान का रास्ता खोलेगा बजट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय बजट 2026 पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को और बेहतर बनाने का मजबूत रोडमैप प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बजट में हर वर्ग और हर प्रांत का संतुलित रूप से ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर एमएसएमई के लिए इस बजट में व्यापक संभावनाएं हैं। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और फार्मा सेक्टर में प्रशिक्षण को प्रोत्साहन देने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

ये बात मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय बजट पर पत्रकारों से चर्चा कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी केंद्रीय बजट पर बात करेंगे। कार्यक्रम में बीजेपी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की मौजूद हैं।

मप्र में बेरोजगारी की दर डेढ़ प्रतिशत

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में बेरोजगारी की दर घटकर डेढ़ प्रतिशत तक रह गई है और तेजी से इसमें सुधार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार का बजट एक आत्मा से तालमेल करते हुए चल रहा है। बजट में निवेशकों के विश्वास को कायम रखने का काम किया गया है। केंद्रीय बजट सिर्फ कागजीकरण नहीं है बल्कि भविष्य को लेकर तैयार किया गया प्लान है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कह चुके हैं कि केंद्रीय बजट में गरीबों, युवाओं, अन्नदाताओं और महिलाओं पर विशेष फोकस है। इसमें 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के विकास और सभी शहरी आर्थिक क्षेत्रों पर 5 साल में 5000 करोड़ रुपए खर्च करने, छोटे शहरों में तीर्थ स्थल विकसित करने, हर जिले में एक महिला छात्रावास के निर्माण और जिला अस्पतालों को अपग्रेड करने की व्यवस्था से प्रदेश को बहुत लाभ प्राप्त होगा। क्लिनिकल ट्रायल स्थलों का भी विकास होगा। केंद्रीय बजट में केयर इकोसिस्टम पर विशेष ध्यान देने के प्रावधान किए गए हैं। इससे बुजुर्गों के इलाज के लिए विशेष व्यवस्था होगी। गंभीर बीमारियों की दवाऐं भी सस्ती होंगी, जिससे सभी वर्गों को राहत मिलेगी।

महिला, शहरी और नवाचार आधारित विकास

उन्होंने बताया कि नवाचार आधारित उद्यमिता को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। प्रोफेशनल कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल निर्माण और मेट्रोपॉलिटन सिटी क्षेत्रों में विकास कार्यों पर विशेष फोकस किया गया है। शहरी विकास के लिहाज से यह बजट लाभकारी सिद्ध होगा। कैंसर को बड़ी चुनौती बताते हुए उन्होंने मेडिकल कॉलेज खोलने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही कहा कि भारत अन्य देशों की तरह दबाव में नहीं आता और राज्य की जीडीपी बढ़ाकर आर्थिक मजबूती की दिशा में काम किया जा रहा है।

टियर-2 और टियर-3 शहरों को मिलेगा बल

मुख्यमंत्री ने कहा कि टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास से शहर आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे और निवेशकों का विश्वास कायम रहेगा। वित्तीय संस्थाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा है कि केंद्रीय बजट में वस्त्र उद्योग सेक्टर में रिफॉर्म पर बल दिया गया है, इससे मध्य प्रदेश को भी लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश को पीएम मित्र पार्क के रूप में टेक्सटाइल क्षेत्र की बड़ी सौगात दी है, इससे तीन लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिलने के साथ ही 6 लाख किसानों को लाभ होगा। इस पार्क से प्रदेश का मालवा निमाड़ अंचल नई उड़ान के लिए तैयार है। बजट में देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट और एआई के अधिक से अधिक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है, इसका आने वाले दिनों में प्रदेश और देश को तरक्की में बड़ा योगदान होगा।

मप्र भाजपा मुख्यालय में नेताओं के ठाठ-बाट में कटौती

न नाश्ते की टेबिल सज रही, न होटल से मनचाहा खाना आ रहा

भोपाल। मप्र भाजपा में पिछले तीन महीने के भीतर हुए संगठनात्मक बदलावों का असर अब पार्टी के भीतर भी दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा बदलाव प्रदेश कार्यालय में नेताओं के ठाठ-बाट में देखने को मिल रहा है। अब न नाश्ते से नेताओं के टेबलें सज रही हैं और न ही बाजार से मनपसंद खाना आ रहा है। यहां तक के थोक में आने वाले नारियल पानी भी बंद हो गए हैं। प्रदेश कार्यालय में अन्य फिलूलखर्ची भी रुक गई हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सादगी का असर अब पार्टी में दिखाई देने लगा है। जिसकी शुरूआत खंडेलवाल ने खुद से की है। वे न तो पार्टी के वाहन का उपयोग करते हैं और न ही अन्य किसी तरह की सुविधाएं लेते हैं। अब भाजपा कार्यालय में आगंतुकों का भी व्हीव्हीआईपी सत्कार नहीं हो रहा है। साधारण कार्यकर्ता से लेकर बड़े नेताओं तक के लिए एक ही तरह के चाय-नाश्ते का बंदोबस्त कर दिया है। पहले पार्टी पदाधिकरी, कार्यालय स्टाफ एवं अन्य के लिए चाय की व्यवस्था थी, लेकिन अब सभी के लिए चाय-कॉफी की व्यवस्था कर दी गई है। कार्यालय परिसर में आने वाले आम कार्यकर्ता या आम नागरिक के लिए मशीन से चाय की व्यवस्था है। साथ ही पैक्ड वाटर की जगह अब पानी की बोतल, गिलास और जग रखवाएं गए हैं।

वाहन सुविधाओं में कटौती

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने अपने स्तर से किसी तरह की रोक नहीं लगाई है, लेकिन उनकी साधारण जीवन शैली एवं सुविधाओं से दूरी का असर दूसरे नेताओं पर दिखाई दिया है। जो नेता पार्टी के खर्च पर वाहन सुविधाएं लेते थे। उसमें कटौती हो गई है। सिफ वे नेता ही पार्टी के वाहन का उपयोग कर रहे हैं, जिन्हें पार्टी की ओर से सुविधाएं उपलब्ध कराई गईहैं।

अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर होगा नेताओं का पुनर्वास

निगम-मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियों का काउंटडाउन शुरू

भोपाल। निगम-मंडलों और विकास प्राधिकरणों में लंबे समय से प्रतीक्षित राजनीतिक नियुक्तियों का काउंटडाउन शुरू हो गया है। भाजपा ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए अब अलग-अलग सूचियों के बजाय एक ही जंबो सूची जारी करने का फैसला किया है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, निगम-मंडलों में अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर नेताओं का पुनर्वास होगा। दरअसल, विधानसभा चुनाव 2023 के बाद से ही निगम-मंडलों में नियुक्तियों को लेकर संगठन पर दबाव बना हुआ है। पहले लोकसभा चुनाव के बाद नियुक्तियां करने की योजना थी, लेकिन भाजपा के संगठन चुनाव, फिर प्रदेश अध्यक्ष और राष्टीय अध्यक्ष के चुनाव में देरी के चलते मामला आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद बिहार चुनाव के चलते भी निर्णय टलता रहा। जानकारी के अनुसार, प्रदेश में निगम-मंडलों और विभिन्न प्राधिकरणों में लंबित पड़ी राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सरकार और संगठन के बीच अंतिम दौर का मंथन चल रहा है। मप्र विधानसभा के बजट सत्र से पहले कुछ नियुक्तियों की सूची जारी हो सकती है। बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू होगा। इस तरह दो हफ्ते में नियुक्तियों की सूची जारी होने के आसार हैं। निगम-मंडलों में नियुक्ति की घोषणा एक साथ नहीं होगी। नियुक्तियों की घोषणा चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। सरकार और संगठन पिछले करीब चार महीनों से राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी में जुटा है। संगठन और सरकार स्तर पर कई दौर की चर्चा के बाद सूची को लगभग अंतिम रूप भी दे दिया गया था, लेकिन अब तक इसे मंजूरी नहीं मिल पाई है। पहले योजना थी कि पहली किस्त में प्रदेश के विकास प्राधिकरणों और क्षेत्रीय विकास प्राधिकरणों-जैसे विंध्य, बुंदेलखंड और महाकौशल विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की नियुक्ति की जाए। इसके लिए अलग से सूची भी तैयार कर ली गई थी, लेकिन उसे फिलहाल रोक दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जिम्मेदारी संभालने के बाद से ही वरिष्ठ नेताओं को भरोसे में लिया है। वे उपेक्षित और घर बैठ चुके वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात कर रहे है। इस बार की नियुक्तियों में पार्टी का खास फोकस पूर्व विधायकों और पूर्व मंत्रियों के पुनर्वास पर है। ऐसे कई नेता हैं, जो चुनाव के बाद संगठन या सरकार में किसी जिम्मेदारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि इनमें से कई नेताओं के पास फिलहाल कोई सक्रिय दायित्व नहीं है, जिसे देखते हुए पार्टी उन्हें निगम-मंडलों और आयोगों में समायोजित करना चाहती है।

दिग्गजों के बीच सामंजस्य का होगा प्रयास

इस बीच क्षेत्रीय क्षत्रपों ने अपने समर्थकों को एडजस्ट कराने के लिए लॉबिंग तेज कर दी है। विधायकों, सांसदों और पूर्व मंत्रियों तक ने सक्रियता बढ़ा दी है। सबसे बड़ी चुनौती दिग्गज नेताओं शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों के बीच सामंजस्य बिठाने की है। वहीं, भाजपा में शामिल हुए कई पूर्व कांग्रेसी नेताओं को अब भी किसी पद की प्रतीक्षा है। ऐसे नेताओं के लिए राजनीतिक नियुक्तियां ही आखिरी उम्मीद मानी जा रही हैं। भाजपा में नियुक्तियों का दौर शुरू हो गया है, लेकिन कांग्रेस का पाला बदलकर भाजपा में आने वालों के हाथ अभी भी खाली है। ऐसे में इन नेताओं के पास अब राजनीतिक नियुक्ति की अंतिम विकल्प बचा है। फिर चाहे पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी हो या पूर्व मंत्री रामनिवास रावत। दोनों ही संगठन से बड़े दायित्व की उम्मीदें बांधे बैठे हैं। इनके साथ ही दलबदलने वाले समर्थक भी वर्चस्व की जंग में टकटकी लगाए बैठे हैं।

शिवपुरी में बिजली गिरी, किसान जिंदा जला

ग्वालियर-मंदसौर में ओले, भिंड समेत 8 जिलों में बारिश, दिल्ली से आने वाली कई ट्रेनें लेट

भोपाल। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से मध्य प्रदेश में ओले, बिजली, बारिश और आंधी का दौर जारी है। बीती रात से मंगलवार सुबह तक प्रदेश के कई जिलों में ओले-बारिश का दौर जारी रहा। शिवपुरी में झोपड़ी पर बिजली गिरने से किसान जिंदा जल गया। ग्वालियर और मंदसौर जिले में ओले गिरे, जबकि भोपाल, भिंड, छतरपुर, राजगढ़, आगर-मालवा और गुना में बारिश हुई। इससे पहले सुबह रायसेन में ओस की बूंदें जम गईं। ग्वालियर में ओले गिरे, जिससे फसलों को नुकसान हुआ है।

मौसम विभाग ने मंगलवार को भोपाल, ग्वालियर, रीवा समेत 20 जिलों में मावठा गिरने का अलर्ट जारी किया है। भोपाल और सीहोर में 50 मीटर तक विजिबिलिटी दर्ज की गई। यानी, यहां पर 50 मीटर के बाद कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। दतिया, रायसेन, उज्जैन, मुरैना, देवास, धार, इंदौर, खजुराहो, रीवा, सतना, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, राजगढ़, रतलाम, श्योपुर, शिवपुरी कोहरे के आगोश में रहे। इसके साथ ही मंडला, नौगांव, टीकमगढ़, मलाजखंड भी घने और मध्यम कोहरे का असर दिखा। इस वजह से दिल्ली से भोपाल, इंदौर आने वाली कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट चल रही हैं। इधर, रात के तापमान में गिरावट नहीं हुई है। सभी शहरों में पारा 10 डिग्री के पार ही रहा। हालांकि, बारिश का दौर थमने के बाद ठंड का एक दौर आ सकता है।

मोहन सरकार ने कैबिनेट में लिया सरदार सरोवर डैम के विस्थापितों के लिए बड़ा फैसला

आदिवासियों के प्लॉट की रजिस्ट्री कराएगी मप्र सरकार

-धनवाही और बरही सिंचाई परियोजना भी मंजूर

भोपाल। सरदार सरोवर परियोजना के विस्थापित 25,602 आदिवासी परिवारों को दिए गए आवासीय भूखंड की रजिस्ट्री अब सरकार कराएगी। इसके लिए इन परिवारों को कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। इस पर सरकार 600 करोड़ रुपए खर्च करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसमें 8 विधानसभा क्षेत्र और चार जिलों के विस्थापित शामिल हैं।

विस्थापन के समय इन परिवारों को आवासीय भूखंड के पट्टे दिए गए थे पर रजिस्ट्री नहीं कराई गई थी। रजिस्ट्री को लेकर लगातार मांग उठ रही थी। वहीं

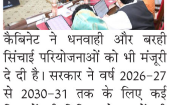

कैबिनेट ने धनवाही और बरही सिंचाई परियोजनाओं को भी मंजूरी दे दी है। सरकार ने वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक के लिए कई विभागों की विभिन्न योजनाओं की निरंतरता का निर्णय लिया है।

कर्मचारियों का विलय होगा

इसके अलावा सरकार ने राज्य समाज कल्याण बोर्ड के कर्मचारियों को महिला एवं बाल विकास में विलय करने की स्वीकृति दे दी है। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने पहली बार भोपाल में 30 जनवरी को पुष्प महोत्सव आयोजित किया गया। यह केवल फूलों की प्रदर्शनी नहीं बल्कि फूलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के किसानों की आमदनी बढाने का एक उत्सव था।

पशुपतिनाथ लोक का लोकार्पण

बैठक में बताया गया कि महाकाल लोक की तर्ज पर पशुपतिनाथ लोक का निर्माण किया गया है। 29 जनवरी को मुख्यमंत्री ने इसका लोकार्पण किया। यह भी बताया गया कि प्रदेश सरकार ने भावांतर योजना का भुगतान 2 माह के अंदर किया। मप्र देश का पहला राज्य है, जिसने भावांतर योजना का पूर्णत- लागू किया।

मप्र में बजट सत्र में सरकारी छुट्टियों पर ब्रेक

भोपाल। मध्य प्रदेश में बजट सत्र को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सरकारी छुट्टियों पर ब्रेक लग गया है। जल संसाधन विभाग ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी 2026 से शुरू हो रहा है, जो मार्च महीने तक जारी रहेगा। इस सत्र के दौरान सरकार वित्तीय वर्ष का बजट पेश करेगी।

ऐसे में जल संसाधन विभाग ने अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बजट सत्र की अवधि में कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकता। सरकारी छुट्टियां या लीव पर जाने की अनुमति सिर्फ विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ही दे सकेंगे, वो भी बहुत विशेष परिस्थितियों में। विभाग ने कहा है कि मुख्यालय में मौजूदगी अनिवार्य है, ताकि कोई भी कार्य प्रभावित न हो और बजट से जुड़े काम सुचारु रूप से चलते रहें।

अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल में आज अफगानिस्तान पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हरारे। भारतीय क्रिकेट टीम का बुधवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से मुकाबला होगा। अब तक इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतने वाली भारतीय टीम इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम ने अब तक पांच बार 2000, 2008, 2012, 2018, 2022 में ये खिताब जीता है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में भी जीत दर्ज कर छठे खिताब की ओर कदम बढ़ाना चाहेगी।

भारतीय टीम ने इससे पहले के मुकाबल में पाकिस्तान को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम ने अब तक अपने सभी पांच मैच आसानी से जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान के खिलाफ मिली 58 रनों की जीत भी शामिल है। भारतीय टीम इसके बाद भी इस मैच को हल्के में नहीं लेगी। इसका कारा है कि अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उसने अपने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एक ही मैच में श्रीलंका ने हराया था। उसके खिलाड़ियों ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों वैभव सूर्यवंशी और विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने अब तक इस टूर्नामेंट में जमकर रन बनाये हैं। ये दोनो ही ये सिलसिल बनाये रखना चाहेंगे। कुंडू ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 196 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक लगाये हैं। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा ने अब तक ?(पांच मैचों में 172 रन बनाये हैं जिसमें ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया शतक 109 रन भी शामिल हैं।

कप्तान आयुष म्हात्रे और आरोन जॉर्ज को अत तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं और टीम को इनसे इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। आयुष ने पांच मैचों में केवल 99 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज आरोन ने तीन पारियों में केवल 46 रन बनाये हैं।

आयुष ने हालांकि गेंदबाज़ी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं। टीम की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के पास रहेगहै। इसके अलावा स्पिन की जिम्मेदारी खिलन पटेल के पास रहेगी। पटेन ने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं। दूसरी ओर महबूब खान की कप्तानी में

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

भारत अंडर-19- आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

अफगानिस्तान अंडर-19- महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रूहुल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जादरान, जैतुल्लाह शाहीन।

कमिंस टी20 विश्वकप से बाहर हुए, ड्वार्शियस शामिल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। कमिंस ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण विश्वकप कप से नाम वापस ले लिया है। कमिंस ने कहा कि उनका लक्ष्य आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होना है ताकि वह सभी मैच खेल सकें। इसलिए उन्होंने तय किया कि विश्वकप से बाहर रहना ही ठीक है। कमिंस के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। कमिंस ने कहा, मैं पहले से काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं कुछ सप्ताह तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।

उन्होंने कहा, एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था पर अभी किये एक स्कैन में चिकित्सकों ने पाया कि मुझे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, तब उसे बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और एकदिवसीय के लिए टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। टीम इसके बाद न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी और फिर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा। इसके बाद वह अगले साल मार्च में मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज, एकदिवसीय विश्व कप और जून में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल होगा। कमिंस ने कहा, हमने सोचा कि आगामी सत्र में क्रिकेट मैचों की संख्या को देखते हुए साल के पहले छह महीने में संयम बरतना काफी अच्छा रहेगा। चोट ठीक हो जाएगी और इसको लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। अगर मैं अभी इसको लेकर सतर्कता नहीं बरतता तो समस्या बढ़ सकती थी। कमिंस को उम्मीद है कि वह 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

सीएम हेल्पलाईन की 100 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों पर कलेक्टर सख्त!!

लापरवाही बरतने पर दो रीडर और एक पटवारी निलंबित, कोटवार को पद से हटाया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रत्येक मंगलवार को सीएम हेल्पलाईन की 50 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की जाती है और इस दौरान शिकायतकर्ता व संबंधित विभाग के अधिकारियों को समक्ष में खडा कर उनका पक्ष सुना जाता है। इसी कडी में 03 फरवरी को 100 दिनों से अधिक की लंबित 10 शिकायतों की कलेक्टर श्री मीना ने समक्ष में सुनवाई की। इस दौरान शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर 03 कर्मचारियों को निलंबित करने, 03 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं 01 कोटवार को पद से पृथक करने के निर्देश दिये गए है। समक्ष में सुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, अधीक्षक भू-अभिलेख नायक, लोकसेवा प्रबंधक अनिल लिल्हारे उपस्थित थे।

कटंगी तहसील के ग्राम जराहमोहगांव की हरलाल डहरवाल द्वारा अपने 01 हे. भूमि के रिकार्ड सुधार के लिए तहसील कार्यालय कटंगी में आवेदन दिया गया था। इस प्रकरण की समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि यह शिकायत 207 दिनों से निराकरण के लिए लंबित है। इस प्रकरण में मार्च 2025 से एसडीएम कोर्ट में पेशी नही लगायी है। तहसीलदार के रीडर द्वारा इस प्रकरण को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज भी नही किया गया है। जबकि इस प्रकरण में विधिवत कार्यवाही की जाती तो इस प्रकरण का सुगमता से निराकरण हो जाता और हितग्राही की शिकायत सीएम हेल्पलाईन से बंद हो जाती। इस प्रकरण में लापरवाही पाये जाने पर कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम के तत्कालीन रीडर निपेंद्र उंधीरवाडे एवं तहसीलदार के रीडर मनीष बोरकर एवं जराहमोहगांव के पटवारी शिवेंद्र तिवारी को निलंबित करने के निर्देश दिये है। इस प्रकरण में कटंगी एसडीएम श्री केसी ठाकुर, तहसीलदार एवं तत्कालीन रीडर वर्तमान में लामता तहसील में पदस्थ श्री राणा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए है।

परसवाडा तहसील के अंतर्गत उकवा के निवासी रुपचंद गौतम द्वारा खसरा नकल को ऑनलाईन अपडेट नही करने संबंधी सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। 435 दिनों से लंबित इस शिकायत में परसवाडा तहसीलदार को ऑनलाईन रिकार्ड अपडेट करने के निर्देश दिये गए है और एसडीएम को निर्देशित किया गया है कि तहसील कोर्ट का नियमित रूप से निरीक्षण करते रहें। तिरोडी तहसील के हेमंत द्वारा निजी भूमि पर अतिक्रमण किया जाने संबंधी सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। 230 दिनों से लंबित इस शिकायत के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर तिरोडी तहसीलदार एवं संबंधित पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए है।

समक्ष में सुनवाई के दौरान राजुलाल की चालाकी सामने आयी

बिरसा तहसील के ग्राम मुंडघुसरी के राजुलाल यादव द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी कि उसकी बुआ की मृत्यु के बाद उसके वारसान का नाम फर्जी तरीके से दस्तावेज में शामिल कर उसके नाम से नामांतरण कर दिया गया है। इस प्रकरण की समक्ष में सुनवाई के दौरान राजुलाल एवं उसके

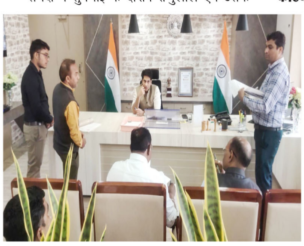

पिता के दोनो भाई, पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से प्रकरण की वस्तुस्थिति समझी गई। इस दौरान पता चला कि राजुलाल की बुआ देवमती के नाम से 1.5 एकड जमीन थी। जिसे राजुलाल की दादी के समय से ही राजुलाल के पिता और उनके भाईयों ने बराबर बांट कर उस पर कब्जा कर लिया है। देवमती की मृत्यु के बाद उसकी पुत्री ने दो शादी की थी। पहले पति से उसकी एक बेटी मथरा थी जिसकी मृत्यु हो चुकी है, दूसरे पति से एक बेटी सुमत्रा है जो कमाने के लिए बाहर चले जाती है।

राजुलाल की शिकायत थी कि देवमती का कोई वारसान नही है अत: उसकी जमीन पर उसका कब्जा रहना चाहिए और रिकार्ड में उसका नाम दर्ज होना चाहिए। कलेक्टर श्री मीना ने मौके पर ही राजुलाल के पिता के दोनो भाईयों से इस संबंध में जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि देवमती की जमीन सुमत्रा के नाम पर करने में उन्हें कोई आपत्ति नही है। देवमती की जमीन की वैध वारिस सुमत्रा होने के कारण उसके नाम पर जमीन का नामांतरण करने एवं राजुलाल से उसकी जमीन पर किये गए अवैध कब्जे को हटाने के निर्देश दिये गए और इस शिकायत को बंद कराया गया। देवमती के जमीन की वैध वारिस द्वारा काम की तलाश में बाहर चले जाने एवं उसकी जमीन पर राजुलाल द्वारा कब्जा किये जाने पर कलेक्टर श्री मीना ने राजुलाल को फटकार लगायी और कहा कि वह अपने अवैध कब्जे को शीघ्रता से छोड दे अन्यथा उसके विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी।

सेवानिवृत्त पटवारी के क्लेम रोकने एवं कोटवार को पद से पृथक करने के निर्देश

लांजी तहसील के ग्राम कुम्हारीखुर्द के निलेश मिश्रा द्वारा शीतला देवी मंदिर की जगह पर हेतराम द्वारा झोपडी बनाकर अवैध रूप से कब्जा करने की शिकायत सीएम हेल्पलाईन में की गई थी। यह शिकायत निराकरण के लिए 452 दिनों से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिये और इस प्रकरण में कार्यवाही नही करने पर लांजी तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम खरखडी के रामेश्वर लिल्हारे द्वारा अपनी जमीन पर अतिक्रमण किये जाने संबंधी शिकायत की गई थी। यह शिकायत निराकरण के लिए 500 दिनों से लंबित थी। समक्ष में इस प्रकरण की सुनवाई के दौरान पाया गया कि अतिक्रमण करने वाले रामू, श्यामू ने पटवारी के साथ मिलकर विष्णु का नाम जमीन के रिकार्ड से गायब कर दिया है। इस प्रकरण में कलेक्टर श्री मीना ने खरखडी के कोटवार को पद से पृथक करने एवं वहां के पटवारी के सेवानिवृत्त हो जाने के कारण उसे दिये जाने वाले शेष क्लेम रोक दिये जाने के निर्देश दिये है।

लामता महाविद्यालय की रासेयो की सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय महाविद्यालय लामता की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम पंचायत चांगोंटोला में आयोजित सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का सांस्कृतिक एवं गरिमामय समापन समारोह संपन्न हुआ। यह शिविर दिनांक 28 जनवरी 2026 से 03 फरवरी 2026 तक मेरा युवा भारत डिजिटल साक्षरता, युवा स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं जन स्वास्थ्य के उद्देश्य को लेकर आयोजित किया गया था।

शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को विभिन्न सामाजिक विषयों पर जागरूक करने हेतु निरंतर गतिविधियां संचालित की गईं। इनमें स्वच्छता अभियान, एड्स के प्रति जन जागरूकता, मतदान जागरूकता, महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति अभियान एवं डिजिटल साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रैली, नुक्कड़ नाटक, गीत एवं नारों के माध्यम से व्यापक जन जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

शिविर के समापन अवसर पर आयोजित

समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र, मेडल एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा स्वयंसेवकों एवं कार्यक्रम अधिकारी को अभिनंदन पत्र, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत के सरपंच प्रमोद ठाकरे, जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष विनोद बोथरा, उपसरपंच जयराम जी, समस्त पंचगण, गणमान्य नागरिक चंद्रकांत रहांगडले, संतोष रहांगडले, राजेश अवधिया, अब्दुल शाह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सरपंच प्रमोद ठाकरे ने सात दिवसीय विशेष शिविर के सफल आयोजन हेतु कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से न केवल ग्रामीणों को जागरूक किया गया, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान मिला है। उन्होंने कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों को साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह सात दिवसीय विशेष शिविर सामाजिक जागरूकता, सेवा भावना एवं युवा शक्ति के सकारात्मक उपयोग का सशक्त उदाहरण रहा।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया जिला जेल का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्री प्राणेष कुमार प्राण द्वारा 03 फरवरी को जिला जेल बालाघाट का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं तथा उनके अधिकारों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विधिक सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

न्यायाधीश श्री प्राण ने जेल के विभिन्न वार्डों, रसोई, स्वच्छता, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जेल प्रशासन को बंदियों की सुविधाओं, स्वच्छता एवं विधिक सहायता से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) रघुवीर प्रसाद पटेल, न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट सतीष शर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे सहित जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

शासकीय हाईस्कूल बेलगांव मे सतत् पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल बेलगांव में सतत् पर्यावरण शिक्षा शिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत विश्व वेटलैंड दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने आद्रभूमि और पारंपरिक ज्ञान, सांस्कृतिक विरासत का उत्सव। यह किस प्रकार आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता के संरक्षण में सहायक है। कार्यक्रम में बच्चों के सर्वश्रेष्ठ चित्रकला को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरुस्कार प्रदान कर प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। वही कार्यक्रम के समापन पर बच्चों को स्वल्पाहार वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में शाला प्राचार्य गणेश प्रसाद सोनी, शिक्षकगणों मे हेमराज कावडे, किशोर कुमार सिरसाज,राजेश बंजारी, निकेश कुमार गौतम, राजेन्द्र पारधी, शिव कुमार मेश्राम, रंजित राहंगडाले सहित अन्य शिक्षकसाथी उपस्थित रहे।

बेहरई में सड़क हादसे में साइकिल सवार वृद्ध घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा रोड ग्राम बेहरई के पास एक सड़क हादसे में साइकिल सवार एक वृद्ध घायल हो गया घायल। घायल वृद्ध सीताराम पिता केशव राव पटले 62 वर्ष ग्राम बेहरई निवासी है। 2 फरवरी की रात 10:00 बजे दुर्घटना उस समय हुई जब यह वृद्ध कनकी से अपने घर लौट रहा था। जिसे जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मीताराम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है। 2 फरवरी की रात्रि 10:00 बजे करीब मीताराम पटले अपने घर से साइकिल से किसी काम से ग्राम कनकी गया था और कनकी से काम निपटने के बाद मीताराम अपने घर बेहरई लौट रहा था। तभी लालबर्रा रोड ग्राम बेहरई के पास कोई अज्ञात वाहन सायकल को ठोस मारकर फरार हो गया। अज्ञातवन की ठोकर से मीताराम घायल हो गया था। जिसके सर मस्तक जबड़े में चोटे आई थी। मौके पर भीड़ लग गई थी। खबर मिलते ही परिवार के लोग भी पहुंच चुके थे। गंभीर रूप से घायल मीताराम को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

ग्राम कायदी में अवैध शराब का कारोबार से ग्रामीणों में चिंता

जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार, पुलिस प्रशासन से की सख्त कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी में लंबे समय से संचालित हो रहे अवैध शराब कारोबार ने गांव की सामाजिक व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया है। इसी को लेकर मंगलवार को जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत उर्फ जीतू ठाकुर के नेतृत्व में ग्राम कायदी के एक दर्जन से अधिक ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुँचे, जहां आयोजित जनसुनवाई में उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अवैध शराब बिक्री पर तत्काल और पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की।ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि ग्राम पंचायत कायदी के अंतर्गत कायदी, बनियाटोला और जोड़ापाट क्षेत्रों में करीब 25 से 26 स्थानों पर अवैध रूप से देसी, विदेशी एवं कच्ची शराब की खुलेआम बिक्री की जा रही है। यह कारोबार किराना दुकानों, पान ठेलों, अवैध ढाबों तथा कुछ निजी घरों से संचालित हो रहा है।जिससे गांव का माहौल पूरी तरह बिगड़ चुका है।

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध शराब बिक्री का सबसे अधिक असर युवा वर्ग पर पड़ रहा है। जो नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। इसके चलते गांव में आए दिन छोटे-बड़े विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। वहीं सड़क किनारे शराब की बिक्री होने से महिलाओं में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है। इन मार्गों से प्रतिदिन स्कूली बच्चों का आवागमन होता है, जिससे उनके भविष्य और सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों में गहरी चिंता व्याप्त है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 3 फरवरी को जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत की पहल पर ग्रामीण एकजुट हुए और प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। ज्ञापन सौंपने वालों में जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत, जितेंद्र सुलाखे सेवानिवृत्त भारतीय सेना, धरमसिंह राजपूत उप सरपंच ग्राम पंचायत कायदी, करणी सेना के जिला अध्यक्ष डॉ अभिजीतसिह बाटे,त्रिवेन्द्र नगपुरे, बसंत कुमार मड़ावी, मुकेश सहारे, अमित विश्वकर्मा, डुमन लाल भोयर, मोहित नेवारे, शुभम ठाकुर, हितेश वारके, नंदकिशोर राऊत सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।जनसुनवाई के उपरांत जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत ने इस मुद्दे को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट से भी चर्चा की और ग्राम कायदी में अवैध शराब कारोबार को जड़ से समाप्त करने हेतु सख्त और निरंतर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि समय रहते अवैध शराब पर नियंत्रण नहीं किया गया तो गांव का सामाजिक वातावरण और अधिक खराब हो सकता है।ग्रामीणों को प्रशासन से आशा है कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही ठोस कदम उठाए जाएंगे।ताकि ग्राम कायदी को नशे के दुष्प्रभाव से मुक्त कर एक सुरक्षित, शांत और स्वस्थ वातावरण की स्थापना की जा सके।

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट (म.प्र)

निविदा आमंत्रण सूचना

महाविद्यालय में डेस्कटॉप कम्प्यूटर और लेजर प्रिंटर GeM Portal के माध्यम से क्रय किया जाना है। इस हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है-

Bid No. and Date	Bid End Date
GeM/2026/B/7179756 Date- 02/02/2026	26/02/2026

निविदा की शर्तों/ परिवर्तन आदि कि जानकारी GeM Portal पर ऑनलाईन देखी जा सकती है।

प्राचार्य
शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय,
बालाघाट(म.प्र)

कोई पूर्ण भुगतान,कृषक सम्मान निधि की राशि,उपचार खर्च, राईस मिल की समस्या तो कोई छत बनवानें की उम्मीदें लेकर पहुचें!!

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी समस्या, 105आवेदकों की अपनी समस्याओं से संबंधित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 03 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 105 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम कुम्हारी के रुपचंद सिहोर एक वर्ष से बंद कृषक सम्मान निधी की राशि प्रदान करने की मांग लेकर आए थे। रुपचंद का कहना था कि उसकी भूमिस्वामी हक की भूमि पर उसे कृषक सम्मान निधी की राशि प्राप्त होती थी। किंतु 01 वर्ष से उसे इस योजना की राशि का भुगतान नही किया गया है। रुपचंद ने बताया कि उसने इस संबंध में तहसील कार्यालय बालाघाट में कई बार आवेदन प्रस्तुत किया है, किंतु तुम्हे राशि नही मिलेगी कहकर हर बार उसे कार्यालय से वापस कर दिया गया। इस प्रकरण में एसएलआर को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लांजी तहसील के ग्राम बहेला के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि गांव के डामेश्वर वानखेडे द्वारा बहेला में अंबिका राईस मिल लगायी गई है जिसमें सेलर मशीन, तेल घानी एवं मिर्च मसाला की मशीन लगायी गई है। राईस मिल से निकलने वाले भूसें एवं अन्य पदार्थों से ग्रामीणों को साँस की बीमारी एवं अस्थमा की शिकायत हो रही है। दैनिक उपयोग के पानी में भी भूसें एवं अन्य पदार्थों की डस्ट जमा हो जाती है। जिससे सभी वार्डवासी परेशान है। अतः इस राईस मिल को बस्ती से दूर हटाया जाए। इस प्रकरण में लांजी एसडीएम को आवश्यक काय्रवाही करने कहा गया है।

वारासिवनी तहसील के ग्राम डोंगरमाली के मनोहर लिल्हारे शिकायत लेकर आए थे कि ग्राम पंचायत डोंगरमाली में पंचायत द्वारा बनायी गई दुकानों के आवंटन में नियमों का पालन नही किया जा रहा है। सरपंच, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक द्वारा गलत तरीके से दुकान आवंटन कर धन वसूली की जा रही है। इस प्रकरण में वारासिवनी एसडीएम को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

वारासिवनी विकासखंड के ग्राम पंचायत दिनी के केवलानंद उपवंशी ग्राम में बने सामुदायिक भवन की दूसरी किश्त की राशि शीघ्र दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि वर्ष 2018 मे ग्राम पंचायत दिनी में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपए मंजूर किये गए थे, इसमें से 10 लाख रुपए की पहली किश्त प्राप्त हो गई है, लेकिन दूसरी किश्त की 10 लाख रुपए की राशि अब तक नही मिली है। जबकि सामुदायिक भवन के कार्य का मूल्यांकन कर मांग पत्र जिला पंचायत को दिया जा चुका है। इस प्रकरण में जिला पंचायत की निर्माण शाखा को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ग्राम पंचायत ओरम्मा के संतोष राउत एवं निकिता नेवारे प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास दिलाने की मांग लेकर आए थे। लांजी तहसील के ग्राम टेमनी के गोविंदराव पिल्लारे शिकायत लेकर आए थे कि विधायक निधी से उनके खेत के पास नवीन ट्रांसफार्मर लगाने की स्वीकृति 03 जनवरी 2025 को मिली है और इसकी 05 लाख 81 हजार रुपए की राशि ग्राम पंचायत के खाते में आ चुकी है। लेकिन आज तक नवीन ट्रांसफार्मन नही लगाया गया है। जिससे किसानों को असुविधा का सामना करना पड रहा है। इस प्रकरण में एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट के विनीत कटरे शिकायत लेकर आए थे कि वह स्वयं श्री इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल टेक्नालॉजी बालाघाट में 12 जुलाई 2022 से 18 हजार रुपए मासिक वेतन पर कार्यरत थे। उन्हें 27 दिसम्बर 2024 को बिना कारण बताए निकाल दिया गया और उनका दिसम्बर 2024 का वेतन एवं पुराना रोका गया लगभग 45 हजार रुपए का भुगतान आज तक नही किया गया है। इसके लिए इंस्टीट्यूट द्वारा उसे गुमराह किया जा रहा है। इस प्रकरण में श्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लामता तहसील के अंतर्गत ग्राम नेवरगांव के मुनेश्वरी राहंगडाले कृषि कार्य के दौरान पति की मृत्यु होने के कारण सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। मुनेश्वरी का कहना था कि खेत में कीटनाशक दवा का छिडकाव करते समय उसके पति इमरतलाल राहंगडाले की 05 अक्टूबर 2025 को मृत्यु हो गई है। लेकिन उसे अब तक कृषि विभाग से मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के अंतर्गत सहायता राशि नही मिली है। इस प्रकरण में उपसंचालक कृषि को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम देवरी निवासी फोगल बाहेश्वर शिकायत लेकर आए थे कि उसके भांजे रुपेंद्र द्वारा ग्राम पाथरशाही की युवती सलोनी से 07 नवम्बर 2025 को अंर्तजातीय विवाह किया गया है। विवाह के उपरांत रुपेंद्र और सलोनी 08 नवम्बर से 10 नवम्बर तक उसके घर रुके हुए थे। मरार समाज के अध्यक्ष कमलेश मरठे, सचिव आदित्य मातरे एवं अन्य लोगो द्वारा अंर्तजातीय विवाह करने वाले रुपेंद्र और सलोनी को अपने घर ठहराने के कारण उसे मरार जाति समाज से बहिस्कृत किया गया है। ग्राम के किसी भी व्यक्ति के उसके घर आने एवं उसे किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में बुलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है, इससे उसकी मान प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा है और उसे अपमानित होना पडा है। अतः उसे समाज से बहिस्कृत करने वाले लोगो के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में वारासिवनी एसडीएम को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

वार्ड नं. 29 बालाघाट निवासी विधवा महिला देवकन चौहान शिकायत लेकर आयी थी कि वह अपनी बेटी और नातन के साथ रहती है। पडोस के शंकरदास चौहान, आयुष चौहान, भारती मेश्राम एवं लता चौहान द्वारा उसे जादूखोर कहकर गाली-गलोच की जाती है और जान से मारने की धमकी दी जाती है। इस प्रकरण में नगर पुलिस अधीक्षक बालाघाट को कार्यवाही करने कहा गया है।

महाविद्यालय के १७ छात्र छात्राओं का राज्य स्तरीय बाल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिये हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी के १७ छात्र छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय बाल बैडमिंटन प्रतियोगिता हेतु किया गया है। सभी छात्र छात्राओं राजा शंकर शाह

विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय हिस्सा लेंगे । ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी खेल कैलेंडर अनुसार यह प्रथम अवसर है, जब बॉल बैडमिंटन खेल को वार्षिक कैलेंडर में शामिल किया गया है । जिसकी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय हमीदिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल के द्वारा ४ फरवरी २०२६ से किया जा रहा है। इस खेल के शामिल होने के पश्चात शासकीय एसएस पी महाविद्यालय के द्वारा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता की आयोजन हेतु प्रेषित प्रस्ताव के आधार पर महाविद्यालय को संभागीय स्तरीय प्रतियोगिता का दायित्व सौंपा गया था। इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें महिला और पुरुष दोनों वर्गों मे शासकीय महाविद्यालय ने विजय प्राप्त किया था। महाविद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया है । महाविद्यालय के लिए हर्ष का विषय है कि छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय की टीम के २० में से १७ सदस्य महाविद्यालय के हैं । जिसमें पुरुष वर्ग में महाविद्यालय से संस्कार सिंह लिल्हारे, शुभम नगपूरे,अतुल नगपुरे, राजकुमार सेंडे , देवेश बिसेन, सत्यम राजूकर, विजय धार्मिक, उमेश धार्मिक, रोहित धुर्वे, शैलेंद्र इडपाचे का चयन किया गया। इसी तरह महिला वर्ग में सुरभि मिश्रा, राजनंदिनी पंचेश्वर, प्रीति लांजेवर, पूजा बिसेन, प्रतीक्षा पताहे, फूलवंता उइके, दिलेश्वरी लिल्हारे का चयन किया गया है । पुरुष वर्ग में टीम मैनेजर मोहनीश इडपाचे व टोमेश्वर लिल्हारे व महिला वर्ग में सुश्री शिखा देवगिरकर व सुश्री शीला ब्रम्हे रहेंगे। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सरिता कोल्हेकर के द्वारा सभी छात्र.छात्राओं को ट्रैकसूट एवं किट वितरण कर रवाना किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई । साथ ही साथ महाविद्यालय की क्रीडा समिति के समस्त सदस्य , समस्त वरिष्ठ प्राध्यापक एवं समस्त सहायक प्राध्यापक क्रीड़ा अधिकारी ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया।

शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में हुआ जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता का आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। स्व. दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में उच्च शिक्षा विभाग खेल कैलेंडर अनुसार जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता का आयोजन 03 फरवरी 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस खेल प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी एकलव्य एवं विक्रम पुरस्कार विजेता सुश्री निधि नन्हेट रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएँ प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री रामकुमार राणा ने की। उन्होंने महाविद्यालय द्वारा खेल गतिविधियों के निरंतर आयोजन की सराहना की।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन ने अतिथियों का स्वागत

करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. तीरथ सिन्हा द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रभारी शशांक नेवारे एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ लीलाधर चचानें ने कार्यक्रम का सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला तथा विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। एवं संभाग स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता के लिए खिलाडियों का चयन किया गया।अंत में अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों में खेल भावना एवं टीम वर्क को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

बालाघाट में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रशासनिक कार्रवाई- भारी वाहनों पर नो एंट्री-का डंडा और मूल समस्या जस की तस!!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बूढ़ी क्षेत्र में हाल ही में हुई सड़क दुर्घटना के बाद प्रशासन द्वारा बड़े एवं भारी वाहनों के लिए सुबह 7 बजे से रात्रि 8ः30 बजे तक नो एंट्री लागू कर दी गई है। प्रशासन का यह कदम सड़क सुरक्षा के नाम पर उठाया गया है। लेकिन क्या वास्तव में यह निर्णय दुर्घटनाओं की जड़ पर प्रहार करता है, या फिर एकतरफा कार्रवाई कर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का प्रयास है—यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

यह निर्विवाद तथ्य है कि कई दुर्घटनाओं में भारी वाहन शामिल रहते हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि सड़क हादसों के लिए केवल भारी वाहन ही जिम्मेदार नहीं होते। नगर की सड़कों पर लापरवाही से दौड़ते दोपहिया, नियम तोड़ते चारपहिया और अव्यवस्थित यातायात भी दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। इसके बावजूद कार्रवाई केवल भारी वाहनों पर ही केंद्रित रहना प्रशासन की सोच और नीति पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। असल समस्या बालाघाट नगर की बदहाल और पुरानी सड़क व्यवस्था है।जिसे दशकों से नजरअंदाज किया जा रहा है। आज भी नगर की यातायात संरचना लगभग 50 वर्ष पुरानी है। उस दौर में जब न जनसंख्या इतनी थी और न ही वाहनों का दबाव ,तब बनाई गई संकरी सड़कें आज के हालात में पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुकी हैं। बीते 50 वर्षों में केवल सड़कों पर सीमेंट या डामरीकरण हुआ, लेकिन चौड़ीकरण और दीर्घकालीन योजना पर कोई ठोस काम नहीं किया गया।

आज स्थिति यह है कि बालाघाट नगर की जनसंख्या और वाहनों की संख्या में कई गुना वृद्धि हो चुकी है। जहां पहले लोग साइकिल या पैदल चलते थे, वहीं अब दोपहिया और चारपहिया वाहन आवश्यकता बन चुके हैं। इसके बावजूद इनके सुरक्षित आवागमन के लिए पर्याप्त चौड़ी सड़कें उपलब्ध नहीं हैं। नगर के मुख्य मार्ग अतिक्रमण की चपेट में हैं—सड़क किनारे व्यावसायिक प्रतिष्ठान, अवैध निर्माण और स्थायी अतिक्रमण यातायात को और संकुचित कर रहे हैं। यदि नगर के प्रमुख मार्गों पर नजर डाली जाए तो केवल नगर से गुजरने वाली गोंदिया मार्ग,आम्बेडकर चौक से मोतीनगर मार्ग, नर्मदानगर मार्ग और जय स्तम्भ चौक से आम्बेडकर चौक मार्ग ही ऐसा है जो कुछ हद तक चौड़ा है। इसके अलावा बैहर रोड, वारासिवनी रोड सहित अन्य प्रमुख मार्ग वाहनों के बढ़ते दबाव को संभालने में पूरी तरह असफल साबित हो रहे हैं। संकरी सड़कों पर भारी, मध्यम और छोटे वाहनों का एक साथ चलना दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। विडंबना यह है कि बालाघाट जिले की सीमा से लगे गोंदिया, भंडारा, सिवनी और छिंदवाड़ा जैसे नगरों में समय के साथ सड़क विस्तार और यातायात के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं, जबकि बालाघाट नगर 50 वर्षों बाद भी उसी पुरानी और अव्यवस्थित ढांचे में जकड़ा हुआ है। विकास के नाम पर शहर आगे बढ़ने के बजाय और अधिक संकुचित होता जा रहा है। स्पष्ट है कि केवल भारी वाहनों पर नो एंट्री लगाना एक अस्थायी और दिखावटी समाधान है। जब तक सड़कों का चौड़ीकरण नहीं होगा, अतिक्रमण पर सख्ती नहीं होगी और सभी प्रकार के वाहनों पर समान रूप से यातायात नियम लागू नहीं किए जाएंगे, तब तक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना संभव नहीं है। अब सवाल यह है कि प्रशासन कब तक केवल आसान निर्णय लेकर अपनी जिम्मेदारी से बचता रहेगा? बालाघाट की जनता को सुरक्षा चाहिए, न कि आधे-अधूरे फैसले। यह समय है कि नगर की यातायात व्यवस्था पर गंभीर, स्थायी और दूरदर्शी निर्णय लिए जाएं अन्यथा हर दुर्घटना के बाद इसी तरह किसी एक वर्ग को दोषी

जनगणना में शामिल किया जाए बौद्ध धर्म का कॉलम, अन्यथा आंदोलन होगा

दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ़ इंडिया की बैठक में लिया गया फैसला, संत रविदास जयंती एवं राज्य शाखा दक्षीण उत्तर की समीक्षा बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जैसे-जैसे जनगणना की तारीख पास आ रही है वैसे-वैसे जनगणना को लेकर नए-नए दो पेंच देखने को मिल रहे हैं। जहां विभिन्न समाज संगठनों द्वारा जनगणना में उनके धर्म का कलाम बढ़ाई जाने की मांग लगातार की जा रही है।इसके पूर्व आदिवासी समाज द्वारा जनगणना में आदिवासी समाज का कलाम बढ़ाए जाने की मांग की गई थी, तो वही अन्य समाज संगठन भी उनके समाज का कलाम जनगणना में जोड़ने की मांग कर रहे हैं। इसी बीच अब दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ़ इंडिया ने आगामी समय में होने वाली जनगणना में बौद्ध धर्म का पृथक से कलाम बनाए जाने की मांग की है।जिसमें उन्होंने जनगणना के पूर्व बौद्ध धर्म का कलाम ना होने पर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।बौद्ध धर्म का कलाम जोड़ने का यहां फैसला संत रविदास जयंती एवं राज्य शाखा दक्षिण उत्तर की समीक्षा बैठक के दौरान लिया गया। बताया गया कि यह बैठक भोपाल जिला मुख्यालय के चैत्य बुद्ध विहार,भैया साहब यशवंतराव आंबेडकर स्मारक पंचशील नगर में सम्पन्न की गई।जहा मानवता के सच्चे प्रहरी संत रविदास जी जयंती समारोह एवं संस्था की दक्षिण उत्तर राज्य की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई,संस्था के राष्ट्रीय सचिव एवं मप्र राज्य शाखा के पालक मंत्री बी.एच गायकवाड गुरुजी के मुख्यातिथि में.गौतम पाटिल राष्ट्रीय संगठक भोपाल के प्रमुख आतिथ्य में,डॉ चरनदास ढेंगरे प्रदेश अध्यक्ष मप्र दक्षिण(बालाघाट) की अध्यक्षता में,आर सी दिवाकर प्रदेश अध्यक्ष उत्तर(शिवपुरी)के स्वागत अध्यक्षता एवं मप्र के प्रदेश पदाधिकारी एवं

विभिन्न जिला शाखाओं के सैकड़ों प्रमुख पदाधिकारी के उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा

कार्यक्रम का सूत्र संचालन द.के महामंत्री डॉ.एवं एसएसडी लेफ्टिनेंट कर्नल उत्तम प्रधान इंदौर, लखन कुमार दैलवार प्रदेश कोषाध्यक्ष (अशोक नगर) ने आय व्यय का ब्यौरा बी.सी सहारे भोपाल के पास जमा किया गया, सी एल बौद्ध पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दतिया एवं रमेश लोखंडे पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष छिंदवाड़ा ने संस्था में शामिल होकर उनके,कार्यकर्ता एवं समाज के साथ किए जा रहे अन्याय और अनियमितता के बारे विस्तार से जानकारी दि।इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव गायकवाड गुरुजी मुंबई ने कहा कि सभी ने निष्ठा से धम्म कार्य करना चाहिए, गौतम पाटील ने कहा की सी.एल बौद्ध हमारे पुराने साथी है।वह प्रदेश अध्यक्ष थे।तभी मैं महासचिव था।आज हमको फीर से एक साथ काम करने का मौका मिला है।हम दोनों हाथ में हाथ मीलाकर तेज गती से काम करेंगे।समारोह के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि मानवता के अग्रणी संत रविदास जी ने जीवन भर मानव जीवन मंगल मय करने जीवन भर कार्य किया,सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ओ को धम्म संस्था के माध्यम गति से कार्य करने के टिप्स दिए,वर्ष 2026 बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जयंती महू इंदौर में मनाने हेतु सभी जिला शाखाओं को इंदौर में भेजे जाने हेतु टारगेट दिए। उन्होंने बताया कि महू बाबासाहेब जयंती अवसर पर मप्र शासन की ओर से लगने वाला मंच जो जन्मभूमि के ठीक सामने लगता है। जिससे स्मारक के दर्शन करने वाले हजारों अनुयायियों को भारी तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है,जनहानि की संभावना बनी रहती,उन्होंने बताया कि नई जनगणना के पत्रक के धर्म के कॉलम में हिंदू, सिख, ईसाई, मुस्लिम एवं जैन लिखा है,बौद्ध नहीं लिखा, अन्य भी नहीं लिखा जिससे पूरे बौद्ध अनुयायियों के साथ धोखा है जिससे उनमें भारी आक्रोश बना हुआ है,इस पर नाराजगी जारी करते हुए मप्र प्रदेश शासन एवं भारत सरकार को पत्र लिखने हेतु प्रस्ताव लिया गया है।उन्होंने बताया कि बौध्य् धर्म कालम जनगणना में शामिल नही किया गया तो भविष्य में संगठन एवं समाज द्वारा आंदोलन किया जाएगा।

शिक्षकों के हाथो में ही देश का भविष्य है-जावेद अली

पद्मेश न्यूज। डोंगरमाली। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत साकडी में एमबीएम हाई स्कूल के कार्यक्रम कक्षा १२ वीं के छात्र छात्राओं की भावात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच एवं खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष जावेद अली एवं शिक्षक एवं शिक्षिकाओं एवं छात्र छात्राओं का स्वागत सम्मान किया गया । जिलाध्यक्ष जावेद अली ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों के हाथों में ही देश का भविष्य है। शिक्षक की शिक्षा प्राप्त करके ही कोई देश के ऊंचे पदों पर आसीन होता यही लोग देश का नेतृत्व करते है इसलिए शिक्षकों का आदर मान सम्मान करना चाहिए एवं शिक्षकों के उपकार को नहीं भूलना चाहिए। शिक्षा के साथ साथ संस्कार भी जरूरी है शिक्षा से कद और पद जरूर मिल सकता है लेकिन मान सम्मान संस्कारों से ही मिलता है । जिस भी पोस्ट में आप आसीन हो पूरी ईमानदारी एवं सेवा भाव से अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। इस दौरान पूर्व सरपंच अशोक लिल्लाहरे ,ओबीसी महासभा ब्लॉक अध्यक्ष संतलाल लिल्लाहरे , राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच पांचे टोला साकड़ी ग्रामीण अध्यक्ष मुकेश दांदरे, राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच मंगेझरी ग्रामीण अध्यक्ष दिनेश पांचे,धनीराम डहाके, राजेश कोलते, रवी बिसेन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जंगली सूअर के हमले में कृषक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पिपरझरी में जंगली

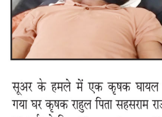

सूअर के हमले में एक कृषक घायल हो गया घर कृषक राहुल पिता सहसराम राऊत 30 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल राऊत अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 2 फरवरी को राहुल परिवार के साथ अपने खेत रबी की धान की रोपाई करने के लिए खेत गए थे। दोपहर में राहुल अपने खेत की पार में खड़ा था तभी जंगली सूअर ने उस पर हमला कर दिए। जंगली सूअर ने राहुल के हाथ की हथेली को चिर दिए। वहीं उन्हें अंदरूनी चोटे आई। शाम हो जाने के कारण राहुल इलाज करवाने जिला अस्पताल नहीं पहुंचे। और गांव के ही डॉक्टर से इलाज करवाये। 3 फरवरी को राहुल अपने परिवार के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। राहुल को जिला अस्पताल में भर्ती लिया गया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व विधायक किशोर समरिते का आरोप-सरकार श्वेतपत्र जारी करे

'बालाघाट में पुलिस को स्कूलों में रंग-रोगन का काम किस योजना और आदेश से दिया गया?'

सिटी रिपोर्टर
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सयुंक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व विधायक किशोर समरिते ने एक बयान जारी कर बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित गाँवों के स्कूलों के मरम्मत और रंगाई पुताई में पुलिस विभाग की संलग्नता पर गंभीर सवाल उठाये हैं.उन्होंने अपने बयान में पुलिस द्वारा स्कूलों के काम करने पर अधिकारिता का भी सवाल उठाया। उन्होंने अपने बयान में उल्लेख किया है कि जहां एक तरफ भारत देश पर 747.2 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है वहीं मध्यप्रदेश पर 75 लाख करोड़ रूपये का कर्ज है. देश में 10 लाख उद्योग धंधे बंद हैं 5 से 10 लाख उद्योगपति देश छोड़ चुके हैं.जो गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत के किसी भी रोजगार कार्यालय द्वारा चपरासी तक की कोई नौकरी नहीं दी जा रही है. वहीं दूसरी ओर बालाघाट जिले में रोजगार मेला लगाकर बेरोजगार युवाओं युवतियों को दूसरे राज्यों में भेजा जाता है. उन कम्पनियों में भेजा जाता है जो भारत सरकार के कर्जे में डूबी हुई कम्पनीयां हैं। यह बेहद विडंबना की बात है।

श्री समरिते ने अपने बयान में आगे कहा है कि भारत सरकार ने जहां एक तरफ अटल शिक्षा मिशन के तहत 5,624 करोड़ रूपये पीएम योजना के तहत तथा पीएम श्री योजना के तहत 269 करोड़ रूपये मध्यप्रदेश सरकार को आबंटित किये हैं जिसका शासन स्तर पर कोई

संज्ञान नहीं है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि इस तरह किसी भी स्थिति में मध्यप्रदेश सरकार दिवालिया नहीं हुई है और ना ही भारत सरकार तो फिर ऐसी स्थिति में बालाघाट जिले में विद्यांजलि सोसायटी एडास्र एंड चेंज मेकर्स ग्रुप बनाकर पूरे जिले के तहसील स्तर तक के व्यवसायियों से पुलिस और प्रशासन द्वारा स्कूलों के रंग रोगन तथा मरम्मत के लिए पैसा वसूला जाना ठीक नहीं है।

श्री समरिते ने आगे कहा है कि बालाघाट एसपी की डबल मनी के पुराने मामले में छवि ठीक नहीं है. इनकी बालाघाट जिले में दोबारा पदस्थापना सही नहीं है. सरकार को इस मामले लेकर सफाई देनी चाहिए कि सरकार का बालाघाट का एसपी किसके आदेश और किस योजना से जिले में स्कूलों के नाम पर चंदे की अवैध वसूली कर रहे हैं।

पूर्व विधायक किशोर समरिते ने अपने बयान में आगे कहा है कि स्कूलों की साफ-सफाई के लिए भारत सरकार ने राज्य सरकार को पर्याप्त राशि की उपलब्धता करायी है. एसपी बालाघाट के पास किसी भी तरह की तकनीकी और प्रशासकीय अधिकार नहीं है. फिर वे पूरे जिले के नक्सल पीड़ित गाँवों के स्कूलों की पुताई में किस नियम के तहत संलग्न किया है. यह तथ्य गंभीर जांच का विषय है. मुख्यमंत्री को बालाघाट जिले में एसपी की पदस्थापना, आवक जावक, और ईनाम और निंदा सजाओं की समीक्षा की जानी चाहिए. जिला प्रशासन के बिना अनुमति के इस तरह कराये जा रहे कार्यों पर श्वेत पत्र जारी करनी चाहिए और यह बताना चाहिए कि क्या अब मध्यप्रदेश सरकार दिवालिया हो चुकी है जो व्यवसायियों से वसूली करके स्कूलों की देखभाल करनी पड़ रही है।

श्री समरिते का यह भी कहना है कि पुलिस को 1861 के पुलिस एक्ट और बीएनएस और सीआरसीपी, आईपीसी की धाराओं के तहत काम करना चाहिए ना कि किसी अन्य विभाग के अधिकारों का अतिक्रमण करना चाहिए।

वतन लौटे प्रसन्नजीत को सरकारी व्यय पर अमृतसर से लाने दल रवाना

पाकिस्तान की जेल से सात साल बाद रिहाई और गांव तक पहुंचाने की कवायद
सात साल बाद वतन वापसी, बहन की अथक मेहनत लाई रंग, अब मां से मिल सकेगा बेटा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पाकिस्तान की जेल से रिहा हुए बालाघाट निवासी प्रसन्नजीत रंगारी को अमृतसर लाने की प्रक्रिया के तहत 3 फरवरी को उनके परिजन अमृतसर के लिए रवाना हुए। पहले प्रसन्नजीत को ट्रेन के माध्यम से लाने की योजना थी, लेकिन समय पर आरक्षण न मिलने के कारण यात्रा की व्यवस्था में बदलाव करना पड़ा। अब प्रसन्नजीत को अमृतसर से लाने के लिए उनके जीजा राजेश खोबरागड़े के साथ एक प्रशासनिक दल शासकीय चौपहिया वाहन से रवाना हुआ है। यह पूरी व्यवस्था प्रशासन द्वारा शासकीय खर्चे पर की गई है, ताकि प्रसन्नजीत की सुरक्षित और सुगम वापसी सुनिश्चित की जा सके। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक पुलिस जवान को भी दल के साथ भेजा गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि यह कदम एहतियातन उठाया गया है, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या सुरक्षा संबंधी समस्या उत्पन्न न हो।

1 फरवरी को पाकिस्तान की जेल से रिहा किए गए बालाघाट जिले के वारासिवनी क्षेत्र निवासी प्रसन्नजीत रंगारी को अन्य भारतीय कैदियों के साथ रिहाई के बाद सुरक्षा कारणों से अमृतसर में रखा गया था। वहां सभी कैदियों का मेडिकल परीक्षण और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें परिजनों के सुपुर्द किया जाना था। प्रसन्नजीत की मानसिक स्थिति सामान्य न होने के कारण प्रशासन ने उनके परिजनों को ही अमृतसर बुलाने का निर्णय लिया। इस दौरान उनकी बहन संघमित्रा ने भाई को घर लाने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते वह स्वयं अमृतसर जाकर भाई को लाने में असमर्थ रहीं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और रिश्तेदारों से भी सहयोग की अपील की, लेकिन कहीं से अपेक्षित मदद नहीं मिल सकी। मामले मीडिया में आने और हस्तक्षेप के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया। बालाघाट कलेक्टर ने पहले प्रसन्नजीत को रेल मार्ग से लाने की योजना बनाई, लेकिन रेलवे में आरक्षण उपलब्ध न होने के कारण यह प्रयास सफल नहीं हो सका। इसके बाद कलेक्टर श्री मीना ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रसन्नजीत की सुरक्षित वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। कलेक्टर के निर्देश पर जनपद पंचायत कटंगी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार के मार्गदर्शन में एक शासकीय चौपहिया वाहन से प्रशासनिक दल को अमृतसर भेजा गया। इस दल में महेकेपार और मोहगांव के रोजगार सहायक योगेंद्र चौधरी एवं आशीष वासनिक, प्रसन्नजीत के जीजा राजेश खोबरागड़े तथा महेकेपार चौकी में पदस्थ एक आरक्षक शामिल हैं। यह दल 3 फरवरी की शाम कटंगी से अमृतसर के लिए रवाना हुआ। प्रसन्नजीत की सुरक्षा और सहयोग को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश पर पुलिसकर्मी को भी दल के साथ भेजा गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रसन्नजीत को अमृतसर से बालाघाट लाने की पूरी प्रक्रिया शासकीय खर्चे पर कलेक्टर के निर्देशन में की जा रही है। सात वर्षों बाद वतन लौट रहे प्रसन्नजीत की वापसी को लेकर परिवार में भावुक माहौल है। जिला प्रशासन की इस पहल को मानवीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब जिलेवासियों की नजरें प्रसन्नजीत की सकुशल घर वापसी पर टिकी हुई हैं।

सड़क दुर्घटना में पति की मौत- घायल पत्नी जिला जिला अस्पताल में भर्ती

जिले की सीमा से लगे महाराष्ट्र राज्य के तुमसर रोड पर हुई थी दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की सीमा से लगे महाराष्ट्र राज्य में तुमसर रोड पर एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक धनेंद्र पिता अंजीलाल बिसेन 35 वर्ष ग्राम महाराजपुर थाना वारासिवनी निवासी है। इस दुर्घटना में घायल उनकी पत्नी श्रीमती रक्षा पति स्वर्गीय धनेंद्र बिसेन30 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त

जानकारी के अनुसार धनेंद् बिसेन पत्नी रक्षा बिसेन के साथ नागपुर के संघर्ष नगर में रहकर वे किसी कंपनी ने काम करते थे। जिनमें दोनों बच्चे हैं और वे महाराजपुर में ही रहते है। 1 जनवरी को धनेंद्र बिसेन अपनी पत्नी रक्षा बिसेन के साथ मोटरसाइकिल में किसी आवश्यक काम से नागपुर से अपने घर ग्राम महाराजपुर आ रहे थे। शाम 6ः00 बजे करीब तुमसर पार होने के बाद किसी व्यक्ति को बचाने के चक्कर में मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और धनेंद्र बिसेन और उनकी पत्नी रक्षा बिसेन दोनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। इस दुर्घटना में धर्मेंद्र बिसेन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल दोनों पति-पत्नी को तुमसर में भर्ती किया गया था जहां से उन्हें भंडारा और भंडारा से नागपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया था। नागपुर में इलाज के दौरान धनेंद्र बिसेन की मौत हो गई। जिनकी लाश पोस्टमार्टम करवा कर 2 जनवरी को उनके गृह ग्राम महाराजपुर लाई गई वहीं घायल उनकी पत्नी रक्षा बिसेन को भी अंत्येष्टि में शामिल करने के लिए पाया गया था। धनेंद्र बिसेन की अंत्येष्टि होने के बाद 3 फरवरी को रक्षा बिसेन को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री समय निर्धारित

यातायात प्रबंधन को लेकर बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से 3 फरवरी को पुलिस कंट्रोल रूम बालाघाट में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी, कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेली एवं यातायात थाना प्रभारी सूबेदार श्रीमती यीना राहंगडाले उपस्थित रहीं।बैठक में शहर में यातायात प्रबंधन तथा भारी वाहनों की आवाजाही को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में व्यापारी स ं घ ा , ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं ट्रैक्टर संचालकों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री समय निर्धारित किया गया है। निर्धारित समय के अनुसार प्रात: 07ः30 से 09ः30 बजे, 11ः00 से 12ः00 बजे, दोपहर 01ः30 से 03ः30 बजे तथा सायं 04ः30 से 08ः30 बजे तक शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।इसके अतिरिक्त नो-एंट्री समय के अलावा भी शहर के भीतर भारी वाहनों की अधिकतम गति सीमा 20 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है।बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पूर्णत: पालन करें एवं अपने वाहनों से संबंधित सभी वैध दस्तावेज साथ रखें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।बालाघाट पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सभी के सहयोग से ही शहर में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित, सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखा जा सकता है।

भारी वाहनों हेतु शहर में प्रवेश / नो-एंट्री समय सारणी (बालाघाट)

क्रमांक	समयावधि	स्थिति
1	प्रातः 07:30 – 09:30 बजे	नो-एंट्री
2	प्रातः 09:30 – 11:00 बजे	प्रवेश अनुमति
3	प्रातः 11:00 – 12:00 बजे	नो-एंट्री
4	दोपहर 12:00 – 01:30 बजे	प्रवेश अनुमति
5	दोपहर 01:30 – 03:30 बजे	नो-एंट्री
6	दोपहर 03:30 – 04:30 बजे	प्रवेश अनुमति
7	सायं 04:30 – 08:30 बजे	नो-एंट्री
8	रात्रि 08:30 बजे से आगे	प्रवेश अनुमति

वृद्ध से बेटे बहु ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जानपुर में एक व्यक्ति को उसके बेटे और बहू ने मारपीट कर घायल कर दिए और यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई। मारपीट में घायल व्यक्ति चेतूसिंह पिता केहर सिंह मरकाम 55 वर्ष का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर मलाजखंड पुलिस ने उसके बेटे विनोद मरकाम और बहू भागवंतीन मरकाम के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चेतू सिह मरकाम मजदूरी करता है। जिसके परिवार में दो लड़की और तीन लड़के हैं ।सभी की शादी हो चुकी है चैतूसिंह का बड़ा लड़का सुरेश मरकाम और मजला लड़का विनोद मरकाम अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं । चैतूसिंह मरकाम अपने छोटे बेटे आशीष मरकाम के परिवार के साथ में रहता है। बताया गया है कि चैतूसिह मरकाम का उसके मझले बेटे विनोद मरकाम के साथ किसी बात को लेकर विवाह चल रहा था। 3 फरवरी को 11ः30 बजे चैतूसिह मरकाम अपने घर में था उसी समय उसका बड़ा बेटा विनोद मरकाम एवं बहू भगवतीन मरकाम घर के सामने आकर उसे अश्लील गालियां देने लगे थे। चैतूसिह मरकाम ने अपने बेटे और बहू को गालियां देने से मना किया तभी विनोद मरकाम ने उसे हाथबुक्के से मारपीट करने लगा। हाथ में पहने कड़ा निकाल कर सिर में वार कर दिया। चेतूसिंह मरकाम के चिल्लाने पर परिवार के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। जिसके बाद विनोद मरकाम ने अपने पिता को जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में चेतूसिह मरकाम का सिर में चोट लगने से घायल हो गया था। जो अपनी भांजी उर्मिला मेरावी और बड़ी बहु सोमकली मरकाम और छोटी बहू रजवंती मरकाम के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने चेतूसिह मरकाम का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर विनोद मरकाम और उसकी पत्नी भागवतीन मरकाम के विरुद्ध मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने की आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट